राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 333
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 14 जून 2022
मूल्य : 1.50/-

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 केजरीवाल सरकार, डेनमार्क के साथ मिलकर दिल्ली में ग्राउंड वाटर रिचार्ज और पराली से बिजली उत्पादन की संभावनाएं तलाश करेगी

पेज 5 जौनपुर में आधा दर्जन दुकानों पर कपड़ा व्यापारी ने चलवाया बुलडोजर, सामान भी मलबे में दबे

पेज 7 अपने परमाणु हथियार का विस्तार कर रहा भारत, पाकिस्तान और चीन भी नहीं हैं पीछे : रिपोर्ट

राजस्थान में भड़का आरक्षण आंदोलन

भरतपुर में इंटरनेट बंद; नेशनल हाईवे- 21 दो दिन से जाम, हाथों में लाठियां लेकर बैठे लोग

भरतपुर। राजस्थान में एक बार फिर आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन शुरू हो गया है। अब माली, कुशवाहा शाक्य, मौर्य समाज ने अलग से 12 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की है। समाज के सैकड़ों लोगों ने हाथों में लाठियां लेकर भरतपुर में नेशनल हाईवे-21 (आगरा-जयपुर) को जाम कर दिया। 24 घंटे से हाईवे जाम है। इधर, भरतपुर संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने सोमवार सुबह 11 बजे से 24 घंटे के लिए चार कस्बों में इंटरनेट बंद कर दिया।

सरकार ने मंत्री विश्वेंद्र सिंह और संभागीय आयुक्त को आंदोलनकारियों के प्रतिनिधियों से बातचीत करने के लिए अधिकृत कर दिया है।

आरक्षण संघर्ष समिति के संरक्षक लक्ष्मण सिंह कुशवाहा ने कहा- समाज के लोग संविधान के तहत आरक्षण की डिमांड कर रहे हैं। संविधान के अनुच्छेद संख्या 16 (4) में व्यवस्था दी गई है। वे जातियां जो अति पिछड़ी हुई हैं, उन्हें राज्य सरकार अपने स्तर पर आरक्षण दे सकती है। इसका केंद्र से कोई मतलब नहीं है। आज समाज में न तो कोई IAS अधिकारी है और न RAS है।

कुशवाहा ने कहा- काची (माली) समाज अति पिछड़े में आता है। काची समाज की जनसंख्या 12 प्रतिशत है, इसलिए हम जनसंख्या के आधार पर आरक्षण मांग रहे हैं। इसको लेकर मुख्यमंत्री से मिल चुके हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया था कि इस पर विचार किया जाएगा, लेकिन आज तक कोई विचार नहीं किया। जिसके बाद मजबूर होकर समाज के लोगों ने चक्का जाम किया है। अभी तक सरकार का कोई प्रतिनिधि बात करने अरोदा नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा- हम प्रशासनिक स्तर पर बात नहीं करेंगे।

अफवाह को रोकने के लिए नेटबंदी

भरतपुर संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने बताया कि माली, सैनी, कुशवाहा शाक्य, मौर्य समाज की ओर से 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग की गई है। इसे लेकर नेशनल हाईवे-21 जाम कर दिया गया है। जयपुर-आगरा यातायात बाधित हो गया है। शांति और कानून व्यवस्था को बिगड़ने की संभावना को देखते हुए इंटरनेट और ब्रॉडबैंड की सेवाओं पर रोक लगाई गई है।

हालात देखते हुए सोशल मीडिया के जरिए जिले की कानून व्यवस्था को खराब किया जा सकता है।

नदबई, वैर भुसावर और उच्चैन तहसीलों में इंटरनेट सेवा बंद की गई है। यह इंटरनेट 13 जून सुबह 11 बजे से 14 जून सुबह 11 बजे तक बंद रहेगा।

मंत्री सिंह बोले- हाईवे खाली कर वार्ता के लिए आ जाएं

कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह और संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा को सरकार ने आंदोलनकारियों के प्रतिनिधियों से बातचीत करने के लिए अधिकृत कर दिया है। मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने सोमवार शाम इसकी जानकारी दी। सिंह ने कहा- हम बात करने के लिए तैयार हैं। सवाल ये है कि आंदोलन कर रहे माली समाज के लोगों का लीडर कौन है? हम किससे बात करें। 24 घंटे से इन लोगों ने हाईवे को जाम कर रखा है। लोगों को असुविधा हो रही है। किसी को कुछ हो गया तो जिम्मेदारी कौन लेगा? ये लोग सबसे पहले हाईवे खाली करें, फिर वार्ता के लिए आ जाएं। अब गेंद उनके पाले में है।

राष्ट्रीय राजधानी में लू का प्रकोप जारी

अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न इलाकों में सोमवार को लू का प्रकोप जारी रहा और झुलसाने वाली गर्मी के बीच अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी।

मौसम विभाग ने हालांकि राजधानी दिल्ली में दिन के दौरान हल्की बारिश और आम तौर पर बादल छाए रहने के संकेत दिए।

मौसम विभाग ने बुलेटिन में बताया कि हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में भी लू का प्रकोप जारी रहेगा। राजधानी में लू जैसी स्थिति 15 जून तक जारी रहेगी।

मौसम विभाग के मुताबिक सुबह 08ः30 बजे न्यूनतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो समान्य से चार डिग्री ऊपर रहा। जबकि सापेक्षिक आर्द्रता 42 प्रतिशत दर्ज की गयी।

विभाग के साप्ताहिक पूर्वानुमान के अनुसार गुरुवार से रविवार के बीच गरज के साथ बारिश होने का अनुमान जताया गया है और बुधवार से रविवार के बीच अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 36 डिग्री सेल्सियस तक आ सकता है। दिल्ली के सफदरजंग वेधशाला में रविवार को अधिकतम तापमान 43.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से चार डिग्री ऊपर रहा।

पुलिस ने बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं को लिया हिरासत में

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेशी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को दिल्ली में जबर्दस्त प्रदर्शन किया जिसके कारण पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया।

श्री गांधी ईडी के समक्ष पेशी के लिए जाने से पहले पार्टी मुख्यालय 24 अकबर रोड़ पहुंचे जहां बड़ी संख्या में मौजूद कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए मौजूद थे इस दौरान उनके साथ पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी भी पार्टी मुख्यालय से श्री गांधी के साथ ईडी कार्यालय के लिए रवाना हुए। मुख्यालय में पार्टी नेता दिग्विजय सिंह, प्रमोद तिवारी, जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल, हरीश रावत, मुकुल वासनिकस अशोक गहलोत, पीएल पुनिया, गौरव गोगोई पवन खेड़ा संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बताया कि उन्हें किस तरह से इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होना है।

श्री गांधी जब ईडी के सामने पेश हुए तो उत्तेजित कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन किया।

विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के आरोप में तुगलक रोड पुलिस लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, महासचिव केसी वेणुगोपाल, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पार्टी नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा को तथा मंदिर मार्ग पुलिस ने रजनी पाटिल, अखिलेश प्रताप सिंह, एल हनुमंता सहित कई अन्य नेताओं को हिरासत में लिया गया।

पार्टी महासचिव वाड्रा श्री गांधी को ईडी के दफ्तार में छोड़ने के बाद तुगलग रोड़ थाने गई जहां श्री गांधी की पेशी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे नेताओं को हिरासत रखा गया है।

कश्मीर में इस साल 100 आतंकियों का सफाया

163 दिनों में 61 एनकाउंटर; लश्कर के 63 और जैश के 24 दहशतगर्द मारे गए

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर में आतंक का सफाया सेंचुरी पार कर गया है। 2022 के शुरुआती 5 महीनों और 12 दिन के अंदर पुलिस और सेना ने 100 आतंकी मार गिराए। यह जानकारी IGP कश्मीर विजय कुमार ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि इस साल अब तक घाटी के अलग-अलग इलाकों में हुई मुठभेड़ों में 71 लोकल और 29 विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया गया है।

लश्कर के आतंकियों की तादाद ज्यादा

विजय कुमार के मुताबिक सेना और पुलिस ने मिलकर आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 63 और जैश-ए-मोहम्मबद के 24 आतंकी मार गिराए। जानकारी के मुताबिक इस साल कुल 61 एनकाउंटर हुए। इनमें 47 आतंकियों और उनके 185 मददगारों को गिरफ्तार किया गया। वहीं इन एनकाउंटर्स में 17 आम नागरिकों और 16 पुलिस और सेना के जवानों को भी अपनी जान गंवानी पड़ी। पिछले साल इसी टाइम लिमिट में आतंकियों के मारने का आंकड़ा 50 तक ही पहुंच सका था। इनमें 49 लोकल टेररिस्ट और 1 विदेशी आतंकी शामिल था।

आदिल के एनकाउंटर से पूरा हुआ शतक

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा आदिल पारे के एनकाउंटर के बाद सैकड़ा पूरा हुआ। आदिल जम्मू-कश्मीर में दो पुलिस कर्मियों की हत्या में शामिल था। श्रीनगर के क्रिसबल पालपोरा संगम इलाके में आतंकवादियों और श्रीनगर पुलिस की एक छोटी टीम के साथ एक मुठभेड़ शुरू हुई। लश्कर का यह आतंकी जम्मू कश्मीर पुलिस दो जवानों हसन डार की हत्या और अंचार सौरा में सैफुल्ला कादरी की हत्या में शामिल था।

नेशनल हेराल्ड केसः ईडी ने राहुल गांधी से करीब साढ़े 8 घंटे की पूछताछ

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 'नेशनल हेराल्ड' से जुड़े कथित धनशोधन मामले में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए और जांच एजेंसी द्वारा उनसे लगभग साढ़े 8 घंटे तक पूछताछ की गई। अधिकारियों ने बताया कि राहुल गांधी सुबह करीब 11.10 बजे एपीजे अब्दुल कलाम रोड स्थित ईडी के मुख्यालय पहुंचे और करीब 20 मिनट तक कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने और उनकी उपस्थिति दर्ज करने के बाद उनसे पूछताछ की गई। जिसके बाद रात करीब साढ़े 9 बजे उन्हें पूछताछ के बाद जाने दिया गया। सामाचर एजेंसी एएनआई के मुताबिक ईडी ने राहुल गांधी से कल यानी मंगलवार को फिर से पेश होने को कहा है।

पहले दौर की पूछताछ के बाद राहुल गांधी को दोपहर करीब दो बजकर 10 मिनट पर भोजन के लिए ईडी मुख्यालय से बाहर जाने की इजाजत दी गई थी। भोजनावकाश के बाद वह दिन में करीब तीन बजकर 30 मिनट पर फिर ईडी के समक्ष पेश हुए। ईडी ने पहले राउंड में राहुल गांधी से करीब तीन घंटे पूछताछ की थी जबकि दूसरे दौर में उनसे साढ़े 5 घंटे बातचीत हुई। समझा जाता है कि राहुल गांधी ने धनशोधन रोकथाम कानून की धारा 50 के तहत अपना बयान लिखित रूप से दिया है।

कांग्रेस नेताओं ने दिया विरोध प्रदर्शन

सुबह में पूछताछ के लिए राहुल गांधी कांग्रेस मुख्यालय से ईडी दफ्तर पहुंचे। इस मौके पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे और राहुल गांधी के प्रति अपना समर्थन जताया। राहुल गांधी का काफिला जब ईडी मुख्यालय पहुंचा तो गाड़ी में उनके बगल में प्रियंका गांधी भी बैठी हुईं थीं।

क्या है पूरा मामला

एजेंसी ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत राहुल गांधी का बयान दर्ज किया था। अधिकारियों के अनुसार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और गांधी परिवार से पूछताछ ईडी की जांच का हिस्सा है, ताकि 'यंग इंडियन' और 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' (एजेएल) के हिस्सेदारी पैटर्न, वित्तीय लेन-देन और प्रवर्तकों की भूमिका को समझा जा सके। 'यंग इंडियन' के प्रवर्तकों और शेयरधारकों में सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी सहित कांग्रेस के कुछ अन्य सदस्य शामिल हैं।

कांग्रेस बोली- नेतृत्व झुकने वाले नहीं है

समझा जाता है कि मामले से जुड़े सहायक निदेशक स्तर के एक ईडी अधिकारी ने 'यंग इंडियन' की स्थापना, 'नेशनल हेराल्ड' के संचालन और धन के कथित हस्तांतरण को लेकर सवालों की सूची सामने रखी। 'यंग इंडियन' में कथित वित्तीय अनियमितताएं भी जांच के दायरे में हैं।

कांग्रेस का कहना है कि उसके शीर्ष नेताओं के खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं तथा ईडी की कार्रवाई प्रतिशोध की राजनीति के तहत की जा रही है। उसने यह भी कहा है कि वह एवं उसका नेतृत्व झुकने वाले नहीं है।

तो कांग्रेस में खत्म हो गई है हार पर रार! सोनिया-राहुल गांधी के नाम पर एकजुट दिखे कांग्रेसी

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सुरजेवाला ने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के खिलाफ लगे आरोपों को निराधार करार देते हुए कहा, ''कांग्रेस एक राजनीतिक दल है और एक राजनीतिक दल किसी कंपनी में हिस्सेदारी नहीं खरीद सकता। इसलिए, 'यंग इंडियन' के नाम से एक गैर-लाभकारी कंपनी (नॉट फॉर प्रॉफिट कंपनी) को 'नेशनल हेराल्ड' एवं एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड के शेयर दिए गए, ताकि 90 करोड़ रुपये का कर्ज खत्म हो सके।''

भारत की परमाणु ताकत बढ़ीः एक साल में भारत के खेमे में 4 परमाणु हथियार जुड़े

नई दिल्ली। स्टॉकहोम स्थित इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूटने सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि रूस-यूक्रेन जंग से अंतरराष्ट्रीय तनाव बढ़ रहा है। इसका असर दुनियाभर के परमाणु हथियारों के जखीरे पर दिखेगा। सिप्री ने दावा किया, भारत और पाकिस्तान अपने परमाणु हथियार का जखीरा बढ़ा रहे हैं। भारत का परमाणु हथियार भंडार जनवरी 2021 में 156 से बढ़कर जनवरी 2022 में 160 हो गया। भारत अभी भी अपने परमाणु हथियारों का भंडार बढ़ाने पर काम कर रहा है। इसी तरह पाकिस्तान भी अपने परमाणु हथियार बढ़ाने पर जोर दे रहा है। पाकिस्तान का भंडार जनवरी 2021 और जनवरी 2022 में 165 पर बना हुआ है।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य ताकत चीन भी अपनी शक्ति बढ़ा रहा है। सेटेलाइट से ली गई तस्वीरों में पता चला कि चीन 300 से अधिक नई साइलो मिसाइल का निर्माण कर रहा है। जनवरी 2021-22 में चीन के पास 350 परमाणु हथियार थे।

सिप्री का कहना है कि भारत अपने परमाणु हथियारों को लेकर आधिकारिक आंकड़ा साझा नहीं करता है। देश में परमाणु हथियारों की असल संख्या इस रिपोर्ट में दी गई जानकारी से अलग होती है। भारत और पाकिस्तान कुछ मिसाइल परीक्षणों के बारे में ही जानकारी देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, इजराइल और उत्तर कोरिया जैसे 9 देशों के पास परमाणु हथियार हैं।

2022 की शुरुआत में इन देशों के पास 12,705 परमाणु हथियार थे, जो 2021 से 375 कम हैं। साल 1986 की तुलना में तो यह संख्या बेहद कम हुई है। उस समय दुनिया में 70,000 से ज्यादा परमाणु हथियार थे। कोल्ड वॉर खत्म होने के बाद सबसे बड़ी परमाणु ताकतों रूस और अमेरिका ने अपने हथियारों में कमी करनी शुरू कर दी, इसके चलते कुल परमाणु हथियारों की संख्या तेजी से घटी।

अगर सबसे अधिक परमाणु हथियारों वाले देशों की बात करें तो रूस और अमेरिका के पास दुनिया के 90 प्रतिशत परमाणु हथियार हैं।

राहुल से पूछे सवालों के लीक होने पर भड़की कांग्रेस

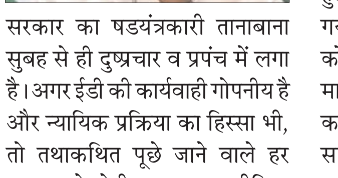

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से प्रवर्तन निदेशालय-ईडी द्वारा पूछे गए सवालों के मीडिया में आने पर काग्रेस ने सरकार पर तीखा हमला किया और कहा कि इन तथाकथित सवालों के लीक होने को लेकर उसे जवाब देना चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि सरकार दुष्प्रचार में लगी है और दबाव डालकर उसने इन तथाकथित सवालों को मीडिया में लीक करवाया है। ईडी द्वारा पूछे गए सवाल मीडिया तक कैसे पहुंचे इस बारे में मोदी सरकार को जवाब देना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया,मोदी सरकार का षडयंत्रकारी तानाबाना सुबह से ही दुष्प्रचार व प्रपंच में लगा है। अगर ईडी की कार्यवाही गोपनीय है और न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा भी, तो तथाकथित पूछे जाने वाले हर सवाल को मोदी सरकार द्वारा मीडिया में लीक कर, दबाव डाल खबरें कैसे चलवाई जा रही हैं। जबाब दें,हिसाब दें। उन्होंने आगे कहा,मोदी सरकार बर्बरता की हर हद पार कर गई। सारा दिन बीत गया, हमला जारी है। निशाना बना कर कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल पर जानलेवा हमला हुआ। सांसद शक्ति सिंह गोहिल पर हमला हुआ। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीटा गया। हज़ारों जेलों में बंद हैं। प्रजातंत्र को रौंदा गया है। देश मोदी सरकार को माफ़ नहीं करेगा। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा,पूर्व गृह मंत्री पी.चिदंबरम के साथ पुलिस की धक्कामुक्की कीहुई, चश्मा ज़मीन पर फेंका, उनकी बायीं पसलियों में हेयरलाइन फ्रैक्चर है। सांसद प्रमोद तिवाड़ी को सड़क पर फेंका गया। सिर में चोट और पसली में फ्रैक्चर है। क्या यह प्रजातंत्र है।

रांची हिंसा

राज्यपाल ने डीजीपी से पूछा- वाटर कैनन, आंसू गैस के गोले क्यों नहीं छोड़े?

रांची हिंसा मामले में 42 ठिकानों पर छापा, 5 अरेस्ट

रांची। रांची में 10 जून को हुई हिंसा के मामले में अब तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनकी पहचान मोहम्मद आरिफ उर्फ रिंकू खान, बेलाल अंसारी, मोहम्मद अशफाक मंसूर , मोहम्मद अनिश और मोहम्मद दानिश खान के रूप में हुई है। इनमें से तीन डोरंडा इलाके के हैं। जबकि, दो अन्य सुखदेव नगर और अनगड़ा थाना क्षेत्र के हैं। पुलिस ने अब तक 42 ठिकानों पर छापेमारी की है। यह जानकारी सोमवार को रांची पुलिस ने दी है।

इधर, झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस ने DGP नीरज सिन्हा को राजभवन तलब किया है। उन्होंने उनसे पूछा कि आखिरकार हिंसा की स्थिति बनने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन, आंसू गैस के गोले और रबर बुलेट का इस्तेमाल क्यों नहीं किया?

बता दें, 10 जून को नमाज के बाद राजधानी रांची में हिंसा हुई थी। इस दौरान उपद्रवियों को कंट्रोल करने के लिए पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी थी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक घायल हुए थे।

राजधानी में बढ़ाई गई सुरक्षा

रांची में सोमवार को लोकल इनपुट मिलने के बाद संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। मेन रोड पर एकरा मस्जिद के आसपास के इलाकों में RAF की टुकड़ी तैनात की गई है द्य वहीं, पास के कर्बला चौक पर भी सुरक्षा का घेरा बढ़ाया गया है। एकरा मस्जिद वही पॉइंट है, जहां शुक्रवार को प्रदर्शनकारी इकट्ठे और हिंसा हुई। बिहार सरकार के मंत्री नितिन नवीन की गाड़ी पर हमले करने वाले एक उपद्रवी को गिरफ्तार किया गया है।

38 संवेदनशील जगहों पर पुलिस की नजर

रांची SSP सुरेंद्र कुमार झा ने बताया, शहर में 38 संवेदनशील पॉइंट चिन्हित किए गए हैं।

वहां विशेष नजर रखी जा रही है। उन इलाकों में मोटरसाइकिल दस्ता की पेट्रोलिंग जारी है। इसके अलावा लोकल इंटेलिजेंस इनपुट पर भी नजर है। साथ ही सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफार्म पर भी पुलिस की कड़ी नजर है।

6 आरोपी अस्पताल में

रांची पुलिस ने बताया कि इसी मामले के 6 नामजद आरोपियों शाहनवाज, मोहम्मद उस्मान, मोहम्मद तबारक, अफसर आलम, सरफराज आलम और सवीर अंसारी का इलाज चल रहा है। इनमें से चार लोअर बाजार थाना इलाके के निवासी हैं, जबकि दो हिंदपीढ़ी के रहने वाले हैं।

शार्ट न्यूज

कोरोना संक्रमण के कारण जन्म से पहले प्रसव व मृत प्रसव की संख्याओं में वृद्धि

कोलकाता। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण तेजी से पूरी दुनिया को अपनी चपेट में लिया था और अब भी इसके प्रभाव दुनिया के कई देशों में है। कोरोना संक्रमण के कारण स्वस्थ्य पर इसका गंभीर प्रभाव देखने को मिल रहा है। कोरोना संक्रमण से गर्भावस्था पर प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल रहा है। इससे प्रसूति संबंधी जटिलताएं हो रही है। गर्भावस्था और कोरोना संक्रमण का अध्ययन करने वाले कई शोध लेखों ने इस ओर इशारा किए हैं कि संक्रमण के कारण जन्म से पहले प्रसव और मृत प्रसव की की संख्याओं में वृद्धि दर्ज की गयी है। हैदराबाद में महिलाओं और बच्चों के लिए अंकुरा अस्पताल के वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ कृष्णवेनी नयनी ने कहा कि जो महिलाएं गर्भवती हैं या फिर हाल ही के समय में गर्भवती हुई हैं उनको गर्भवती नहीं होने वाली महिलाओं की तुलना में अधिक बीमार होने की संभावना है। हाल ही में 18 देशों की 2130 गर्भवती महिलाओं पर अध्ययन कर एक शोध प्रकाशित किया गया और इसके माध्यम से यह पता चला है कि कोरोना संक्रमण से संक्रमित महिलाओं में जन्म से पहले प्रसव और मृत प्रसव की वृद्धि दर्ज की गयी।

असम सरकार ने चार जिलों में लगायी धारा 144

गुवाहाटी। असम सरकार ने चार जिलों में किसी भी तरह के जुलुसों, रैलियों और प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाते हुए धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। जिला प्रशासन ने यह प्रतिबंध कछार, करीमगंज, हैलाकंदी और बंगाईगाँव जिले में सार्वजनिक शांति भंग ना होने के उद्देश्य से लगाए हैं। भारतीय जनता पार्टी की पूर्व नेता नुपुर शर्मा और नवीन जिंदल की पैगंबर मोहम्मद को लेकर की गयी विवादित टिप्पणी से देश भर के विभिन्न हिस्सों में शुक्रवार को प्रदर्शन हुए थे। पार्टी द्वारा उनकी इस टिप्पणी पर दोनों को निलंबित कर दिया गया था। चारों जिला प्रशासनों ने अपने जिलों के लिए अलग-अलग दिशानिर्देश जारी किए हैं। बंगाईगाँव जिले के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट पंकज चमुआ ने रविवार को जारी आदेश में कहा, देश के कई हिस्सों में कुछ संगठनों द्वारा विरोध रैलियों की घटनाओं और मौजूदा स्थिति को देखते हुए रांची, कूछ बेहार, कोलकाता, जम्मू-कश्मीर, कानपुर, प्रयागराज में हुयी घटनाओं को देखते हुए जिले में इस तरह की घटनाओं की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त काछर जिला प्रशासन ने यहां के संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया है जिससे कानून व्यवस्था बनी रहे। देश के गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस प्रमुखों को देशभर में हुयी हिंसा को देखते हुए अलर्ट रहने का निर्देश दिया।

पिथौरागढ़ में बड़ा हादसा होने से टला

नैनीताल। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में सोमवार को एक बड़ा हादसा होने से टल गया। राज्य परिवहन निगम की एक बस के ब्रेक फेल होने से सांसत में पड़ी 42 यात्रियों की जान किसी तरह से बच गयी। जबकि दो यात्री घायल हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार रात को देहरादून से पिथौरागढ़ आ रही उत्तराखंड परिवहन निगम की बस संख्या यूके 07 पीए 2994 के चंपावत के लोहाघाट से बाराकोट के संतोला के पास यकायक ब्रेक फेल हो गये। बस में 42 यात्री सवार थे। चालक को यह बात समझते देर नहीं लगी और उसने किसी अनहोनी से पहले आनन फानन में बस को एक पहाड़ी से टकरा दिया। गनीमत रही कि बस हिचकोले खाने के बाद सड़क पर रूक गयी। इस पूरे घटनाक्रम में दो यात्री राधा देवी और मयंक नेगी घायल हो गये। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गयी और घायलों को लोहाघाट अस्पताल पहुंचाया गया। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर अस्पताल में भेजा गया है। बाकी यात्रियों को दूसरी बस से पिथौरागढ़ के लिये रवाना किया गया।

ऋतु खंडूरी भूषण ने धामी को दिलाई विधानसभा सदस्यता की शपथ

देहरादून। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को चम्पावत विधानसभा से उपचुनाव में रिकॉर्ड मतों से विजयी होने के बाद सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूरी भूषण ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। देहरादून के विधानसभा भवन स्थित स्वर्गीय प्रकाश पन्त सभागार में आयोजित समारोह में आज विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती भूषण ने श्री धामी को विधानसभा सदस्य के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान, अनेक मंत्री और विधायक भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि श्री धामी पांचवी विधानसभा के लिये हुये आम चुनाव में खटीमा सीट से चुनाव हार गये थे। इसके बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाये रखने का निर्णय लिया। इसके बाद, चम्पावत के विधायक कैलाश चन्द्र गहतोड़ी ने अपनी सीट त्यागपत्र देकर श्री धामी के लिये पुन: चुनाव लड़ने का मार्ग प्रशस्त किया। जहां उपचुनाव में 55 हजार से अधिक रिकॉर्ड मतों से श्री धामी ने जीत प्राप्त की।

केन्द्र सरकार तानाशाही पर उतर आयी है

नैनीताल। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से जो नोटिस जारी किया गया है, उसे कांग्रेस कार्यकर्ता बर्दाश्त नहीं करेगा। रावत ने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार तानाशाही पर उतर आयी है। रावत सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा कि ईडी के इस कदम के विरोध में कांग्रेस मुख्यालय से प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय तक आज शांतिपूर्ण मार्च निकाला गया लेकिन जिस तरह से कांग्रेस पार्टी के शातिपूर्ण मार्च को रोका जा रहा है। वह गलत है और इसे पूरा देश देख रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस मुख्यालय की घेराबंदी कर दी गयी है। चारों तरफ पुलिस का पहरा लगा दिया गया है। नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जा रहा है। मुझे भी ईडी दफ्तर जाते हुए कार्यकर्ताओं के साथ हिरासत में लिया गया। यह लोकतंत्र में अनुचित है।

ईडी के सोनिया, राहुल के समन पर मणिपुर कांग्रेस नेताओं का प्रदर्शन

इंफाल । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को धन शोधन के मामले में पूछताछ के लिए समन करने पर मणिपुर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के मेघचंद्र के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने सोमवार को विरोध जुलूस निकाला। पुलिस द्वारा विरोध पर रोक लगाने पर गतिरोध शुरू हो गया। मणिपुर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मेघचंद्र ने कहा कि प्रवर्तन निर्देशालय ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी को बिना किसी कारण का समन किया है। कांग्रेस नेताओं को परेशान करने और शक्ति का दुरूपयोग करने पर कांग्रेस इसकी निंदा करती है। उन्होंने समन का शांतिपूर्ण विरोध करने के लिए अनुमति नहीं देने पर सरकार की निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निजी एजेंसी के तौर पर प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि सरकारी एजेंसियों को निजी और राजनीतिक कारणों से सत्ताधारी पार्टी इस्तेमाल कर रही है और अगर ऐसा ही चलता रहा तो देश की सभी लोकतांत्रिक संस्थाएं बर्बाद हो जायेंगी। उन्होंने प्रवर्तन निर्देशालय से स्वतंत्र तौर पर कार्य करने की अपील की।

हैदराबाद में कांग्रेस ने ईडी की राहुल से पूछताछ का किया विरोध

हैदराबाद। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के सदस्यों ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से पूछताछ के विरोध में एक विशाल प्रदर्शन रैली निकाली। ईडी ने नयी दिल्ली में नेशनल हेराल्ड के मामले में समन भेजा था। कांग्रेस ने मोदी सरकार के केंद्रीय एजेंसियों का उसके उच्च नेताओं के खिलाफ इस्तेमाल को लेकर देशभर में कार्यकर्ताओं से प्रदर्शन करने का आग्रह किया था। राज्य में प्रदर्शन नेकलेस रोड पर इंदिरा गांधी की प्रतिमा से शुरू होकर बसीरबाग में ईडी के कार्यालय तक हुआ। टीपीसीसी के अध्यक्ष और सांसद ए रावंथ रेड्डी और अन्य नेताओं ने रैली में भाग लिया। ईडी कार्यालय के बाहर प्रदर्शनकारियों ने धरना देते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

एक सीट और 6 मंत्री, संगरूर लोकसभा उपचुनाव में 'आप' की बड़ी तैयारी

संगरूर। पंजाब के सीएम भगवंत मान की लोकसभा सीट रहे संगरूर के उपचुनाव के लिए आम आदमी पार्टी बड़ी तैयारी करने में जुटी है। इस चुनाव के लिए उसने कुल 6 मंत्रियों को प्रचार में तैनात कर दिया है। एक तरफ भाजपा के कैंडिडेट केवल सिंह ढिल्लों आक्रामक प्रचार में जुटे हैं तो वहीं अकाली नेता कमलदीप कौर राजोआणा ने भी कैंपेनिंग शुरू कर दी है।

ऐसे में आम आदमी पार्टी भी सक्रिय हो गई है। उसने राज्य सरकार के मंत्रियों कुलदीप सिंह धालीवाल, ब्रह्मशंकर जिम्पा, डॉ. बलजीत कौर, हरभजन सिंह, गुरमीत सिंह मीत और ललजीत सिंह भुल्लर को कमान को सौंपी है।

इन लोगों को संगरूर लोकसभा सीट के तहत आने वाले 6 विधानसभा क्षेत्रों पर फोकस करने के लिए कहा गया है। इस तरह एक मंत्री के जिम्मे एक विधानसभा को दिया गया है। फिलहाल ये मंत्री जनसभाएं कर रहे हैं और आम आदमी पार्टी की उपलब्धियां बताने में जुटे हैं। खासतौर पर पार्टी की आम आदमी वाली छवि पर पेश करने पर नेताओं का फोकस है। पार्टी कैंडिडेट गुरमैल सिंह की भी एक आम आदमी की छवि रही है,

जिसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। इन नेताओं को जिम्मा दिया गया है कि इस बार की जीत भगवंत मान को मिली विजय से भी बड़ी होनी चाहिए क्योंकि राज्य में अब तो आप की ही सरकार है। हालांकि ऐसा टारगेट हासिल करना पाना बहुत आसान नहीं लगता है। इसकी वजह यह है कि विपक्षी दल लगातार पंजाब में कानून व्यवस्था को मुद्दा बना रहे हैं। कई हत्याएं होने से पंजाब सरकार दबाव में थी, लेकिन पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या ने उसे बैकफुट पर ही धकेल दिया।

फिलहाल आप सरकार इस संकट से उबरने का प्रयास कर रही है और लगातार अपनी छवि भ्रष्टाचार को खत्म करने और अपराध से निपटने वाली सरकार के तौर पर पेश कर रही है।

संगरूर के तहत आने वाली सीटों का प्रतिनिधित्व करने वाले भगवंत मान समेत 3 मंत्री फिलहाल इसी प्लान में जुटे हैं कि कैसे विपक्ष की काट करते हुए जीत का अंतर बढ़ाया जाए।

भगवंत मान ने 1.10 लाख वोटों से हासिल की थी जीत

इससे पहले 2019 में भगवंत मान ने संगरूर लोकसभा सीट पर 1.10 लाख के भारी अंतर से जीत हासिल की थी। हालांकि इसी साल मार्च में आम आदमी पार्टी के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद उन्हें सीएम बनाया गया था और उन्होंने इसके लिए लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

नूपुर शर्मा को कोलकाता पुलिस ने जारी किया नोटिस, 20 जून को पूछताछ के लिए बुलाया

कोलकाता। पैगंबर मोहम्मद पर विवादित बयान देने वाली नूपुर शर्मा को कोलकाता पुलिस ने नोटिस जारी किया है। पुलिस ने शर्मा को 20 जून को पूछताछ के लिए बुलाया है। भाजपा की निष्कासित प्रवक्ता के खिलाफ पूर्वी मेदिनीपुर में रविवार को स्न्ह्वक्रदर्ज हुई थी।

पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में रविवार शाम पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ भाजपा के पूर्व प्रवक्ताओं की विवादित टिप्पणियों को लेकर कुछ लोगों ने बेथुआडहरी स्टेशन पर लोकल ट्रेन पर हमला किया और उसे नुकसान पहुंचाया। पूर्वी रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि हमले में स्टेशन के कुछ कर्मचारी और

कृष्णानगर-लालगोला लोकल ट्रेन के यात्री घायल हो गए। हालांकि, पिछले दो दिनों से हिंसा का सामना कर रहे हावड़ा और मुर्शिदाबाद जिलों में रविवार को स्थिति काफी हद तक शांतिपूर्ण रही।

पूर्व मेदिनीपुर जिले में पुलिस ने राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा सदस्य शुभेंदु अधिकारी को एहतियातन हावड़ा के हिंसा प्रभावित इलाकों में जाने से रोक दिया, क्योंकि वहां सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। पुलिस ने दावा किया कि शुभेंदु अधिकारी के दौरे से वहां कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है। वहीं, शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि वह इसके खिलाफ सोमवार को अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे।

वहीं, भाजपा से निलंबित कर दी गईं प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने इस मामले में महाराष्ट्र में भिवंडी पुलिस के समक्ष पेश होने के लिए सोमवार को समय मांगा। पुलिस ने उनका बयान दर्ज करने के लिए उन्हें तलब किया था। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शर्मा को समय दे दिया गया है और वह सोमवार को भिवंडी पुलिस के समक्ष पेश नहीं होंगी।

उन्होंने बताया कि रजा अकादमी के एक प्रतिनिधि द्वारा 30 मई को दर्ज कराई गई शिकायत के बाद भिवंडी पुलिस ने नुपुर शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया था। नूपुर ने एक समाचार चैनल पर बहस के दौरान कथित आपत्तिजनक बयान दिया था। भाजपा के पूर्व पदाधिकारी नवीन कुमार जिंदल के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। भिवंडी पुलिस ने पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ जिंदल के कथित विवादास्पद ट्वीट पर 15 जून को उन्हें अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा है।

आप को छोड़कर सभी दल उठा रहे मूसेवाला की हत्या का मुद्दा

संगरूर। पंजाब में 23 जून को होने जा रहे संगरूर लोकसभा उपुचनाव में प्रदेश में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को छोड़कर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रत्याशी पंजाबी गायक व कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या का मुद्दा उठा रहे हैं।

मूसेवाला की 29 मई को गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद से ही कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, शिरोमणि अकाली दल कानून एवं व्यवस्था को लेकर आप पर निशाना साध रहे हैं।

अब यह विपक्ष के लिए संगरूर लोकसभा उपचुनाव में भी मुद्दा बन गया है। शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) प्रत्याशी सिमरन जीत सिंह मान ने भी यह मुद्दा उठाया है। हत्या से एक दिन पहले मूसेवाला की सुरक्षा में कटौती की घोषणा के अलावा अंतिम संस्कार में सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं की गैर-मौजूदगी का पहलू मुख्य रूप से शामिल था। हालांकि, बाद में मुख्यमंत्री भगवंत मान समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मूसेवाला के घर जाने लगे। परिवार की मांगें मानने का व दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के आश्वासन भी दिये गये।

उल्लेखनीय है कि सभी विपक्षी दलों की तरफ से संयुक्त प्रत्याशी के रूप में मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह को प्रत्याशी बनाने का सुझाव भी आया था लेकिन श्री सिंह ने यह कहकर कि अभी वह चुनाव लड़ने की मनःस्थिति में नहीं हैं मना कर दिया।

आप ने यहां से गुरमेल सिंह को प्रत्याशी बनाया है।

एसपीजी सुरक्षाकर्मी की कार दुर्घटनाग्रस्त, पिता व पुत्र की मौत

एजेंसी

फतेहगढ़ साहब। प्रधान मंत्री की सुरक्षा एसपीजी में सुरक्षा सहायक के रूप में तैनात एक सुरक्षाकर्मी की कार को एक तेज रफ्तार कार के टक्कर मार देने के कारण कार में सवार सुरक्षाकर्मी के पिता व पुत्र की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अलीगढ़ निवासी हरपाल सिंह ने शिकायत में बताया है कि वह अपने पिता मोहन सिंह, मां पूरन देवी, पत्नी धरमवती, बेटी शिवानी और बेटे दिवांशु के साथ अमृतसर के स्वर्ण मंदिर गये थे जहां से लौटने पर करीब सवा बारह बजे जलवेहरा गांव के पास एक तेज रफ्तार कार ने ओवरटेक करने के चक्कर में उनकी कार को टक्कर मारी। टक्कर के कारण उनकी कार रेलिंग से जा टकराई। दुर्घटना में उनके पिता की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की मदद से मां को राजपुरा अस्पताल में भर्ती कराया।

गैंगस्टरों व अपराधियों के हौंसले बुलंद, पुलिस खौफ नहीं : महाजन

एजेंसी

अमृतसर। पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद करीब ढाई महीने से राज्य में बिगड़ चुकी कानून-व्यवस्था एवं रोज़ाना हो रही हत्याओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के आह्वान पर सोमवार को प्रदेश भर में रोष-प्रदर्शन किए गए।

इसी कड़ी में जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेश महाजन की अध्यक्षता में हाथी गेट चौक में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंजाब की भगवंत मान सरकार का पुतला फूंका। उन्होंने कहा कि जब से पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है तब से लेकर आज तक पंजाब में अपराधियों के हौंसले इतने बुलंद हो गए हैं कि उन्हें सरकार या पुलिस का कोई खौफ नहीं रहा। गैंगस्टर व अपराधी रोजाना पुलिस-प्रशासन की नाक के नीचे कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ा रहे हैं और सरकार व पुलिस-प्रशासन मूक-दर्शक बनकर तमाशा देख रहे हैं।

श्री महाजन ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान तथा केजरीवाल ने पंजाब की जनता को 'रंगला पंजाब' देने का झूठा वादा कर पंजाब की सत्ता हथियाई थी, लेकिन जब से इन्होने सत्ता संभाली है तब से लेकर आज तक मुख्यमंत्री मान ने 'रंगला पंजाब' तो नहीं बल्कि जनता को 'दंगला और लहुलुहान पंजाब' दिया है। पंजाब में बेलगाम गैंगस्टरों तथा अपराधियों द्वारा रोज़ाना सरेआम हत्याएं, डकैतियाँ, लूटपाट, गोलीबारी आदि की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। पहले अंतर्राष्ट्रीय कब्बडी खिलाड़ी सहित चार और कब्बडी खिलाड़ी की हत्याएं, फिर पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या और अब अमृतसर में आम आदमी पार्टी के नेता द्वारा पुलिस के सामने सरेआम गोलियाँ बरसा कर एक युवक की हत्या कर दी गई।

श्री महाजन ने कहा कि भगवंत मान केजरीवाल और राघव चड्डा की रबड़ स्टैंप बन कर कार्य कर रहे हैं। भगवंत मान दिल्ली से केजरीवाल और चड्डा द्वारा लिए गए फैसलों को पंजाब में लागू कर रहे हैं, जिसका पंजाब से कोई लेना-देना नहीं है।

विधायक चंद्रकांता मेघवाल की गिरफ्तारी पर सोलह जून तक रोक

कोटा। राजस्थान में कोटा की अदालत ने बूंदी जिले के केशवरायपाटन विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक चंद्रकांता मेघवाल की दर्ज मामले में गिरफ्तारी पर रोक सोलह जून तक वह बढ़ा दी है।

इससे पहले महावीर नगर थाने में दर्ज तीन मामलों में गिरफ्तारी की आशंका के मद्देनजर श्रीमती मेघवाल ने अपने वकील के जरिये नौ जून को कोटा में अनुसूचित जाति-जनजाति न्यायालय में अपनी अग्रिम जमानत के आवेदन पेश किया था जिस पर न्यायालय ने उनकी गिरफ्तारी पर 13 जून तक के लिए रोक लगाई थी। अग्रिम जमानत की अवधि समाप्त होने से पहले ही वह रविवार को महावीर नगर थाने में पुलिस के समक्ष प्रस्तुत हुई और वहां थाना प्रभारी को अपना बयान दर्ज कराया। पुलिस ने उनसे कल करीब दो घंटे तक सवाल-जवाब किये।

पुलिस ने बताया कि उनसे पूछताछ अभी बाकी है इसलिए उन्हें फिर तलब किया जा सकता है।

फिलहाल वह 16 जून तक अग्रिम जमानत पर हैं। भाजपा के एक अन्य कार्यकर्ता ने भी इस मामले में अपनी अग्रिम जमानत के लिए न्यायालय में आवेदन पेश किया है जिस पर भी 16 जून को सुनवाई होगी।

उल्लेखनीय है कि करीब पांच साल पहले वर्ष 2017 में 20 फ़रवरी में महावीर नगर थाने के बाहर दुपहिया वाहन सवार लोगों के चालान बनाने के मामले को लेकर श्रीमती मेघवाल भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ विरोध दर्ज कराने थाने पहुंची थी और पुलिस की कथित मनमानी के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया था। इसी दौरान गर्मा-गर्मी होने के बाद मामला मारपीट एवं पुलिस के बल प्रयोग में बदल गया। इस मामले में पुलिस ने श्रीमती चंद्रकांता और उनके पति नरेन्द्रपाल सहित भाजपा के कार्यकर्ताओं के खिलाफ तीन मामले दर्ज कराए थे, जबकि श्रीमती चंद्रकांता की ओर से तत्कालीन थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस कर्मियों के खिलाफ मारपीट, दुर्व्यवहार करने जैसे दो मामले दर्ज कराये थे।

इन सभी मामलों की सीआईडी (सीबी) ने जांच की थी जिनमें से श्रीमती चंद्रकांता मेघवाल की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमों में तो सीआईडी (सीबी) ने अंतिम रिपोर्ट (एफआर) लगा कर पुलिस को तो क्लीनचिट दे दी जबकि पुलिस की ओर से श्रीमती मेघवाल व उनके पति तथा अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज मामले को प्रमाणित मानते हुए अपनी जांच रिपोर्ट महावीर नगर थाने में सौंप दी थी।

इसी रिपोर्ट के आधार पर पिछले सप्ताह महावीर नगर थाना पुलिस ने मात्र तीन दिन की अल्पावधि में श्रीमती चंद्रकांता को थाने में तलब किया था जबकि वे उस समय राज्यसभा की चार सीटों पर चुनाव के कारण जयपुर में भाजपा की ओर से आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए गई हुई थी और वह इस वजह से पुलिस के समक्ष उपस्थित नहीं हो पाई थी। उनकी मांग है कि मासले की सीबीआई या न्यायिक जांच कराई जाये।

गांधी परिवार के भ्रष्टाचार को छुपाने केलिये सड़कों पर उतर रही कांग्रेस : सीपी सिंह

रांची। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विधायक सीपी सिंह ने कांग्रेस पार्टी पर आज कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि गांधी परिवार के भ्रष्टाचार को छुपाने के लिये आज दिल्ली को घेरकर आम जनता को परेशान करने का घिनौना काम कांग्रेस पार्टी ने किया है। सिंह भाजपा के प्रदेशप्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रदेश भारतीय जनता पार्टी इस कृत्य की घोर भर्त्सना करती है।उन्होंने कहा कि जो बेल पर हैं वो नारा दे रहे आओ दिल्ली को घेरो, भ्रस्टाचार पकड़ा गया है। ईडी पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। कहा कि कांग्रेस एवम राहुल गांधी को देश के समक्ष जवाब देना चाहिये कि 1930 में 5 हजार स्वतंत्रता सेनानियों के शेयर से एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड कंपनी समाचार पत्र के प्रकाशन केलिये बनी थी कि नहीं। क्या 2010 में 5लाख रुपये से यंग इंडियन कंपनी बनाई गई थी जिसमे 76प्रतिशत की भागीदारी राहुल गांधी और सोनिया गांधी की हैक्या यंग इंडियन के माध्यम से 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा की पूरी संपत्ति जो स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार की थी वो एक गांधी परिवार को सौंप दी गई । सिंह ने कहा कि यह संपत्ति का ट्रांसफर पूरी तरह से भ्रष्टाचार का प्रमाण है। कांग्रेस पार्टी के द्वारा यंग इंडियन कंपनी को जनता से चंदे के रूप में मिले 90 करोड़ रुपये लोन देकर माफ कर दिए गए। इस कंपनी ने 2016 तक कोई भी चैरिटेबल कार्य नही किये। 2019 में दिल्ली हाई कोर्ट ने एजेएल और यंग इंडियन के बीच इस शेयर ट्रांसफर को पूरी तरह से भ्रस्टाचार से प्रेरित बताया था।

मोदी सरकार की केन्द्रीय एजेंसियों के जरिए विपक्षी आवाज को दबाने की कोशिश : भूपेश

रायपुर/नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मोदी सरकार पर केन्द्रीय एजेन्सियों के माध्यम से विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पूरी एकजुटता के साथ उसकी राजनीतिक प्रतिशोध की हर कार्रवाई का विरोध करेंगी।

बघेल ने आज दिल्ली रवाना होने से पूर्व स्थानीय माना विमानतल पर तथा नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में केंद्र सरकार के खिलाफ हल्ला बोलते हुए ईडी की कार्रवाई को द्वेषपूर्ण बताया।

उन्होने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से कांग्रेस की राष्ट्रीय नेतृत्व को परेशान कर रही है। उनके ऊपर झूठे केस लगाकर फंसाया जा रहा है। नेशनल हेराल्ड प्रकरण में कांग्रेस नेतृत्व को जारी समन के खिलाफ नई दिल्ली में सत्याग्रह मार्च में श्री बघेल भी सड़क पर उतरे।

उन्होने ईडी दफ्तर तक पैदल मार्च करते हुये कहा कि कितनी भी दिल्ली पुलिस बैरिकेटिंग कर ले, कितना भी प्रयास कर ले, लेकिन सत्य को जीत होगी। उन्होंने कहा कि कानून का राज कहां है? यहाँ तो तानाशाही हो रही है। केंद्र सरकार ईडी, आईबी, सीबीआई का दुरुपयोग कर विपक्षियों के आवाज को दबाना चाहती है। जिसका कांग्रेस विरोध करती है।

बघेल ने कहा कि संकट में फंसे नेशनल हेराल्ड को उबारने के लिए काँग्रेस पार्टी ने अलग-अलग समय में 90 करोड़ का ऋण दिया था। किसी भी राजनीतिक दल द्वारा ऋण देना भारत में किसी भी कानून के तहत एक आपराधिक कृत्य नहीं है। फिर, कांग्रेस पार्टी की तरफ से एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड को कुल 90 करोड़ रुपये का ऋण देना कैसे एक आपराधिक कृत्य माना जा सकता है?

उन्होंने कहा कि इस मामले में कोई एफआईआर नहीं है। एक शिकायत के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। 2015 में केस बंद भी कर दिया गया था। क्लोजर रिपोर्ट को साल 2018-19 में री-ओपन किया गया और अब समन जारी किया जा रहा है।श्री बघेल ने कहा सेंट्रल एजेंसीज के माध्यम से विपक्ष को दबाने की कोशिश कर रही है। हम दबने वाले नहीं हैं।

ईडी ने मोदी से मुख्यमंत्री रहते नौ घंटे की पूछताछ, पर नही जताया कोई विरोध : रमन

रायपुर। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डा.रमन सिंह ने नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तलब करने पर कांग्रेस के विरोध को अनावश्यक करार देते हुए कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहते नरेन्द्र मोदी जी को दो बार प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने तलब कर पूछताछ की, लेकिन उन्होने कोई हाय तौबा नही मचाई। डा.सिंह ने आज यहां जारी वीडियो बयान में कहा कि ईडी के बुलावे पर दो बार मोदी जी उसके सामने पेश हुए और नौ नौ घंटे तक ईडी ने उनसे पूछताछ की।एक गिलास पानी भी नही पिया और हिम्मत से जवाब दिया।ईडी के पास जब प्रश्न खत्म हो गए तो वह वापस गए।श्री मोदी इस दौरान कोई भीड़ लेकर नही गए, कोई प्रदर्शन नही हुआ।जब सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी को तलब किया गया तो देशभर में प्रदर्शन धरना क्यों। उन्होने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर धरना प्रदर्शन में शामिल होने दिल्ली पहुंचने पर तंज कसते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की क्या तस्वीर उन्होने बना दी हैं।

राष्ट्रपति चुनाव में समर्थन देने पर फैसला लेने का अभी उचित समय नहीं : नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज कहा कि 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में समर्थन देने के मुद्दे पर निर्णय लेने का अभी कोई उचित समय नहीं है।

श्री कुमार ने सोमवार को यहां 'जनता के दरबार में मुख्यमंत्री' कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं के राष्ट्रपति चुनाव के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि अभी कुछ तय नहीं हुआ है। कौन उम्मीदवार होंगे, एक ही होंगे कि अनेक होंगे इसलिए अभी इस पर प्रतिक्रिया क्या दें। इस पर राय-विचार होगा तब सब साफ हो जाएगा। हमलोग राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में हैं।

मुख्यमंत्री ने खुद के राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने के प्रश्न पर कहा, कौन क्या बोलता है मुझे नहीं पता। हमारी इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है।

श्री कुमार ने देश के कई राज्यों में राज्यसभा चुनाव के दौरान हुयी क्रॉस वोटिंग से संबंधित सवाल के जवाब में कहा कि जिन राज्यों में यह सब होता है, वहीं के लोगों से यह सवाल पूछिए।

यहां वर्ष 2012 से राज्यसभा का चुनाव सर्वसम्मति से होता है। पहले यहां भी ऐसा कुछ होता था लेकिन बाद में सभी पार्टी के लोग इस पर सहमत हुए और उसके बाद से यहां राज्यसभा और विधान परिषद् का चुनाव सर्वसम्मति से होता है। दूसरे राज्यों को बिहार जैसे राज्यों के अनुभव से लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में सर्वसम्मति से चुनाव नहीं होता है वहां के लोगों को इसको लेकर सोचना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने नई शिक्षा नीति के संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कहा कि विद्यालयों में पढ़ाई और शिक्षकों की बहाली ठीक ढंग से हो, इसे देखना जरूरी है। इसको लेकर बहुत सारे मामले सामने आये हैं और उसकी जांच की जा रही है कि सही ढंग से शिक्षकों की बहाली हो रही है या नहीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से यह बात कही गयी है कि ठीक ढंग से शिक्षकों की बहाली हो।

श्री कुमार ने कहा कि वह चाहते हैं कि शिक्षकों की बहाली और तेजी से हो। शिक्षा विभाग इस मामले को देख रहा है। अभी पहले के प्रावधान के अनुसार राज्य सरकार कार्य कर रही है। इसको लेकर कानून में भी बदलाव करना होगा।

राज्य सरकार की तरफ से इसे केन्द्र को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह आज नहीं बल्कि बहुत पहले की बात है। इस संबंध में शिक्षा मंत्री और विस्तार से जानकारी दे देंगे।

मुख्यमंत्री ने मातृभाषा में प्रथमिक शिक्षा देने के सवाल पर कहा, हमलोग यहां पर पहले से इसे लागू किये हुए हैं। जिन भाषाओं को केंद्र सरकार से मान्यता मिली हुई है। हमलोग जब केंद्र सरकार में थे उसी समय कई भाषाओं को मान्यता मिली थी।

शार्ट न्यूज

अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ के दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष बने भूपेन्द्र पांचाल

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ (दिल्ली प्रदेश) की नवगठित कार्यकारिणी की मीटिंग का आयोजन एमएस पार्क, शाहदरा में किया गया. बैठक का अध्यक्षता दिल्ली प्रदेश के नवनियुक्त अध्यक्ष रामनिवास पांचाल उर्फ रामू पांचाल ने की और संचालन राष्ट्रीय पदाधिकारी लेखराज पांचाल ने किया. इस अवसर पर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल पांचाल की गरिमामयी उपस्थति भी रही है. दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष रामनिवास पांचाल के साथ-साथ संगठन के अन्य पदाधिकारियों और सदस्यों ने भी राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल पांचाल का पगड़ी और फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्त पत्र प्रदान किए गए है. दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष की ओर से प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए कई नव नियुक्तियां भी की गई. राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल पांचाल और प्रदेश अध्यक्ष रामनिवास पांचाल ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति संबंधी पत्र भी सौंपे और उनका पगड़ी और फूल माला पहना कर स्वागत किया गया. नवनियुक्त पदाधिकारियों में वरिष्ठ उपाध्यक्ष जागेराम पांचाल, उपाध्यक्ष भूपेन्द्र पांचाल (पत्रकार), वरिष्ठ महामंत्री लोकेश पांचाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप पांचाल के अलावा दिनेश पांचाल, नितिन पांचाल, हरिओम विश्वकर्मा आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और दिल्ली को एक मजबूत संगठन के रूप में तैयार करने का आग्रह किया. राष्ट्रीय पदाधिकारियोंके रूप में आत्माराम पांचाल, रामनिवास पांचाल, मुकेश पांचाल और अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे. उन्होंने जिला स्तर और वार्ड इकाई के रूप में भी संगठन को तेजी के साथ विस्तार करने की बात कही. उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली प्रदेश इकाई को इस तरह से बनाना होगा जोकि दूसरे राज्यों के लिए एक रोल मॉडल के रूप में नजर आए. राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल ने कहा कि संघ को दूसरे प्रमुख राज्यों में तेजी के साथ विस्तार करने का काम किया जा रहा है जिससे कि समाज को एकसूत्र में पिरोया जा सकेगा.

पुलिस ने चार अन्तर्राज्यीय गोमांस तस्करों को मुठभेड़ के उपरांत किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने रविवार को मुठभेड़ के दिल्ली के गाजीपुर बॉडर जाते हुए एनएच-24 पर से तीन अन्तर्राज्जीय गोमांस तस्करों सिराज पुत्र इरफान निवासी वार्ड नंबर 13, मस्जिद वाली गली कस्बा डासना थाना मसूरी गाजियाबाद,रिजवान पुत्र साबिर अली निवासी वार्ड नंबर 2 यासीन गली कस्बा डासना थाना मसूरी गाजियाबाद,शहजाद उर्फ मुन्ना पुत्र लतीश निवासी वार्ड नंबर 13 मस्जिद वाली गली कस्बा डासना थाना मसूरी गाजियाबाद को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने दो गाड़ियों में करीब 1500 किलोग्राम गोमांस और मांस छिलने वाले दो चाकू बरामद किये हैं।मुठभेड़ मौके से फरार हुए उनके एक अन्य साथी जुनैद पुत्र अबरार निवासी डासना वार्ड नंबर 12 दूधिया पीपली थाना मसूरी गाजियाबाद फरार हो गया था। जिसको थाना सेक्टर-58 नोएडा पुलिस द्वारा सोमवार को चेकिंग के दौरान हुई पुलिस मुठभेड़ के उपरांत घायल अवस्था में छोटा डी पार्क के पास से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार अभियुक्त जुनैद पुलिस मुठभेड में गोली लगने से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए पुलिस द्वारा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

केजरीवाल सरकार, डेनमार्क के साथ मिलकर दिल्ली में ग्राउंड वाटर रिचार्ज और पराली से बिजली उत्पादन की संभावनाएं तलाश करेगी

डेनमार्क के राजदूत के नेतृत्व में विशेषज्ञों ने बारिश के पानी से ग्राउंड वाटर रिचार्ज करने और पराली से बिजली बनाने की तकनीक को विस्तार से सीएम अरविंद केजरीवाल को बताया

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार, डेनमार्क के साथ मिलकर दिल्ली में ग्राउंड वाटर रिचार्ज और पराली से बिजली उत्पादन की संभावनाएं तलाशेगी। डेनमार्क के राजदूत के नेतृत्व में विशेषज्ञों ने आज मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बारिश के पानी से ग्राउंड वाटर रिचार्ज करने और पराली से बिजली बनाने की तकनीक को विस्तार से बताया। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार, दिल्ली को 24 घंटे नल से साफ जल देने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। हम दिल्ली की जल आपूर्ति क्षमता बढ़ाने के लिए नए समाधान अपनाना चाह रहे हैं। दिल्ली सरकार, ग्राउंड वाटर रिचार्ज और उसके निकासी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अत्याधुनिक समाधान लागू करेगी। पानी के लिए दिल्ली पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। हम ग्राउंट वाटर को रिचार्ज कर जल स्तर बढ़ाना चाहते हैं, ताकि दिल्ली पानी के मामले आत्मनिर्भर बन सके।

भारत में डेनमार्क के राजदूत फ्रेडी स्वैन ने विशेषज्ञ प्रतिनिधिमंडल के साथ आज दिल्ली सचिवालय आकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। राजदूत के साथ आए प्रतिनिधिमंडल ने सीएम अरविंद केजरीवाल के सामने डेनमार्क में ग्राउंड वाटर रिचार्ज और पराली से बिजली उत्पादन को लेकर किए गए कार्यों को बताया और उसको लेकर विस्तार से चर्चा की। डेनमार्क में की गई पहल बेहतर रही तो दिल्ली में भी उसे अपनाया जा सकता है। विशेषज्ञों ने यह प्रजेंटेशन सीएम अरविंद केजरीवाल और डेनमार्क के राजदूत फ्रेडी स्वैन के बीच हाल ही में हुई बैठक के मद्देनजर दिया है। पिछली बैठक में सीएम अरविंद केजरीवाल ने पानी, वायु प्रदूषण और बिजली के क्षेत्र में डेनमार्क में हुए पहलों पर वहां के विशेषज्ञों से एक प्रजेंटेशन देने के लिए कहा था। उस बैठक में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और डीडीसी उपाध्यक्ष जैस्मीन शाह भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बैठक के दौरान डेनमार्क में ग्राउंड वाटर रिचार्ज, ग्राउंड वाटर निकासी और सीवेज प्रबंधन का गहन अध्ययन और विश्लेषण किया। सीएम अरविंद केजरीवाल कहा कि दिल्ली में हम जिस मुख्य समस्या का सामना कर रहे हैं, वह यह है कि ग्राउंड वाटर रिचार्जिंग को व्यवस्थित और संगठित तरीके से लागू नहीं किया जा रहा है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से ऐसे मॉडल पेश करने को कहा, जिनके अनुसार दिल्ली में ग्राउंड वाटर रिचार्ज और ग्राउंड वाटर निकासी को अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान के तौर पर लागू किया जा सके।सीएम ने कहा कि हमें उम्मीद है कि मानसून अगस्त तक आएगा और सितंबर के मध्य तक रहेगा। दिल्ली को पानी से जुड़ी तमाम समस्याओं से निजात दिलाने के लिए दिल्ली सरकार युद्धस्तर पर काम कर रही है।

हम ऐसे समाधान को लागू करने के इच्छुक हैं, जिससे कि हम इस मानसून से ही ग्राउंड वाटर रिचार्ज कर सकें और उसके संरक्षण के दायरे का विस्तार कर सकें। हम बारिश के पानी को स्टोर करने और बड़े पैमाने पर ग्राउंड वाटर को रिचार्ज करने के लिए मिशन मोड में कुछ परियोजनाओं को लागू करने पर विचार कर रहे हैं।

सरोजिनी नगर, लाजपत नगर और कमला नगर समेत दिल्ली के 5 बाजारों का होगा रीडिवेलपमेंट

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार राजधानी के पांच बाजारों को रीडिवेलपमेंट करने जा रही है। मुख्यमंत्री केजरीवाल सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसका ऐलान किया। दिल्ली सरकार जिन पांच बाजारों का रीडिवेलपमेंट करने जा रही है उनमें - कमला नगर, खारी बावली, लाजपत नगर, सरोजिनी नगर, कीर्ति नगर मार्केट शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह काम चरणबद्ध ढंग से किया जाएगा और इससे रोजगार के साधन भी बढ़ेंगे।

केजरीवाल ने कहा कि हमारी दिल्ली के कई बाजार बहुत मशहूर हैं। हर बाजार की खान पहचान और अलग कहानी है। दिल्ली में लगभग 3.50 लाख दुकानें है। इसमें 8.50 लाख लोग काम करते हैं। जैसा हमने बजट में कहा था कि दिल्ली के बाजारों का पुनर्विकास किया जाएगा।

इसके तहत बुनियादी सुविधाएं जैसे सड़क, खूबसूरती, पानी सीवर ठीक किया जाएगा। बाजारों की ब्रांडिंग की जाएगी और इन्हें दुनिया के सामने उसे पेश किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि रीडिवेलपमेंट की इसी कड़ी में हम पहले चरण में पांच बाजार ले रहे हैं। 22 अप्रैल को सभी अखबारों में विज्ञापन दिया गया कि जो मार्केट एसोसिएशन चाहती हैं कि उनके बाजार का रीडिवेलपमेंट हो उनसे आवेदन मांगे गए थे। हमारे पास लगभग 49 एसोसिएशन के आवेदन आए थे, जिसमें 33 बाजार शामिल थे। हमने उन आवेदनों पर 8 लोगों की कमेटी बनाई।

आठ लोगों की कमेटी ने उन सभी आवेदनों को देखा और मार्केट एसोसिएशनों के साथ बातचीत की। इसके बाद रीडिवेलपमेंट के लिए 9 बाजारों को उसमें से चिन्हित किया। उसमें से पहले चरण में पांच बाजार को रीडिवेलपमेंट के लिए चुना गया है। केजरीवाल ने कहा कि मैं सभी दुकानदारों को बधाई देता हूं। पहले चरण में पांच बाजारों काम का कर रहे हैं। अगले चरण में हमने एक डिजाइन प्रतियोगिता रखी है, जो छह सप्ताह की होगी। इसमें देश-दुनिया के लोग शामिल होंगे। जो डिजाइन आएगा उसमें बेस्ट डिजाइन को चुनकर उसके हिसाब से बाजारों को विकसित किया जाएगा।

इन बाजारों के विकसित होने के बाद यह दुनियाभर के लोगों को आकर्षित करेंगे। उसका फायदा यह होगा कि रोजगार बढ़ेगा।

थाना एक्सप्रेस-वे पुलिस ने फार्म हाउस में आग लगाने वाला एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना एक्सप्रेस वे पुलिस ने घटना का सफल अनावरण करते हुए मिन्टू चौहान के फार्म हाउस सेक्टर-135 नोएडा से एक अभियुक्त कृष्णपाल पुत्र द्वारिका प्रसाद निवासी ग्राम बिरासीन थाना निगोई जनपद शाहजहांपुर वर्तमान पता मिन्टू चौहान का फार्म हाउस सेक्टर-135 नोएडा को गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्त की निशादेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त प्लास, लाइटर और एक डीजल की कैन बरामद की है।अभियुक्त द्वारा बताया गया कि वह मिन्टु उर्फ मुनिन्दर चौहान के फार्म हाउस पर करीब 6 माह से व एक बाल अपचारी करीब दो वर्ष से मजदूरी का काम किया करते है।21/22 मई 2022 की रात्रि में मिन्टु चौहान द्वारा कृष्णपाल व बाल अपचारी से डीजल की जनरेटर वाली जैरी कैन से दो खाली बोतल में डीजल भरवाया व एक प्लास्क प्लास्टिक के कट्टे में रखवाकर कहने लगा कि मेरे साथ दीपक जैन के फार्म हाउस पर चलो मुझे उसके फार्म हाउस में आग लगानी है। हम तीनों लोग दीपक जैन के फार्म हाउस पर पहूंचे तथा फार्म हाउस के पीछे के रास्ते पर जाकर मिन्टु के कहने पर बाउन्ड्री की जाली व सीसीटीवी कैमरे की तार को कृष्णपाल द्वारा प्लास से काटा गया। उसके बाद हम तीनो लोग फार्म हाउस के अन्दर घुस गए तथा वही पर बनियान से बनाई मशाल को डीजल में भिगाकर व बाकी बचे डीजल को बांस की बनी हट व किचन पर छिडककर लाईटर से आग लगा दी। और प्लास्टिक का कट्टा व खाली बोतले वही मौके पर छोड दी थी।

केजरीवाल सरकार ने कोरोना काल में ही नहीं उसके पहले एवं बाद में भी धोखा दिया है : बृजेश पाठक

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। राजेन्द्र नगर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी श्री राजेश भाटिया ने पदयात्राओं के माध्यम से जनता के बीच सघन प्रचार जारी रखा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक एवं दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने आज शाम नारायणा लोहा मंडी में श्री राजेश भाटिया के समर्थन में एक विशाल नुक्कड़ सभा को सम्बोधित किया।

सभा को सम्बोधित करते हुऐ श्री राजेश भाटिया ने कहा कि नारायणा लोहा मंडी एशिया की सबसे बड़ी लोहा मंडियों में से एक है जहाँ हजारों प्रवासी मजदूर काम भी करते हैं और रहते भी है पर विगत 12 साल से स्थानीय विधायकों ने इनकी उपेक्षा की है। श्री भाटिया ने कहा कि एक विधायक के नाते प्रवासी मजदूरों का कल्याण एवं उनके बच्चों की शिक्षा मेरी प्राथमिकताओं में होगा।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में बसे मजदूरों को केजरीवाल सरकार केवल एक वोट बैंक मानती है और उन्हे झूठे आश्वासनों से ठगती है। कोरोनाकाल में दिल्ली सरकार ने मजदूरों के लियें बड़ी-बड़ी घोषणाऐं की पर सच यह है की कोरोनाकाल में केजरीवाल सरकार ने प्रवासी मज़दूरों को न घोषणा अनुसार राहत दी न ही किराये का भुगतान किया। प्रवासी मज़दूरों की विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोग दिल्ली के विकास का पहिया चलाते हैं पर यह खेद का विषय है की अरविंद केजरीवाल सरकार ने कोरोनाकाल में ही नही उसके पहले एवं बाद में भी धोखा दिया है। पाठक ने कहा कि बेहतर रोजगार पाने के लिये आज लाखों उत्तर प्रदेश के लोग दिल्ली में बसे हैं पर यहाँ उनको एक वोट बैंक से अधिक कुछ नहीं समझा जा रहा। कोरोनाकाल में जिस तरह दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने मजदूरों को गांव जाने को विवश किया मजदूर इसे कभी नही भूलेंगे और राजेन्द्र नगर के आगामी उपचुनाव में इसका परिणाम आम आदमी पार्टी की हार के रूप में नजर आयेगा। सांसद श्री हंसराज हंस ने ब्रह्मपुरी एवं सांसद श्री गौतम गंभीर ने पांडव नगर और ओल्ड राजेन्द्र नगर में श्री राजेश भाटिया के समर्थन में नुक्कड़ सभाओं को सम्बोधित कर कहा कि यह चुनाव राजेन्द्र नगर के जनसेवक का चुनाव है और यहाँ के लोग अपने जाने पहचाने पूर्व पार्षद श्री राजेश भाटिया जिन्होंने हमेशा विकास के काम किये हैं को अपना विधायक रूपी जनसेवक चुनेंगे।

आज की सभाओं में भाजपा नेता श्री अजय महावर, सरदार आर. पी. सिंह, श्री हर्ष मल्होत्रा, श्री अशोक गोयल देवराहा, श्री राजन तिवारी, श्री जय प्रकाश, श्री छैल बिहारी गोस्वामी, श्रीमती सुनिता कौशिक, श्री खेमचंद शर्मा, श्री रोहित उपाध्याय, श्री ललित रावत, श्री एस. तिवारी, श्री शक्ति मिश्रा, श्री रजत गर्ग आदि सम्मलित हुए।

एंटी ओपन बर्निंग अभियान को लेकर केजरीवाल सरकार का एहम फैसला, 30 जून तक बढ़ाने के जारी किए गए निर्देश : गोपाल राय

दिल्ली सचिवालय में आज एंटी ओपन बर्निंग अभियान को लेकर विभिन्न सम्बंधित विभागों के साथ समीक्षा बैठक की गई : गोपाल राय

नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय में आज एंटी ओपन बर्निंग अभियान को लेकर विभिन्न सम्बंधित विभागों के साथ समीक्षा बैठक की गई । यह समीक्षा बैठक पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में डीपीसीसी और पर्यावरण विभाग के अधिकारियों के साथ रखी गई । इस बैठक के दौरान एंटी ओपन बर्निंग अभियान को 30 जून तक बढ़ाने के निर्देश जारी किए गए हैं । दिल्ली में समर एक्शन प्लान के तहत शुरू किए गए एंटी ओपन बर्निंग अभियान को पहले चरण में 12 अप्रैल से 12 मई और दूसरे चरण में 13 मई से 13 जून तक चलाया गया । अब तीसरे चरण में इस अभियान को 30 जून तक जारी रखने के निर्देश जारी किए गए है । एंटी ओपन बर्निंग अभियान की दूसरे चरण की आई रिपोर्ट के अनुसार 10।94 कचरा दहन स्थलों का निरीक्षण पूरा किया गया है । साथ ही 4 लोगो/संस्थाओ को नोटिस और करीबन 55 हज़ार की जुर्माना राशि भी एकत्र की गई है ।

समीक्षा बैठक पर प्रकाश डालते हुए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि समर एक्शन प्लान के तहत शुरू किए गए एंटी ओपन बर्निंग अभियान के दूसरे चरण (13 मई से 13 जून) का आज आखिरी दिन है । इस दूसरे चरण की रिपोर्ट आज विभाग द्वारा जारी की जा चुकी हैं । रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए दिल्ली में ओपन बर्निंग के मामलों पर कार्यवाही जारी रहें, इसलिए इस अभियान को 30 जून तक बढ़ाने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं । रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक महीने में करीबन 10।94 कचरा दहन स्थलों का निरीक्षण किया गया और करीबन 359 बार लैंडफिल साइट का भी निरीक्षण पूरा किया गया हैं । साथ ही 4 लोगों/संस्था को नोटिस/चालान जारी किया गया है और 55 हज़ार की जुर्माना राशि भी एकत्र की गई है ।

उन्होंने बताया कि एंटी ओपन बर्निंग अभियान के तहत दिल्ली के विभिन्न जगहों पर तैनात 10 विभागों की 500 टीमों ने यह निरीक्षण पूरा किया हैं । जो 24 घंटे दिल्ली में ओपन बर्निंग की घटनाओ की निगरानी और रोकने के लिए त्वरित कदम उठाती रही है । जिसकी रिपोर्ट समय- समय पर पर्यावरण विभाग को भी जारी की गई है । साथ ही लैडफिल साइट पर आग की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए एमसीडी को 9 पॉइंट एक्शन प्लान पर कार्य करने के निर्देश भी जारी किए जा चुके हैं ।

ग्रीन दिल्ली एप के माध्यम से भी ओपन बर्निंग से सम्बंधित 6।4 एंटी ओपन अभियान में से 631 शिकायतों का किया गया निवारण

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि एंटी ओपन बर्निंग से सम्बंधित शिकायतों को दूर करने के लिए ग्रीन दिल्ली एप ने भी काफी सहयोग दिया हैं । इस एप के ज़रिये एंटी ओपन अभियान के दूसरे चरण में 6।4 शिकायतों में से करीबन 631 शिकायतों का निवारण किया गया हैं । यह एप न केवल जल्द से जल्द कार्रवाही करने में उपयोगी है बल्कि दिल्ली में एंटी ओपन बर्निंग जैसी घटनाओं से बढ़ रहे प्रदूषण को नियंत्रित करने और दिल्लीवालों के स्वास्थ्य का ध्यान रखने में भी सक्षम है ।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि अभी तक इस अभियान के ज़रिये सरकार दिल्ली में ओपन बर्निंग के मामलों को नियंत्रित करने और कड़ी कार्रवाही में कामयाब रही हैं । भविष्य में भी यह अभियान दिल्ली के पर्यावरण सुधार और प्रदूषण नियंत्रण में एक एहम भूमिका निभाता रहेगा ।

पुलिस कमिश्नर व जिलाधिकारी ने शांति व्यवस्था व आपसी सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से सभी धर्मों के गुरुओं के साथ की गई मीटिंग

नोयडा। उत्तर प्रदेश सरकार के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जनपद गौतमबुद्धनगर में मानकों के अनुरूप कानून व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था कायम करने तथा आपसी सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से सोमवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय सेक्टर-108 के सभागार में पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर आलोक सिंह व डीएम गौतमबुद्धनगर सुहास एलवाई द्वारा शांति व्यवस्था व आपसी सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से सभी धर्मों के गुरुओं के साथ महत्वपूर्ण मीटिंग की गई। मीटिंग में पुलिस कमिश्नर द्वारा सभी धर्म गुरुओं को संबोधित करते हुए उनको शांति व्यवस्था बनाए रखने में अपना योगदान देने, अपने-अपने धर्म के लोगों को समझाने व आपसी सौहार्द बनाए रखने के लिए बताया गया। धार्मिक स्थलों के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगवाने, किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने, अफवाह फैलाने का प्रयास करने वाले लोग की सूचना तुरंत पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों को देने व अपने-अपने धर्म के लोगों के साथ मीटिंग कर बातचीत करने के लिए कहा गया। उनके द्वारा बताया गया की सोशल मीडिया पर भी पुलिस द्वारा हर समय कड़ी नजर नजर रखी जा रही है। यदि कोई भी व्यक्ति किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कोई आपत्तिजनक टिप्पणी, धार्मिक भावनाएं भड़काने या दुष्प्रचार करने का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्यवाही भी अमल में लाई जायेगी।पुलिस कमिश्नर द्वारा विशेष तौर पर युवाओं को धर्मगुरूओं के माध्यम से संदेश देते हुए कहा गया कि युवा किसी भी अफवाह में पड़कर कोई भी ऐसा कृत्य ना करे जो विधि के विरुद्ध हो अन्यथा कठोर कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा जो उनके परिवार और भविष्य को परेशानी में ला सकता है।पुलिस कमिश्नर द्वारा धार्मिक गुरुओं से संवाद किया गया और उनसे उनकी समस्याओं के बारे में भी पूछा गया एवं बताया गया कि कोई भी परेशानी होने पर तुरंत नजदीकी थाने पर सूचना दी जाए। जिससे तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। धार्मिक गुरुओं से संवाद के दौरान पुलिस कमिश्नर द्वारा बताया गया कि सभी लोगों के सहयोग से कमिश्नरेट की शांति व्यवस्था बनी हुई है। इसके अतिरिक्त उनके द्वारा सभी लोगों से सुझाव भी मांगे गए एवं उन्हें पुलिस हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी जागरूक किया गया।

भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता भारतीयता की जीत होगी : प्रो. राम बहादुर राय

नई दिल्ली/ भोजपुरी हमारी मातृभाषा है वर्तमान भाजपा सरकार का रवैया मातृभाषाओं के प्रति सकारात्मक है हमें उम्मीद है कि भोजपुरी को उसका उचित न्याय जल्द मिलेगा। उक्त बातें भाजपा के सांसद और पूर्व दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने 'भोजपुरी की संवैधानिक मान्यता -सवाल, विमर्श, समाधान शीर्षक से अजीत दुबे के विभिन्न आलेखों के संग्रह पर आधारित एवं देवेन्द्रनाथ तिवारी द्वारा संपादित पुस्तक के विमोचन समारोह (जिसका आयोजन विश्व भोजपुरी सम्मेलन संस्था की दिल्ली इकाई एवं भोजपुरी समाज दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को इंडिया इंटरनैशनल सेंटर के सभागार में संपन्न हुआ) में कहीं. समारोह की अध्यक्षता करते हुए श्री राम बहादुर राय ने कहा कि भोजपुरी की लड़ाई में यह पुस्तक आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि जिस दिन भोजपुरी को मान्यता मिलेगी उस दिन दरअसल भारतीयता को मान्यता मिलेगी।औपनिवेशिक वादी ताकतें भाषा की राजनीति में भोजपुरी ही नहीं सभी भारतीय भाषाओं के विरुद्ध खड़ी हैं। भारत सरकार के केंद्रीय संसदीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने अपने डिजिटल सम्बोधन में कहा कि भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता मिलने से हिंदी को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होगा इस प्रकार की मिथ्या धारणा को उन्होंने खारिज किया और उम्मीद जताई कि मोदी सरकार द्वारा जल्द ही भोजपुरी ,राजस्थानी, भोटी को जैसी भाषाओं को न्याय दिया जाएगा।गोरखपुर के सांसद श्री रविकिशन ने भी अजीत दुबे के प्रयास की सराहना करते हुए भोजपुरी की मान्यता की मांग की। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री जगदंबिका पाल ने अजीत दुबे को भोजपुरिया परिवार का 'रूहे रवां' बताते हुए भोजपुरी के कैथी लिपी की चर्चा करते हुए भोजपुरी भाषा को प्राचीन भाषा बताया। उन्होंने बताया कि भोजपुरी साहित्य संस्कृति के प्रति वर्तमान सरकार गम्भीर काम कर रही है। जनसत्ता के वरिष्ठ पत्रकार मनोज मिश्रा जी ने कहा कि आनेवाले समय में विश्व स्तर पर भोजपुरी की जन स्वीकृति बढ़ रही है लेकिन सरकारी स्तर पर भोजपुरी की उपेक्षा चिंतनीय है। करोड़ो लोगों की इस भाषा को सम्मान मिलना ही चाहिए। समारोह में दिल्ली के भोजपुरी परिवार के प्रबुद्ध वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हुए पूर्व उप सैन्य प्रमुख ले जनरल एस. के. सिंह,पूर्व डीजीपी झारखंड श्री कमलनयन चौबे, पायलट, प्रोफेसर,अधिवक्ता,पत्रकार, साहित्यकार बंधु बांधवों ने उत्साहजनक रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर मनीष चौधरी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर मनीष सिंह आर्य ने दिया।

बच्चों की पढ़ाई को दोबारा बेहतर तरीके से शुरू करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे है हमारे टीचर्स : मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के स्कूलों में चल रहे मिशन बुनियाद कार्यक्रम के कार्यान्वयन की समीक्षा करने के लिए उपमुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को सर्वोदय कन्या विद्यालय, डिस्ट्रिक्ट सेंटर विकासपुरी और गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकंड्री स्कूल तिलक नगर का दौरा किया। उन्होंने स्कूल में चल रहे विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के प्रगति की जाँच की और बच्चों से उनकी पढ़ाई को लेकर भी चर्चा की। महामारी के बाद स्कूलों के दोबारा खुलने के बाद से केजरीवाल सरकार का उद्देश्य अपने स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में विभिन्न पहलों के माध्यम उनके लर्निंग में आए गैप को खत्म करना है। मिशन बुनियाद इन्ही प्रमुख पहलों में से एक है। जिसका उद्देश्य कक्षा 3 से 9वीं तक के बच्चों के पढ़ने, लिखने और बुनियादी गणितीय क्षमताओं में सुधार करना है।

इस मौके पर श्री सिसोदिया ने कहा कि कोरोना में बीते पिछले दो साल बच्चों के लिए मुश्किल रहे और इससे उनके लर्निंग में बहुत गैप आया है। इस गैप को खत्म करने में मिशन बुनियाद अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि मिशन बुनियाद जैसे प्रोग्राम के बिना स्कूलों के खुलते ही यदि सीधे सिलेबस पर फोकस किया जाता तो एक पूरी पीढ़ी को लर्निंग गैप के साथ आगे बढ़ती। सिसोदिया ने बताया कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में नए सत्र की शुरुआत से मिशन बुनियाद की कक्षाएं चल रही है और हमारे शिक्षक इस कार्यक्रम के तहत पढ़ने, लिखने और बुनियादी गणित के कौशल में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मिशन बुनियाद में लगभग 10 लाख बच्चे शामिल है और रोजाना इन क्लासों में 65ऌ से अधिक बच्चे उपस्थित होते है। उन्होंने कहा कि मिशन बुनियाद का वर्तमान दौर 15 जून तक चलेगा लेकिन बच्चों के सीखने में आए अंतर को पूरी तरह से खत्म करने के लिए जुलाई से इसे फिर से शुरू किए जाएंगे।

इस पूरे कार्यक्रम में पेरेंट्स काफी सपोर्टिव रहे। अधिकांशत- ये देखा जाता है कि गर्मी के दिनों में ज्यादातर पेरेंट्स गाँव चले जाते है लेकिन इस बार मेगा पीटीएम के माध्यम से, टीचर्स द्वारा लगातार पेरेंट्स से संपर्क बनाए रखने से और पेरेंट्स में अपने बच्चों की पढ़ाई के प्रति बढ़ी जागरूकता के कारण पेरेंट्स ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान अपने बच्चों को को स्कूल भेजने को प्राथमिकता दी। साथ ही बच्चों ने भी काफी बढ़-चढ़ कर इन क्लासेज में भाग लिया।

विजिट के दौरान उपमुख्यमंत्री ने मिशन बुनियाद से जुड़े सीखने-सिखाने के अनुभवों को जानने के लिए बच्चों व टीचर्स से भी बातचीत की। शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए, श्री सिसोदिया ने कहा कि हमारे टीचर्स ने विद्यार्थियों को दोबारा बेहतर तरीके से अपनी पढ़ाई फिर से शुरू करने के लिए मदद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

संपादकीय

देश के अमन-चैन को बिगाड़ने की साजिश !

निष्कासित भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा मोहम्मद पैगंबर को लेकर दिए गए कथित विवादित बयान के मामले में जिस तरह देश के अनेक हिस्सों से नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग को लेकर तोड़फोड़पथराव व हिंसक प्रदर्शन के मामले सामने आए हैं उससे जाहिर होता है कि कुछ देसी विदेशी समाजकंटकताकतें विवादास्पद मुद्दों को लेकर लगातार भावनाओं को भड़का कर देश में अशांति और अराजकता का माहौल फैलाने की फिराक में रहते हैं। 10 जून शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद कर्नाटक से कश्मीर तक विरोध प्रदर्शन पथराव व हिंसा की वारदातें सामने आई है सबसे ज्यादा बवाल झारखंड के रांची और यूपी के प्रयागराज में हुआ। रांची में चार-पांच घंटे पत्थरबाजी की गई जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधिकारी समेत कई लोग घायल हो गए पुलिस को हवाई फायरिंग कर कर्फ्यू लगाना पड़ा दूसरी और प्रयागराज में भी भारी पथराव किया गया। तोड़फोड़ की घटनाओं में एडीजी दूसरे के अफसर घायल हो गए। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर मुरादाबाद रामपुर में भी प्रदर्शन कर माहौल खराब करने का प्रयास किया गया। उधर जम्मू कश्मीर के कई जिलों में प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों पर पथराव किया जवाब में सुरक्षाकर्मियों को आंसू गैस के गोले और लाठीचार्ज करना पड़ा वही भद्रवाह और किश्तवाड़ में कर्फ्यू लगाने की नौबत आ गई। उधर नई दिल्ली में जामा मस्जिद के बाहर भी उग्र प्रदर्शन किया गया कर्नाटक के बेलगावी में प्रदर्शनकारियों ने नुपुर शर्मा के पुतले को फांसी लगाई लगाने का प्रयास किया पुलिस ने पुतला छीन कर अपने कब्जे में लिया वहीं महाराष्ट्र के कई जिलों में भी लाखों मुस्लिम प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतर कर विरोध जताया।

यह ज्ञात रहे कि इससे पहलेउत्तर प्रदेश के कानपुर शहर में 3 जून को शुक्रवार की नमाज के बाद भारी उपद्रव हुआ था देशभर के शहरों में एक साथ इतना बड़ा उग्र प्रदर्शन पत्थरबाजी और हिंसा की वारदातें बताती हैं यह सब कुछ आकस्मिक नहीं इसके पीछे लंबे समय से एक संप्रदाय विशेष में सरकार और दल विशेष तथा दूसरे समुदायों के प्रति असंतोष व विरोध की भावना पैदा कर समाज को अराजकता के भंवर में धकेलने की एक गहरी साजिश रची जा रही है। ऐसे समय में जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने देश के बहुसंख्यक वर्ग को और हर मस्जिद में शिवलिंग देखना उचित नहीं है। यह कहकर शांति और सद्भाव की सनातन परंपरा को बनाए रखने की दिशा में प्रयास किया हो उसी दौरान एक भाजपा नेत्री के द्वारा टीवी चैनल पर चल रही डिबेट में प्रतिपक्षी व्यक्ति द्वारा लगातार आराध्य देवताओं के संबंध में की जा रही अपमानजनक टिप्पणियों से आहत होकर कथित विवादास्पद टिप्पणी करना और फिर इस मुद्दे को लेकर देशभर में हिंसक प्रदर्शन के लिए एक संप्रदाय विशेष को येन केन प्रकारेण भड़काने की साजिश कौन रच रहा है? क्या वजह है कि एक फैक्ट चेकर के नाम पर सोशल मीडिया पर सक्रिय यूट्यूबरमोहम्मद जुबेर, नूपुर शर्मा के एडिटिड बयान को अंतर्राष्ट्रीय पटल पर पेश करता है और उसी एडिटेड बयान को इस्लामिक देशों का संगठन आधार बनाकर भारत के प्रति नाराजगी व्यक्त करता है। दरअसल यह सारा खेल एक सोची-समझी अंतरराष्ट्रीय साजिश के तहत किया जा रहा है। भारत की रूस से नजदीकी किसी से छिपी नहीं है वहीं रूस के साथ किए जा रहे तेल के सौदे अमेरिका व कुछ खाड़ी देशों को अखर रहे हैं। नुपुर शर्मा का बयान तो एक बहाना है जिसकी आड़ में देश और विदेशों में भारत के खिलाफ साजिश रचकर अंतर्राष्ट्रीय ताकते जो भारत को कमजोर करना चाहती हैं अपने हाथ आजमाने के लिए उतारू हो गई है और भारत को दबाव में लेने के लिए अंतरराष्ट्रीय राजनीति का हिस्सा बन गई है। देश के कई सारे शहरों में हिंसा आगजनी पत्थरबाजी कानून के शासन को दी जाने वाली एक खुली चुनौती है जो लोग नुपुर शर्मा के बयान पर अपना विरोध प्रकट करने के लिए सड़कों पर उतर कर पथराव आगजनी और तोड़फोड़ कर रहे हैं ।

लगातार कमजोर हो रही भारतीय करेंसी, बाजार में गिरावट

घरेलू शेयर में इन दिनों भारी गिरावट दिख रही है। वैश्विक बाजारों में निवेशकों की धारणा कमजोर पड़ने से बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ खुले। शुरुआती सत्र में भारतीय शेयरों में 2.6 फीसदी की गिरावट आई। दुनिया भर के इक्विटी बाजारों में अमेरिकी मई के मुद्रास्फीति के आंकड़ों के चार दशक के उच्च स्तर तक पहुंचने के बाद बिकवाली देखी जा रही है। मई महीने में अमेरिका में खुदरा महंगाई दर 8.6 फीसद पर पहुंच गई है। यह दिसंबर, 1981 के बाद सबसे ज्यादा है। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट आयी और बीएसई सेंसेक्स 1,457 अंक का गोता लगाकर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी लुढ़क कर 15,774 के स्तर पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 36 पैसे टूटकर रुपया अपने सबसे निचले स्तर 78.29 पर आ गया।

बाजार में गिरावट

शुरुआती सत्र में भारतीय शेयरों में 2.6 फीसदी की गिरावट आई, क्योंकि दुनिया भर के इक्विटी बाजारों में अमेरिकी मई के मुद्रास्फीति के आंकड़ों के चार दशक के उच्च स्तर 8.6 फीसदी तक पहुंचने के बाद बिकवाली देखी जा रही है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में बढ़ोतरी के बारे में चिंता बढ़ गई है। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड 14 साल के उच्च स्तर 3.15 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि डॉलर इंडेक्स 104 के स्तर से ऊपर चला गया। शुक्रवार को बड़ी बिकवाली के बाद अमेरिकी वायदा भी एक फीसदी नीचे है। इसके अलावा, इस सप्ताह केंद्रीय बैंकों की विभिन्न बैठकों से पहले बाजार अलर्ट मोड पर है। घरेलू स्तर पर, जैसा कि भारत के मुद्रास्फीति के आंकड़े सोमवार को आने वाले हैं, निवेशक आरबीआई की अगली कार्ययोजना को लेकर घबराए हुए हैं। यदि खुदरा मुद्रास्फीति और बढ़ती है और भारत में 8 प्रतिशत के स्तर को पार करती है, तो आरबीआई इस महीने फिर से नीतिगत दरों में वृद्धि कर सकता है। भारत के 10 साल के बेंचमार्क बॉन्ड पर यील्ड सोमवार को 7 बेसिस प्वाइंट बढ़कर 7.59 फीसदी हो गई है।

रुपया नीचे क्यों है?

अमेरिकी मुद्रास्फीति में वृद्धि, दरों में बढ़ोतरी की चिंता और शेयर बाजार में गिरावट का असर रुपये पर पड़ रहा है। विश्लेषकों ने कहा था कि कमजोर फंडामेंटल के कारण आने वाले दिनों में रुपया गिर सकता है। बढ़ी हुई कमोडिटी की कीमतें, विशेष रूप से क्रूड, व्यापार घाटे को और बढ़ा सकती हैं, जो मई 2022 में पहले ही रिकॉर्ड 23.3 बिलियन डॉलर हो गई है। एफपीआई ने रुपये पर दबाव डालते हुए इस साल जनवरी से अब तक भारत से 2.40 लाख करोड़ रुपये निकाले हैं। सुबह डॉलर के मुकाबले रुपया 78 के स्तर से नीचे गिर गया क्योंकि आरबीआई डॉलर की बिक्री नहीं कर रहा था। रुपये में गिरावट से आयात महंगा और निर्यात आकर्षक हो सकता है। 15 जून को एफओएमसी की बैठक से पहले और अधिक कमजोरी दर्ज की जा सकती है।

कब सुधरेंगे बाजार?

भारतीय बाजार तभी स्थिर होगा जब अमेरिकी बाजार स्थिर होगा और यूएस फेड द्वारा दरों में बढ़ोतरी बंद हो जाएगी। जब एफपीआई वापस आएंगे और फिर से पैसा पंप करना शुरू करेंगा तो बाजार में उछाल आएगा। इसलिए, निवेशक बाजार के रुझान पर स्पष्टता आने तक इंतजार कर सकते हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, आईआईपी में 7.1 फीसदी की बढ़ोतरी से यह संकेत मिलता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

नूपुर शर्मा तो बहाना हैं, दरअसल कुछ लोगों का मकसद देश में दंगे भड़काना है

स्वदेश कुमार

कोई वजह नहीं बनती है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव स्वयं तो हिन्दुओं की आस्था का मजाक उड़ाते घुमते रहें और नुपूर की गिरफ्तारी के लिए हो-हल्ला मचाएं, यदि गिरफ्तारी नूपुर शर्मा की होनी चाहिए तो बचना अखिलेश यादव, ओवैसी, रहमानी जैसे लोगों को भी नहीं चाहिए।

पैगम्बर साहब को लेकर कथित रूप से विवादित बयान देने वाली भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा, जिन्हें बीजेपी से निष्कासित करने के साथ उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है, के खिलाफ मुसलमानों का गुस्सा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। अब यह गुस्सा साजिश है या सरकार को अपनी ताकत दिखाने का जरिया, यह तो दंगाई और उनके पीछे खड़ी देशद्रोही ताकतें ओवैसी, रहमानी, जमई जैसे मौलाना और वामपंथी और जेएनयू में मौजूद आजादी गैंग वाली ताकतें ही बता सकती हैं। कुछ दिनों पूर्व निजी चैनल पर डिबेट के दौरान नुपूर के कथित रूप से पैगम्बर साहब के निकाह को लेकर दिए गए बयान के खिलाफ पूरे देश में मुसलमान दो हिस्सों में बंट कर हिंसक हो गए हैं। मुसलमानों का एक धड़ा वह है जो अपने आप को कथित रूप से बुद्धिजीवी और इस्लाम का स्कॉलर कहता है, वह टीवी डिबेट और जगह-जगह मीटिंग और मजलिसें करके कम उम्र के युवाओं के जेहन में जहर घोलने का काम करता हैं तो दूसरा धड़ा इन युवाओं को सड़क पर हिंसा करने के लिए ढकेल देता है। यह वह युवक होते हैं जो मदरसे से कट्टरता का पाठ पढ़ते हैं और पढ़ाई-लिखाई के नाम पर इनके पास दिनी शिक्षा के अलावा कुछ नहीं होता है, यह दिनी शिक्षा भी इन्हें अल्लाह के कुरान से नहीं मुल्ला की कुरान से दी जाती है, जहां गैर मुसलमानों को काफिर तो शरिया को संविधान से ऊपर बताया जाता है। दूसरे धर्म की पूजा पद्धति का मजाक उड़ाया जाता है तो अपने धर्म की खामियों पर बहस करना तो दूर कोई मुंह भी खोल दे तो उसको मौत के घाट उतार देने मे भी परहेज नहीं किया जाता है। हिन्दुओं को टॉरगेट करने मौत के घाट पर उतारा जाता है।

इस्लाम के मानने वालों द्वारा ऐसी धारणा बनाई जा रही है मानो अल्लाह की मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिलता है, जबकि इस्लाम अन्य सभी धर्मों के मुकाबले काफी नया धर्म है। दुनिया का सबसे पुराना (लगभग 20000 ईसा पूर्व) वैदिक धर्म है। जैन धर्म भी हिन्दू धर्म की तरह काफी प्रचीन है। इसी प्रकार से यजीदी, यहूदी भी काफी पुराने धर्म हैं। इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं है कि जब इस्लाम दुनिया में आया तब तक दुनिया पूरी तरह से बस चुकी थी। इस्लाम से पहले भी इंसान इसी धरती पर रहते थे, पेड़-पौधे, जीव-जन्तु सब मौजूद था। रात भी होती थी, सुबह भी होती थी चांद-सूरज-तारे, समुद्र, नदियां, पहाड़ सब मौजूद था। इस्लाम की स्थापना से पूर्व करीब डेढ़ दर्जन धर्मों के लोग शांतिपूर्वक इस धरती पर निवास और अपने धर्म-कर्म किया करते थे। वैदिक धर्म की तरह से ही जैन, यजीदी, यहूदी, पेगन, पारसी, वूडू, बौद्ध, शिंतो, ताओ, नॉर्डिक, ग्रीक, रोमन आदि धर्म भी इस्लाम से काफी पुराने हैं। इन सभी धर्मों में एक खासियत यह है इन धर्मों के मानने वाले कभी अपने धर्म की आलोचनाओं से हिंसक नहीं हुए, बल्कि लोगों को सच से रूबरू किया, जिससे बाद में इनके धर्म के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा, लेकिन ऐसे भी धर्म मौजूद हैं जो तलवार की नोक पर चलते हैं, जो कहते हैं कि सूरज पश्चिम से निकलता है, दुनिया गोल नहीं चपटी है, मगर इसके खिलाफ कोई बोल नहीं सकता है। इसलिए यदि कोई मौलाना यह कहता है कि अल्लाह के अलावा कोई दूसरा नहीं है तो वह अपने आप को ही गुमराह कर रहा है। इस्लाम अच्छा और सच्चा धर्म हो सकता है, लेकिन इसमें भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो कुरान की आड़ में तमाम कुकर्म करते रहते हैं। यही आजकल देश में चल रहा है।

इस्लाम और कुरान के नाम पर जिस तरह से हिंसा फैलाई जा रही है उसके आधार पर यह तो नहीं कहा जा सकता है कि नूपुर शर्मा का सिर तन से जुदा करने, उनके साथ रेप करने, नुपुर को फांसी दिए जाने की मांग करने वाले लोग देश में खून-खराबा करके पैगम्बर साहब की शान में चार चांद लगा रहे हैं, नूपुर का बयान गलत था तो सच्चाई यह भी है कि जितनी गुनाहागार नूपुर शर्मा को बताया जा रहा है उससे अधिक गुनाहागार यह हिंसक प्रवृति के लोग हैं। ऐसा नहीं है कि नूपुर शर्मा ने विवादित बयान नहीं दिया होता तो देश में पूरी तरह से अमन-चैन बना रहता, नूपुर तो एक बहाना है, देश को दंगे की आग में झुलसाने वालों को यह बहाना कभी एनआरसी-सीएए, तो कभी हिजाब, तीन तलाक, ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा की शाही जामा मस्जिद, समान नागरिक संहिता के नाम पर मिल ही जाता है। यह वह लोग हैं जो हिन्दुस्तान में इस्लाम का राज लाने का सपना पाले हुए हैं। ऐसे लोगों को वोट बैंक की सियासत के चलते फलने-फूलने का मौका मिलता है। नहीं तो कोई वजह नहीं बनती है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव स्वयं तो हिन्दुओं की आस्था का मजाक उड़ाते घुमते रहें और नुपूर की गिरफ्तारी के लिए हो-हल्ला मचाएं, यदि गिरफ्तारी नूपुर शर्मा की होनी चाहिए तो बचना अखिलेश यादव, ओवैसी, रहमानी जैसे लोगों को भी नहीं चाहिए।

कैसे भुलाया जा सकता है कि गांधी परिवार की चाटुकारिता में डूबे कांग्रेसी नेता अनेकों बार राहुल और प्रियंका गांधी की देवी-देवताओं से तुलना कर हिंदू धर्म का मजाक उड़ाते रहे हैं। प्रयागराज कुंभ में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी का दुर्गा के अवतार वाला विवादित पोस्टर लगाया गया था। इस पोस्टर में लिखा गया था, 'कांग्रेस की दुर्गा प्रियंका करेंगी शत्रुओं का वध।' इससे पहले पटना में कांग्रेस नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी को राम का अवतार दिखाते हुए पोस्टर लगाए थे। कांग्रेस के बड़े नेता और राहुल गांधी के करीबी शशि थरूर ने प्रयागराज कुंभ को लेकर हिंदू धर्म का मजाक उड़ाया था। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने तो मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर दिया था, तो वहीं मनमोहन सरकार ने यहां तक कह दिया था कि राम सेतु था ही नहीं, बाद में नासा के वैज्ञानिकों ने राम सेतु की पुष्टि की थी। उक्त नेताओं को हिन्दुओं का जयचंद कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

बात पैगंबर साहब के अपमान के बाद फैली हिंसा से जुड़े लोगों की कि जाए तो पूरी दुनिया जानती है कि ज्ञानवापी मस्जिद में मिले शिवलिंग का मखौल उड़ाने वालों में ज्यादातर लोग तो वे थे जो भारत तो छोड़िए दुनिया के किसी भी कोने में अपनी आस्था पर हल्के से भी आघात को लेकर सड़कों पर उतरकर 'सर धड़ से जुदा-सर धड़ से जुदा' का राग अलापने लगते हैं। इससे भी ज्यादा शर्मनाक ये रहता है कि ऐसी कुत्सित सोच वाले लोगों के समर्थन में लिबरल कहे जाने वाले कई लोग भी उतर आते हैं और हिंदू आस्था का सार्वजनिक अपमान करने लगते हैं। भारत का दुर्भाग्य है कि उदारवादी यानी लिबरल अपने नाम के ठीक उलट काम कर रहे हैं। जिनका काम समाज की बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाना होना चाहिए, वो एक वर्ग को कट्टरता के दलदल में धंसे रहने को मजबूर करने का यतन करते दिखते हैं। आजादी के नाम पर कुरीतियों तक का समर्थन करते हैं।

बहरहाल, 03 जून को कानपुर में हिंसा के बाद 10 जून को दूसरे जुमे पर तो देश-प्रदेश के कई हिस्सो में हिंसा का नजारा देखने को मिला। जहां बीजेपी की सरकारें थीं, वहां तो उपद्रवी ज्यादा हिंसा नहीं फैला सके, लेकिन जहां गैर भाजपाई सरकारें थीं, वहां उपद्रवियों के हौसले काफी बुलंद नजर आए। झारखंड में रांची तो पश्चिम बंगाल के हावड़ा में उपद्रवियों ने काफी उधम मचाया। रांची में तो दो लोगों की मौत भी हो गई। यूपी में प्रयागराज में ही उपद्रवी अपने मंसूबों में कुछ हद तक सफल हो पाए, जिनके खिलाफ योगी सरकार ने कार्रवाई तेज कर दी है।

क्या समाज में बिगड़ रहा है सौहार्द और सद्भाव ?

तरुण कुमार

वर्तमान के समय में हम देख रहे है कि भड़काऊ भाषण देने का चलन बन गया है। रैलियों से लेकर न्यूज़ चैनलों कि डिबेट्स तक सभी जगह हमे भड़काऊ भाषण, अपशब्दो का प्रयोग अक्सर होता नजर आता है। कई बार तो स्थिति यहाँ तक भी हो जाती है कि न्यूज़ चैनल कि बहस में प्रवक्ता एक दुसरे के साथ गाली-गलोच तक का प्रयोग कर संबोधित करते है। यह स्थिति सीधे तौर पर यह दर्शाती है कि जनप्रतिनिधियों कि जनता के प्रति सहानुभूति लगातार घटती जा रही है । न्यूज़ चैनलों कि बहस के माध्यम से जनता को विषयो से कम अवगत करवाया जा रहा है, बल्कि न्यूज़ बहस में अपशब्द और अभद्र भाषा के कारण समाज में अविश्वास और नफरत फैलैने कि स्थिति को पैदा किया जा रहा है। जिससे सबसे अधिक खामियाजा उन सभी देशवासियों को हो रहा है जो IDEA OF INDIA के प्रति समर्पित है। समाज में सामंजस्य बनाए रखने के लिए कुछ मूल सिद्धान्तो का कायम रहना बहुत जरुरी है। समाज में विभिन्न कुल है, सभी कुलों कि अपनी विशेषता है, जो उन्हें विपति के समय देश और समाज के लिए बलिदान देने के लिए परेरित करती है। ऐसे सभी कुलो कि एकजुटता और सामजस्य से हि मजबूत समाज बनता है। कुलों कि बलिदान देने कि परिवर्ती का मूल आधार इंसानियत और समाज में सौहार्द और सद्भाव है। इसलिए समाज में तालमेल बनाए रखने के लिए इनिसनियत को सर्वोपरि समझना बहुत जरुरी है।

किसी भी तरह का भड़काऊ भाषण और नफरत भरी बाते समाज को तोड़ने का काम करती है। बढ़ते भड़काऊ भाषण, विवादित बयान बाज़ी और न्यूज़ चैनलों के आक्रामक बर्ताव के कारण समाज में सामाजिक ताने-बने को गहरी चोट लग रही है। आक्रामक समाचार वाद-विवाद और भड़काऊ भाषण देखने के बाद विचार प्रक्रिया में मनोवैज्ञानिक परिवर्तन के कारण समाज के अधिकांश लोगों में आक्रामकता भी बढ़ रही है। जिसका परिणाम यह होगा कि समाज का जो मूल स्वभाव यानि सौहार्द और सद्भाव में समय के साथ परिवर्तन आने लगेगा। और इस परिवर्तन के हि बीच असामाजिक तत्व इस पूरी परिस्थिति में आग में घी डालने जैसा काम करेगे। यानि कि समाज को जोड़ने कि जगह समाज को तोड़ने का काम करेगे। पिछले वर्ष हि चलती टीवी डिबेट में कांग्रेस के नेता राजीव त्यागी जी का निधन हो गया था परन्तु उस पर अधिकांश लोगो ने चुपी साधे रहे। और अगर फिलहाल कि घटना कि बात करे निलंबित भाजपा नेता नुपुर शर्मा और निष्कासित नेता नवीन जिंदल ने #ProphetMuhammad के बारे में विवादित बयान देकर जो गलती की, उसके लिए बीजेपी ने नुपुर शर्मा और नवीन जिंदल को पार्टी से निकाल कर अच्छा कदम उठाया था। परंतु जिस तरह से देश के विभिन्न स्थानों पर हमने देखा निलंबित भाजपा नेता नुपुर शर्मा और निष्कासित नेता नवीन जिंदल के बयना पर विरोध जताने के लिए भीड़ बेकाबू हुई जिसके कारण हिंसा भी हुई।

यह लोकतंत्र में निंदनीय है। लोकतांत्रिक देश कानून से ही चलता है। इसलिए भीड़ तंत्र कि लोकतंत्र में कोई जगह नहीं है। हिंसा में शामिल सभी पर कारवाई होनी चाहिए।

साथ ही अब हमें भी समझना होगा कि समाज के प्रति हमरी क्या जिम्मेदारी है। क्योंकि समाज को सशक्ति बनाने के लिए जागरूकता बहुत जरूरी है और वह जागरूकता तभी संभावना है जब हम जनमानस से जुड़े मुद्दों के विषय को ही महत्त्व देगे और अपना वोट देगे भी उन्हीं विषय पर देगे।

न्याय की कीमत

दिव्येन्दु राय

भारतीय संविधान विश्व के सबसे महान कहे जाने वाले संविधानों में से एक है लेकिन इसी भारतीय संविधान के तहत न्यायपालिका के कुछ फ़ैसले आमजन को न्यायपालिका जाने से रोकते हुए दिखते हैं। एक वाकया बिहार में तीन एकड़ जमीन के मुकदमे का है जिसका फैसला 108 साल बाद आया। न्याय की आस लगाये बैठे वादी की अब चौथी पीढ़ी है जबकि उनके वकील की तीसरी पीढ़ी। यह तो संयोग अच्छा रहा कि इनकी चार पीढ़ियों ने मुकदमे की पैरवी को जारी रखा अन्यथा न्याय मिल पाता यह कहना थोड़ा अजीबोगरीब सा लगता है। उक्त मामले की कानूनी लड़ाई 108 साल पहले यानी 1914 में शुरू हुई थी। इस प्रकरण को मै भी तब जान पाया जब इसे कहीं लिखा हुआ पाया और एक बात गांठ बांध लीजिए कि इतिहास लेखन भी सदा जीतने वालों के साथ न्याय करता है, हारने वालों के साथ नहीं। हारने वाला योद्धा चाहें जितना भी प्रतापी रहा हो कसीदे तो हमेशा जितने वालों के ही पक्ष में ही गढ़े जाते रहे हैं। चाहे वो जीत जैसे भी हासिल हुआ हो इतिहास ने गुणगान तो उसी का किया है। बस यही वास्तविकता है जिसे कहा तो नहीं जाता लेकिन व्यवहारिक तौर पर स्वीकार जरूर किया जाता है। बात 2020 के आसपास की है, पूर्वांचल के गाजीपुर का रहने वाला एक युवा जो गाजियाबाद में रहकर नौकरी कर रहा होता है वह एक दिन रात को लौटकर घर नहीं आया था। काफ़ी खोजबीन हुई लेकिन अन्त में वह हुआ जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। उक्त युवा का शव पाया गया। वह लड़का अपने माँ बाप का इकलौता बुढ़ापे का सहारा था, उसकी मौत ने सबको झकझोर कर रख दिया।

माँ का संघर्ष

एक बच्चे को जन्म देने वाली जननी का संघर्ष कितना बड़ा होता है उसे वह माँ ही जानती है जिसने अपने बच्चे को जन्म देने के बाद उसको पालने एवं बेहतर भविष्य देने के लिए खुद को खपा दिया होता है। खुद के दु:ख सुख को भूल वह माँ अपने बच्चे के सुख के लिए लाखों दु:खों का अंगीकार करती नज़र आती है। गाजीपुर के जिस लड़के की अप्राकृतिक मृत्यु हो गई थी उसकी माँ का अपने बच्चे को न्याय दिलाने के लिए जो संघर्ष चल रहा है वह मिशाल है। सालों से गाजीपुर से नोएडा, गाजियाबाद एवं लखनऊ सैकड़ो बार जाकर हज़ारों लोगों से मिलकर अपने बच्चे के लिए न्याय की गुहार लगाना कोई आसान बात नहीं। उस माँ ने अपने बेटे की याद में कितनी रातें जगकर काटी होंगी, कितने दिन भूखे काटी होगी यह सिर्फ वह माँ जानती होगी। कुछ महीनों पहले वह माँ लखनऊ में एक जगह कुछ लोगों के कहने पर न्याय के लिए फरियाद लेकर पहुँची। मैं नहीं जानता था उस माँ को लेकिन जब उसकी व्यथा सुनी तो आँखें भर आई और उस माँ की आँखें भी अपना दर्द बताते हुए डबडबा गई थीं। वहां मौजूद कुछ लोगों के पत्थरदिली का आलम यह था कि वह सबकुछ सुनने के बाद भी उस माँ की मदद करने की बात तो छोड़िए सही व्यक्ति से 10 कदम आगे जाकर मिलवाने की जहमत तक नहीं उठा सके। बहरहाल मैंने उस माँ को एक नेता से मिलवाया और उस नेता ने अपने स्तर पर उस माँ की मदद की लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था की पेचीदगियों ने मामले को यूं ही उलझाये रखा। लेकिन उस माँ ने हार नहीं मानी और वह अपने बच्चे को इंसाफ़ दिलाने के लिए लड़ती रही, इस दरम्यान उस माँ से मेरी कई बार मुलाकात हुई। लेकिन पिछली बार जो हुआ उसने मुझे झकझोर कर रख दिया। पिछली बार जब वह माँ मिली तो उन्होंने बताया कि केस में जाँच तो हो रही लेकिन स्थानीय अधिकारी रिपोर्ट सबमिट नहीं कर रहा, तथा कई बार जाकर निवेदन करने पर भी मामले को ठण्डे बस्ते में डाल दिया है और अपने लड़के की फ़ोटो दिखाकर रोने सी लगीं।

उनके कहने पर मैंने अपने एक परिचित अधिकारी से बात की एवं उक्त प्रकरण में नियमसंगत मदद करने की गुहार लगाई, इसपर उन्होंने स्थानीय स्तर पर बात करके केस का अपडेट भी बताया। मैंने पूरी बात उस माँ को बताई एवं उनको घर जाने का निवेदन करके उठकर कहीं जाने लगा तो वह माँ मेरे साथ-साथ चलने लगीं और सकुचाते हुए अपने हाथों में कुछ नोटों को मोड़े हुए मुझे देने की कोशिश करने लगीं।

मैंने कहा अरे! चाची यह क्या?

इसपर उन्होंने भोजपुरी में कहा अरे तू लईका के उम्र क हवा, ल इ चाय पानी क लिहा। इसपर मैंने उनसे कहा आप लोग बस आपन आर्शीवाद दिहल जाएं, बाकी केहू क कुछऊ ना चाही। यह घटनाक्रम मेरे लिए कोई नया नहीं था, लगभग एक दशक से भी ज्यादा समय से सामाजिक जीवन में हूं जहां अनेकों बार मदद मांगने वाले लोगों ने कुछ देने का प्रयास किया। लेकिन जब - जब मेरे साथ ऐसा वाकया घटित होता है मैं पूरी रात सो नहीं पाता बल्कि यह सोचते रह जाता हूं कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। उस दिन भी कुछ ऐसे ही हुआ, उस माँ के दु:ख तकलीफ को सोचते ही आँखें भर आईं कि उस माँ को कितनी दु:ख और तकलीफे उठानी पड़ रही होंगी क्योंकि उन्होंने एक दिन बताया था कि सुहेलदेव एक्सप्रेस से गाजीपुर से लखनऊ आयीं हैं और फिर डायरेक्ट वहीं आ गई थी जहाँ मेरी उनसे मुलाकात हुई थी।

मैं देर शाम अकेले बैठकर यह सोचता रहा कि ऐसा तो किसी के साथ भी हो सकता है ना, तो सबकी माँ को यूं ही न्याय पाने के लिए दर-दर भटकना पड़ेगा ना। भारतीय न्याय प्रणाली में ना जाने कब उस माँ को न्याय मिलेगा लेकिन माँ के संघर्ष के आगे अब सबका संघर्ष बौना नज़र आता है।

दिल जब घबराये तो खुद को एक किस्सा सुना देना

दिल जब घबराये तो खुद को एक किस्सा सुना देना
जिन्दगी कितनी भी मुश्किल क्यूँ ना हो मुस्कुरा देना..

आसानी से सब कुछ हासिल हो तो उसकी कदर कहाँ?
जरूरी है कुछ पाने के लिए कुछ गंवा देना..

जाहिर है मुसीबतों में साथ कोई अपना नहीं रहता
चुप रहना बेशक आँख से एक कतरा बहा देना

शिकायतें सिर्फ दिल मैला करती हैं और कुछ नहीं
आसान है गले मिल कर कभी सब कुछ भूला देना

बीते हुए दौर की बातें याद कर क्या हासिल प्यारे
क्या जरूरी है कल की याद में अपने आज को सज़ा देना

कुछ कमियां हम सब में है, ये जानते हैं हम बहुत बड़ी बात है,, किसी के ऐब को बे-वजह
छुपा देना..

शार्ट न्यूज

महोबा में युवती को अगवाकर गैंगरेप, आरोपियों को मौके से पकड़ने के बाद भी थाने से छोड़ा

महोबा। यूपी के महोबा में युवती का अपहरणकर गैंगरेप का मामला सामने आया है। वारदात के बाद पुलिस ने आरोपियों को मौके से ही पकड़ लिया था लेकिन थाने से ही छोड़ दिया। अधिकारियों से शिकायत के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई है। घटना 7 मई शाम को उस समय हुई जब 19 वर्षीया युवती शौच के लिए घर से बाहर गई थी। इसी दौरान तीन युवकों ने नशीला पदार्थ सुंघाकर बहोश कर दिया और मोटरसाइकिल पर अगवाकर कहीं ले गए। वहां गैंगरेप को अंजाम दिया गया। युवती का आरोप है कि दुष्कर्म के बाद आरोपी जब उसे हमीरपुर ले जा रहे थे, तभी हमीरपुर पुलिस ने आरोपियों को पकड़ कर कबरई पुलिस को सौंप दिया था, मगर पुलिस ने तीनों को थाने से छोड़ दिया। पुलिस के उच्चाधिकारियों के आदेश पर पुलिस फास्ट हुई और प्राथमिकी दर्ज की गई। प्राथमिकी दर्ज करने में देरी के सवाल पर एसएचओ विनोद कुमार ने बताया कि पहले दोनों पक्षों में समझौता हो गया था, इसलिए पीड़िता खुद अभियोग दर्ज कराने थाने नहीं आयी। अब तहरीर के आधार कल्लू प्रजापति और उसके दो अज्ञात साथियों के खिलाफ अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

टेकऑफ के बाद ट्रेनिंग विमान की खेत में इमरजेंसी लैंडिंग; बाल-बाल बचा पायलट

अमेठी। अमेठी के फुरसतगंज स्थित इंदिरा गांधी उड़ान अकादमी से ट्रेनिंग कर रहे अभय कुमार पटेल का विमान उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि इस दुर्घटनाग्रस्त विमान में से ट्रेनी पायलट पूरी तरह से सुरक्षित बाहर निकल आया। हादसे के बाद मौके पर पहुंची इंदिरा गांधी उड़ान एकेडमी और पुलिस की टीम ने वायुयान के दुर्घटना ग्रस्त होने के करणों का पता लगाने में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 10:15 बजे के आस-पास ट्रेनी पायलट अभय कुमार पटेल एयरक्राफ्ट संख्या BTSGC को लेकर सोलो उड़ान भरी। अभी वह इंदिरा गांधी उड़ान अकादमी से महज 2 किलोमीटर की दूरी पर ही गया था तभी विमान में कुछ तकनीकी खराबी आ जाने के कारण विमान आगे बढ़ने में अक्षम दिखाई पड़ा। तत्काल ट्रेनी पायलट अभय कुमार पटेल ने सूझ-बूझ दिखाते हुए किसी तरह से विमान को आबादी से दूर खेतों में इमरजेंसी लैंडिंग करवाई। इसी इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान विमान पेड़ से टकराया जिसके चलते विमान का पिछला हिस्सा पूरी तरह से डैमेज हो गया। हालांकि उड़ान भर रहा सोलो पायलट अभय कुमार पटेल पूरी तरह से सुरक्षित बाहर निकल आया। हादसे की सूचना जैसे ही इंदिरा गांधी उड़ान अकादमी को लगी तत्काल वहां से फायर और मेडिकल टीम मौके पर रवाना हो गई।

वाराणसी की गंगा में उतराए मिले तीन शव, पलामू और झांसी के किशोरों के रूप में पहचान

वाराणसी। वाराणसी में अहिल्याबाई घाट पर सोमवार सुबह तीन शव उतराते हुए मिले। एक साथ तीन शव देखकर खलबली मच गई। एनडीआरएफ और मल्लाहों ने शवों को गंगा से बाहर निकाला। इनकी पहचान भी हो गई है। दो किशोर झारखंड के पलामू और एक झांसी का रहने वाला था। झारखंड के पलामू ज़िले के ग्राम बराही निवासी प्रियांशु कुमार (14) और इसके चचेरे भाई अमन राज (15) शनिवार को लंका में अपने रिश्तेदार के यहां आए थे। रविवार को ये लोग घूमने निकले थे लेकिन देर रात तक नहीं लौटे। रिश्तेदार इन्हें जगह-जगह ढूंढ रहे थे लेकिन कहीं पता नहीं चला। सुबह जब उन्हें अहिल्याबाई घाट पर तीन शव मिलने की सूचना मिली तो वहां पहुंचे। उन्होंने दो शवों की पहचान प्रियांशु और अमन के रूप में की। वहीं एक बॉडी की पहचान झांसी निवासी योगेश कुमार सोनी के रूप में हुई। योगेश रविवार को आनंदमयी घाट पर डूब गया था। तीनों शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गोंडा : छोटी सी बात पर भतीजे ने कुदाल से हमलाकर चाचा को मार डाला

गोंडा। गोंडा के भंभुवा पुलिस चौकी के गनवलिया गांव में भतीजे ने मामूली विवाद में अपने चाचा की कुदाल से वारकर हत्या कर दी। जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी। हत्या के बाद भतीजा फरार हो गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। घटना सोमवार सुबह 9 बजे की है। गनवलिया के निवासी भरतराम शुक्ला 55 वर्ष घर के पास झाड़ी साफ कर रहे थे। पहले से ही मनमुटाव के चलते दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया कि मेरी तरफ क्यों सफाई कर रहे हो। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। गुस्साये भतीजे आकाश ऊर्फ गोलू पुत्र मुरलीधर ने पास में पड़ी कुदाल से भरतराम पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। जिससे उनकी मौत हो गयी। कोतवाल सुनीर कुमार सिंह ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्यवाही शुरू कर दी है। अभियुक्त की तलाश की जा रही है।

बाराबंकी : घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़, विरोध करने पर पीटा

बाराबंकी। बाराबंकी में फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में शनिवार की रात महिला को अकेली पाकर उसके घर में कुछ लोग घुस गए। इन लोगों ने उसके साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर इन लोगों ने महिला के साथ मारपीट की। महिला ने शोर मचाया तो आरोपी फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि शनिवार की रात उसका पति मेंथा की पेराई करने खेत गया था। इसी दौरान उसके घर में गांव के छोटू, धर्मेश, हरिकेश व रामचंद्र घर में घुस आए। उन लोगों ने छेड़छाड़ की तो उसने शोर मचाया। इस पर उन्होंने महिला की बेरहमी से पिटाई कर दी। घर में शोरगुल सुनकर ग्रामीण दौड़े तो आरोपी फरार हो गए। पीड़िता ने बताया कि विपक्षियों से गत मार्च में विवाद हुआ था जिसका मुकदमा विचाराधीन है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

हमीरपुर : औद्योगिक क्षेत्र से झारखंड के मजदूर का शव बरामद

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले सुमेरपुर कस्बे के औद्योगिक क्षेत्र से पुलिस ने सोमवार को झारखंड के रहने वाले एक मजदूर का शव बरामद किया। सुमेरपुर फैक्ट्री एरिया पुलिस चौकी के प्रभारी उपनिरीक्षक (एसआई) रामबाबू यादव ने बताया कि सोमवार को सुबह औद्योगिक क्षेत्र में एक अधेड़ व्यक्ति का शव संदिग्ध हालत में पड़ा पाया गया, जिसकी पहचान झारखंड के पलामू जिले के रहने वाले रामचन्द्र शर्मा (49) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि मजदूर यहां निर्माणाधीन एक फैक्ट्री में मजदूरी करने 12 मई को आया था। वह शुक्रवार को ठेकेदार से अपने घर जाने की छुट्टी ली थी, लेकिन वापस नहीं गया। यादव ने अन्य मजदूरों के हवाले से बताया कि शर्मा नशे का आदी था और रविवार की शाम तक निर्माणाधीन फैक्ट्री में देखा गया। यादव ने बताया कि उसके परिजनों को सूचित कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने से मौत के कारणों का पता चलेगा।

जौनपुर : शहीद उधम सिंह का 82वां शहादत दिवस मनाया गया

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर में सरावा गांव में स्थित शहीद लाल बहादुर गुप्त स्मारक पर सोमवार को हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी व लक्ष्मी बाई ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने महान क्रान्तिकारी अमर शहीद उधम सिंह का 82 वां शहादत मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने अमर शहीद उधम सिंह के चित्र पर माल्यार्पण किया और शहीद स्मारक पर मोमबत्ती एवं अगरबत्ती जलाकर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। लक्ष्मी बाई ब्रिगेड की अध्यक्ष मंजीत कौर ने कहा कि महान क्रान्तिकारी अमर शहीद उधम सिंह का जन्म 26 दिसंबर 1899 को पंजाब के हिसार जिले में हुआ था।

सहारनपुर हिंसा: उपद्रव एवं घृणा फैलाने के मामलों में 102 संदिग्ध गिरफ्तार

सहारनपुर। सहारनपुर में बीते शुक्रवार को उपद्रवियों की हिंसा के मामले में दर्ज किए गए तीन मुकदमों में अब तक 102 संदिग्धों को हिरासत में लिया जा चुका है। सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आकाश तोमर ने सोमवार को बताया कि सहारनपुर महानगर और कस्बा देबवंद के दारूल उलूम क्षेत्र हुडदंगियों और उपद्रवियों के खिलाफ पुलिस ने तीन एफआईआर दर्ज की थी। इनमें से 84 संदिग्धों को उपद्रव फैलाने और 18 को घृणा फैलाने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। समुदाय विशेष के लोगों को ही निशाना बनाने के आरोपों से बचने के लिए पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों में स्पष्ट किया गया है कि घृणा फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किए गए 18 लोगों में 12 मुस्लिम और छह हिंदू हैं। सहारनपुर के जिलाधिकारी अखिलेश यादव ने आज कहा कि समूचे जिले में स्थिति पूरी तरह से शांतिपूर्ण और सामान्य बनी हुई है। लेकिन संवेदनशील इलाकों में पुलिस की गश्ती और तैनाती अभी जारी है। एसएसपी ने बताया कि ऐसे कई आरोपी हैं जिनको पुलिस चिन्हित कर चुकी है। तमाम संदिग्ध आरोपियों के घर पर पुलिस दबिश दे रही है, लेकिन इनमें से ज्यादातर आरोपी फरार हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में 84 आरोपी गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके हैं। पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। अभी तक पुलिस को इन घटनाओं के पीछे छिपे चेहरों का पता नहीं चल पाया है। आरोपियों की शिनाख्त के लिए एसएसपी ने साइबर सेल को भी लगाया है। जेल भेजे गए आरोपियों पर रासुका लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

एसएसपी ने बताया कि पुलिस ने जिले में अभी तक दो आरोपियों के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त किया है। बाकी आरोपियों के घरों पर भी बुलडोजर चलेगा। एसएसपी ने आगे बताया कि जांच में ऐसे 23 इलाके चिन्हित किए गए हैं जहां से उपद्रवियों की भीड़ निकली थी। माहौल खराब करने वालों पर पुलिस कड़ी निगरानी रख रही है। चिन्हित किए गए 23 इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

केशव प्रसाद मौर्य समेत यूपी विधान परिषद के 13 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 13 रिक्त सीटों के लिये हुये चुनाव में सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो गये है।

निर्वाचन अधिकारी बृजभूषण दुबे ने सोमवार को नाम वापसी के अंतिम दिन की समय सीमा समाप्त होने के बाद उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नौ और समाजवादी पार्टी (सपा) के चार उम्मीदवारों को जीत का सार्टिफिकेट प्रदान कर दिया।

विधान परिषद की 13 सीटों के लिये चुनाव की नामांकन प्रक्रिया दो जून को शुरू होकर नौ जून को समाप्त हुयी थी। इस दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) ने चार और भाजपा ने नौ सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। भाजपा ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य,पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेन्द्र कश्यप, आयुष राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु', अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी के अलावा लखनऊ महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा और कन्नौज के पूर्व विधायक बनवारी लाल दोहरे को विधान परिषद का टिकट दिया था।

वहीं मुख्य विपक्षी दल सपा ने पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य, मुकुल यादव, शाहनवाज खान और पूर्व विधायक जासमीर अंसारी को टिकट थमाया था। मुकुल यादव करहल विधानसभा सीट सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के लिये छोड़ने वाले पूर्व विधायक सोबरन सिंह यादव के पुत्र हैं।

गौरतलब है कि विधान परिषद की जिन 13 सीटों के लिये चुनाव हुआ है,उनमें से अब तक भाजपा के पास तीन, सपा के पास छह,बसपा के पास तीन और कांग्रेस के पास एक सीट है।

उधारी के पैसे वापस ना मिलने से तंग किसान दंपत्ति भूख हड़ताल पर

शामली। कभी कभी नेकी का फल कड़वा भी होता है, इस कहावत को चरितार्थ करते हुये एक वाक्या पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शामली में सामने आया है जहां एक किसान दंपत्ति ने गांव के ही एक व्यक्ति को बुरे हालात से उबारने के लिये बैंक से कर्ज लेकर मदद की मगर एवज में उसे शर्मिंदगी के साथ आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ रहा है और अब स्थितियां इस कदर खराब हो चुकी है कि दंपत्ति को अपने पैसे वापस लेने के लिये भूख हड़ताल में बैठना पड़ा है। दरअसल, शामली के झिंझाना क्षेत्र में एक किसान दंपत्ति ने बैंक से कर्ज लेकर पांच लाख रुपए गांव के एक व्यक्ति को दिए थे। एक साल गुजरने के बाद भी आरोपी व्यक्ति ने पैसा नहीं लौटाया जिससे परेशान किसान दंपत्ति भूख हड़ताल पर आरोपी की व्यक्ति के घर की दहलीज पर बैठे हैं। पीड़ित दंपत्ति ने सोशल मीडिया पर मैसेज वायरल कर गुहार लगाई है कि गांव के लोग हमारी मदद करें। पीड़ित दंपत्ति का धरना दो दिन से जारी है लेकिन पुलिस और प्रशासन के अधिकारी धरने से बेखबर हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस चौंकी चौसाना इलाके के गांव खोडसमा में यशवीर सिंह ने करीब एक वर्ष पूर्व पंजाब नेशनल बैंक चौसाना से कर्जा लेकर गांव के एक व्यक्ति को पांच लाख रुपए उधार दिए थे। समय बीतने के बाद यशवीर सिंह द्वारा पैसे की मांग की गई तो आरोप है कि आरोपी व्यक्ति ने टालमटोल कर दिया जिसके बाद गांव में पंचायत हुई तो आरोपी द्वारा पीड़ित किसान की बेटी की शादी में पैसे देने का वायदा किया गया। करीब एक महीने पूर्व यशवीर सिंह की बेटी की शादी हो चुकी है लेकिन आरोपी द्वारा पैसा वापस नहीं लौटाया गया।

पैगंबर पर टिप्पणी: नूपुर शर्मा पर भड़के आजम खान

बोले- वो बदनसीब है, उसके नसीब पर छोड़ दो

एजेंसी

रामपुर। भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा की पैगंबर मोहम्मद पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले को लेकर पूरे देशभर में बयानबाजी लगातार तेज होती जा रही है। इसी बीच समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान ने नूपुर शर्मा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हुजूर की शान में गुस्ताखी करने वाला बहुत बदनसीब होता है। ऐसे लोगों का साथ कभी मत दो और ना ही उनकी ऐसी बयानबाजियों को दोहराओ। ऐसे लोगों को उनके नसीब पर छोड़ दो। रामपुर लोकसभा सीट पर होने बाले उपचुनाव के लिए आजम खान ने समाजवादी पार्टी के पक्ष में रैली की। इस दौरान उन्होंने नूपुर शर्मा के बयान पर हो रहे बबाल पर कहा कि अल्लाह ने एक इंसान भेजा था, जिसके वजू की एक बूंद भी जमीन पर नहीं गिरी थी। उसे रसूल कहा, उसे नबी कहा, उसकी शान में तो कोई गुस्ताखी नहीं कर सकता है। शान का लब्ज भी बहुत छोटा है। जिससे अल्लाह इश्क करता हो फिर किसी की नफरत से कोई फर्क नहीं पड़ता। आजम खान ने आगे कहा कि कितनी बड़ी दहलीज गिराई बाबरी मस्जिद, अगर उस समय का एक भी बयान हमारी जुबां का हिन्दू देवी-देवता के खिलाफ दिखा दो या हमारी जुबां से तौहीन का एक शब्द भी सबूत के तौर पर कोई दिखा दे तो पूरे परिवार सहित रामपुर छोड़ देंगे। कभी शक्ल भी नहीं दिखाएंगे रामपुर वालों को। इसके अलावा, आजम खान ने इस रैली में रामपुर की जनता को समाजवादी पार्टी के पक्ष में वोट करने की अपील की।

गौरतलब है कि पिछले दिनों नूपुर शर्मा ने एक टीवी डिबेट के दौरान पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। चौतरफा दबाव के बाद भाजपा ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया है। नूपुर शर्मा को कई कट्टरपंथी धमकी भी दे रहे हैं। नूपुर पर बढ़े खतरे के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने उन्हें सुरक्षा प्रदान की है।

23 जून को होंगे उपचुनाव

आपको बता दें कि 23 जून को रामपुर लोकसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं। पहले यहां से आजम खान सांसद हुआ करते थे लेकिन विधानसभा चुनावों में उन्होंने यहां की विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा और जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं जिसके बाद यहां उपचुनाव हो रहा है। यहां से आजम खान के करीबी आसिम रजा को सपा का प्रत्याशी बनाया गया है।

जौनपुर में आधा दर्जन दुकानों पर कपड़ा व्यापारी ने चलवाया बुलडोजर, सामान भी मलबे में दबे

जौनपुर। एक तरफ योगी सरकार का बुलडोजर दंगाइयों और पत्थरबाजों पर चल रहा है। अवैध निर्माण कराने वाले और माफिया पर भी बुलडोजर गरज रहा है। इस बीच जौनपुर में छोटे दुकानदारों पर बुलडोजर कहर बनकर टूटा है। एक कपड़ा व्यवसायी ने भूमि विवाद में चौरा माता मंदिर के ठीक सामने स्थित आधा दर्जन दुकानों पर अचानक आधी रात में बुलडोजर चलवा दिया। इससे दुकानों के साथ ही उसमें भरे सामान भी बर्बाद हो गए। लाखों की कीमत के सामान मलबे में दब गए। सुबह अपनी दुकान खोलने लोग पहुंचे तो वहां का मंजर देख हड़कंप मच गया। पुलिस ने दुकानदारों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। नगर कोतवाली क्षेत्र के ओलन्दगंज में स्थित चौरा माता मंदिर के ठीक सामने छोटी-छोटी आधा दर्जन दुकानें थी। इसमें चूड़ी व प्लास्टिक का सामान लोग बेचते थे। कुछ साल पहले इस जगह का बैनामा कपड़े बड़े व्यवसायी राजाराम एंड संस के मालिक ने करा लिया। बैनामा होने के बाद दुकान खाली कराने को लेकर विवाद शुरू हो गया।

इसका मुकदमा नगर मजिस्ट्रेट के यहां चल रहा था। एक पक्ष परमजीत सिंह व दूसरा पक्ष बैनामा कराने वाले राजाराम एंड संस के मालिक हैं। इसी बीच आरोप है कि रात में राजाराम के बेटे प्रमोद अग्रहरी व अन्य लोग आए और बुलडोजर से दुकानों को ध्वस्त करा दिया।

बिना किसी सूचना के ध्वस्तीकरण कराने से दुकान में रखा लाखों का माल दबकर नष्ट हो गया। परमजीत ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। मौजूदा कोतवाल छुट्टी पर थे। एएसआई रमेश यादव ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

इसके बाद परमजीत से तहरीर ली और दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

इस बारे में हिन्दुस्तान ने रमेश यादव से बात की। उन्होंने बताया कि राजाराम के बेटे प्रमोद अग्रहरी व एक अन्य के खिलाफ विभिन्न धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

समुदाय विशेष को निशाना बना कर बुलडोजर से विध्वंस करना अन्यायपूर्ण : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने प्रयागराज हिंसा के मुख्य आरोपी मोहम्मद जावेद अहमद उर्फ जावेद पंप के घर को स्थानीय प्रशासन द्वारा बुलडोजर से जमींदोज करने की कार्रवाई का हवाला देते हुए कहा है कि समुदाय विशेष को निशाना बना कर बुलडोजर से विध्वंस करना एवं द्वेषपूर्ण आक्रामक कार्रवाई करना अनुचित और अन्यायपूर्ण है। मायावती ने उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि न्यायपालिका को इस पर स्वत-संज्ञान लेना चाहिये। उन्होंने ट्वीट कर कहा, यूपी सरकार एक समुदाय विशेष को टारगेट करके बुलडोजर विध्वंस व अन्य द्वेषपूर्ण आक्रामक कार्रवाई कर विरोध को कुचलने एवं भय व आतंक का जो माहौल बना रही है यह अनुचित व अन्यायपूर्ण। घरों को ध्वस्त करके पूरे परिवार को टारगेट करने की दोषपूर्ण कार्रवाई का कोर्ट जरूर संज्ञान ले। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इस पूरे प्रकरण के मूल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं नवीन जिंदल और नूपुर शर्मा के विवादित बयानों पर सरकार द्वारा कोई कार्रवाई न करने को कानून के राज का उपहास बताया। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने जिंदल और शर्मा की गिरफ्तारी को जरुरी बताते हुए कहा, जबकि समस्या की मूल जड़ नूपुर शर्मा व नवीन जिन्दल हैं, जिनके कारण देश का मान-सम्मान प्रभावित हुआ व हिंसा भड़की, उनके विरुद्ध कार्रवाई नहीं करके सरकार द्वारा कानून के राज का उपहास क्यों? दोनों आरोपियों को अभी तक जेल नहीं भेजना घोर पक्षपात व दुर्भाग्यपूर्ण। तत्काल गिरफ्तारी जरूरी। बसपा सुप्रीमो ने योगी सरकार को नसीहत देते हुए कहा, सरकार द्वारा नियम-कानून को ताक पर रखकर आपाधापी में किए जा रहे बुलडोजर विध्वंसक कार्रवाईयों में न केवल बेगुनाह परिवार पिस रहे हैं बल्कि निर्दोषों के घर भी ढहा दिए जा रहे हैं।

प्रयागराज : पीडीए पर जावेद के बजाय बीवी का मकान जमींदोज करने का आरोप

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जुमे की नमाज के बाद उपजी हिंसा के मामले के मास्टरमाइंड जावेद मोहम्मद उर्फ जावेद पंप के आलीशान भवन को नहीं बल्कि उसकी पत्नी परवीन फातिमा के नाम से पंजीकृत जमीन पर बने मकान को प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने बुलडोजर से रविवार को जमींदोज किया है।

फातिमा के वकील के के राय ने सोमवार को पीडीए पर यह आरोप लगाते हुए बताया कि वकीलों के एक समूह ने यह शिकायत इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 'पत्र याचिका' के माध्यम से दायर की है। राय ने बताया कि अधिवक्ता मंच की तरफ से उच्च न्यायालय में रविवार को ऑनलाइन दाखिल 'लैटर पीटिशन' में बताया है कि ध्वस्त किया गया मकान जावेद का नहीं है। वह मकान उनकी पत्नी परवीन फातिमा के पिता ने उन्हें उपहार स्वरूप दिया था। इस प्रकार पीडीए ने जावेद के बहाने उनकी पत्नी के नाम पर दर्ज मकान को ध्वस्त किया है।

राय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में पीडीए के खिलाफ याचिका में कहा है कि जावेद और उसका परिवार जिस मकान में रहता था उस पर उसका कोई स्वामित्व नहीं था। राय का दावा है कि पीडिए ने ध्वस्तीकरण का नोटिस जावेद मोहम्मद के नाम से चस्पा किया था, लिहाजा पीडीए परवीन फातिमा के मकान का पुर्ननिर्माण करवाये और मुआवजा देने के साथ इसमें शामिल अधिकरियों को निलंबित कर दंडित करने की मांग की है।

याचिका में बताया गया है कि पीडीए ने 11 जून को परवीन फातिमा के मकान पर ध्वस्ती का नोटिस चस्पा किया था। याचिका में कहा गया है कि नोटिस में पिछली तारीख दर्शाते हुए कहा गया है कि उस तारीख पर किसी ने नोटिस को नहीं लिया। न्यायालय में प्रस्तुत लैटर पीटीशन पर अधिवक्ता मंच की तरफ से राय, अधिवक्ता मोहम्मद सईद सिद्दीकी, अधिवक्ता नजमुसाकिब खान, और अधिवक्ता रवीन्द्र सिंह के हस्ताक्षर हैं।

फिरोजाबाद में उपद्रवियों के लगे पोस्टर, पुलिस रखेगी नाम-पता गुप्त, मिलेगा इनाम

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश में 10 जून को जुमे की नमाज के बाद प्रयागराज समेत राज्य के कई इलाकों में हिंसा हुई। इसमें यूपी पुलिस ने कार्रवाई और जांच के तहत उपद्रवियों के पोस्टर जारी किए हैं। अलग-अलग शहरों में हिंसा में शामिल हुए उपद्रवियों को पकड़ने की कवायद जारी है। फिरोजाबाद पुलिस ने भी सोमवार को उपद्रवियों के पोस्टर जारी कर दिए हैं। पुलिस ने बताया कि कई लोग नकाब पहनकर आए और तोड़फोड़ और पथराव किया। पोस्टर में इन्हीं की फोटो लगाकर पुलिस इन सभी के बारे में जानकारी मांग रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टर में जिन उपद्रवियों की फोटो छपी है उनकी पहचान, नाम और पता पुलिस को बताए जाएं। साथ ही पुलिस तक उनकी जानकारी पहुंचाने वाले को ईनाम मिलेगा और उन उपद्रवियों का नाम और पता बताने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी। वहीं ये पोस्टर गली-मुहल्ले में चस्पा कर दिए गए हैं। आसपास के इलाकों में इनकी खोजबीन जारी है। पुलिस ने खोजबीन के लिए टीमें लगा दी हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उपद्रव करने के दोषियों को किसी भी सूरत में छोड़ा नहीं जाएगा। पुलिस सभी की पहचान में जुटी हुई है। जैसे ही पुलिस को जानकारी मिल रही है पुलिस कार्रवाई कर रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई दंगे की वीडियो के आधार पर उपद्रवियों के पोस्टर जारी किए गए हैं। केवल उपद्रवी ही नहीं बल्कि हिंसा को भड़काने के लिए छिपकर काम करने वालों को भी खोजा जा रहा है।

कई शहरों में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फिरोजाबाद पुलिस भी सख्त कार्रवाई के लिए तैयार है। कहा जा रहा है कि जल्द आरोपियों की पहचान की जाएगी।

पुलिस का कहना है कि चिंहित सभी लोगों को गिरफ्तार कर जल्द से जल्द सलाखों के पहुंचाया जाएगा। टीमों को लगातार आरोपियों की पहचान के लिए लगाया गया है।

रक्षा उत्पादन,कृषि और पेयजल के क्षेत्र में इजराइल करेगा यूपी की मदद

लखनऊ। इजरायल ने रक्षा उत्पादन, पुलिस आधुनिकीकरण, कृषि और पेयजल के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश से मदद की पेशकश की है।

इजराइल के राजदूर नाओर गिलोन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। बातचीत के दौरान श्री गिलोन ने कहा कि इजराइल और भारत के बीच मजबूत सामरिक संबंध हैं। उत्तर प्रदेश के साथ हम कई क्षेत्रों में अच्छे सहयोगी की भूमिका में हैं। निकट भविष्य में इजरायल ने रक्षा, पुलिस आधुनिकीकरण, कृषि आधुनिकीकरण, किसानों को पानी के बेहतर उपयोग, बुंदेलखंड में पेयजल उपलब्धता और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश से सहयोग करने जा रहा है। उन्होने कहा कि इजराइल और भारत सरकार के बीच मजबूत सामरिक और रणनीतिक सम्बंध हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी की 2017 की यात्रा के बाद और प्रगाढ़ हुए हैं तथा दोनों देश नए क्षेत्रों में मिलकर कार्य कर रहे हैं। इजराइल की सरकार उत्तर प्रदेश सरकार के साथ

मिलकर किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि एवं सिंचाई के क्षेत्र में, पेजजल की बेहतर उपलब्धता और जल संरक्षण के क्षेत्र में जो कार्य कर रहे हैं, उसे आगे बढ़ाएंगे। इसके साथ साथ डिफेंस, पुलिस मॉर्डनाइजेशन और उद्योगों के विकास में तकनीक हस्तांतरण भी करेंगे। उत्तर प्रदेश और इजराइल संयुक्त समूह बनाकर इन कार्यों को गति देंगे।

इस मौके पर श्री योगी ने कहा कि भारत और इजराइल के द्विपक्षीय संबंध सतत प्रगाढ़ हो रहे हैं। दोनों देशों के बीच 30 वर्ष से मजबूत राजनयिक संबंध रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2017 में अपनी इजरायल यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की थी।

इस दौरे में उत्तर प्रदेश का एक प्रतिनिधिमंडल भी शामिल था। हाल के वर्षों में भारत-इजराइल के परस्पर संबंध नई ऊंचाइयों को छूआ है। उत्तर प्रदेश दोनों देशों के बीच परस्पर सम्बंधों की बेहतरी में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए तत्पर है।

उन्होने कहा कि इजराइल के सहयोग से उत्तर प्रदेश के जनपद बस्ती और कन्नौज में दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित हुए थे, दोनों ही अपने उद्देश्यों में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। हमारी योजना हॉर्टिकल्चर और सब्जी उत्पादन क्षेत्र में नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की है। इस कार्य में भी हमें इजराइल से आवश्यक सहयोग प्राप्त होगा।

शार्ट न्यूज

रुपया 11 पैसे लुढ़का

मुंबई। शेयर बाजार में हाहाकार के साथ ही आयातकों और बैंकरों की लिवाली के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 11 पैसे लुढ़ककर 78.04 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। पिछले कारोबार दिवस रुपया 19 पैसे की गिरावट लेकर 77.93 रुपये प्रति डॉलर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया 27 पैसे टूटकर 78.20 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान लिवाली हाने से यह 78.29 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक गिर गया। हालांकि बिकवाली की बदौलत यह 78.02 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर भी गया। अंत में पिछले दिवस के 77.93 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 11 पैसे लुढ़ककर 78.04 रुपये प्रति डॉलर रह गया। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में महंगाई के चालीस साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचने से ब्याज दरों में तेजी वृद्धि की संभावना और चीन में कोरोना के मामलों में आई तेजी से घबराए निवेशकों की चौतरफा बिकवाली के दबाव में आज घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरता हुआ ढाई प्रतिशत से अधिक टूटकर ढेर हो गया। इससे रुपये पर दबाव बढ़ा है।

मई 2022 में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 7.04 प्रतिशत

नयी दिल्ली। देश में खुदरा मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति मई 2022 में घटकर 7.04 प्रतिशत रही जो इससे पिछले माह 7.79 प्रतिशत थी। पिछले साल मई में खुदरा मुद्रास्फीति 6.30 प्रतिशत थी। सोमवार को सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी अस्थायी आंकड़ों के अनुसार मुद्रास्फीति अब भी भारतीय रिजर्व बैंक के लक्ष्य से ऊंची बनी हुयी है। लेकिन इसमें अप्रैल में गिरावट से केंद्रीय बैंक की नीतिगत दर बढ़ाने की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ने की उम्मीद की जा सकती है। रिजर्व बैंक के सामने मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत से दो प्रतिशत ऊंचे या नीचे के दायरे में रखने की जिम्मेदारी है। रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के लिए उदार ऋण नीति को वापस ले रहा है और इस क्रम में केंद्रीय बैंक मई और जून में दो बार में अपनी नीतिगत दर रेपो में 0.90 प्रतिशत की वृद्धि कर चुका है। आरबीआई ने चार मई को मौद्रिक नीति समिति की समय से पहले बुलायी गयी बैठक में आरक्षित नगदी अनुपात (सीआरआर) 0.50 प्रतिशत बढ़ाकर 4.5 प्रतिशत कर दिया था। मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने भी पिछले महीने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमश: आठ और छह रुपये की कमी की थी तथा इस्पात और पीवीसी के कच्चे और माध्यमिक माल को सस्ता करने के लिए कई कदम उठाए थे। अप्रैल में 7.79 प्रतिशत पर खुदरा मुद्रास्फीति आठ साल के उच्चतम स्तर पर थी।

स्काईबैग्स का नया अभियान

नयी दिल्ली। वीआईपी इंडस्ट्रीज के स्काईबैग्स ब्रांड ने अपने नये ट्रेवेल को लेकर एक नया अभियान शुरू किया है जिसमें जेनरेशन जेड की दुनिया की सैर करने और अलहदा दिखने की आकांक्षाओं को दर्शाने वाले बोल्ड, बिंदास व रंग-बिरंगे डिज़ाइन के बैग को प्रस्तुत किया गया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि 'चेज़ द वर्ल्ड' अभियान को कंपनी के ब्रांड अंबेसडर अभिनेता वरुण धवन के माध्यम से प्रचारित प्रसारित किया जा रहा है। एक अभिनेता के तौर पर युवाओं में लोकप्रिय और एक यूथ आइकन के तौर पर अपनी पहचान रखने वाले वरुण धवन पिछले कई साल से स्काईबैग्स से जुड़े हुए हैं। वीआईपी इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष (मार्केटिंग) प्रफुल्ल गुप्ता ने कहा विश्वभर में कोरोना की बदली हुई परिस्थितियों के बाद ट्रैवेल और हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के पटरी पर लौटने का सकारात्मक संदेश मिला है। हालात के फिर से सामान्य होने का जश्न मनाने के लिए हम युवा और जेनेरेशन 'के नाम से जानेवाली आज की पीढ़ी के साथ नये तरीके से जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। हमेशा से ही बेहद अनूठे और प्रचलित स्टाइल का अनुसरण करनेवाली आधुनिक पीढ़ी को फिर से हमारे साथ जोड़ने का हमारा प्रयास सफल साबित हो रहा है और बड़ी संख्या में युवा फिर से हमारे आधुनिक कलेक्शन्स को अपना रहे हैं। हमने अपने ताज़ा प्रचार अभियान और अपने कलेक्शन्स के ज़रिए लोगों की आधुनिक आकांक्षाओं को रेखांकित किया है और ऐसे में लोगों की ओर से मिल रहा प्रतिसाद भी हमारे लिए बहुत उत्साहजनक है।

जीन्स2मी ने कोरोना सेल्फ टेस्ट किट कोविईजी लॉन्च की

नयी दिल्ली। आईवीडी सोल्यूशन के निर्माता जीन्स2मी प्राइवेट लिमिटेड ने घर पर कोरोना का टेस्ट करने के लिए कोविईजी सेल्फ टेस्ट रैपिड एंटीजन टेस्ट किट लॉन्च की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह किट इस्तेमाल करने में काफी आसान है और 10 मिनट में मरीज को सटीक नतीजे देती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस मोबाइल ऐप इसकी संवेदनशीलता का उच्चतम स्तर बरकरार रखता है। इसके नतीजे 98 फीसदी से ज्यादा सटीक होते हैं। मार्केट में लॉन्चिंग से पहले यह सरकार के प्रमुख संस्थान आईसीएमआर के गुणवत्ता नियंत्रण मापकों पर खरा उतरा है। कोविईजी टेस्ट को मोबाइल ऐप पर दिए गए दिशा-निर्देशों का प्रयोग कर आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। यह एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर मौजूद है और जांच के नतीजे स्वचालित रूप से प्रदर्शित होते हैं। जीन्स 2 मी लिमिटेड के सीईओ और संस्थापक नीरज गुप्ता ने कहा,आज जब ज्यादातर लोग होम टेस्ट को अपनी पहली ढाल की तरह प्रयोग कर रहे हैं, तब सटीक नतीजे बहुत महत्वपूर्ण हैं। समय की इसी जरूरत को पहचानते हुए हमने टेस्ट किट लॉन्च की है, जो 98 फीसदी से ज्यादा सटीक नतीजे देती है। इससे मिले नतीजे आरटीपीसीआर की टेस्ट रिपोर्ट जितनी ही सटीक होती है। सबसे बड़ी बात यह है कि मरीज बिना किसी असुविधा के अपना कोरोना टेस्ट घर पर कर सकता है। हमारी योजना मरीजों को भारत की सर्वोत्तम टेस्ट किट प्रदान करने की है। अपनी आधुनिक निर्माण इकाई से हम समाज की इस जरूरत को पूरा करने जा रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल के दाम 22वें दिन भी स्थिर

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे लगातार 22वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज कच्चे तेल की कीमत में गिरावट दर्ज की गयी लेकिन यह फिर भी 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चल रही है। इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली में आज पेट्रोल का दाम 96.72 रुपये और डीजल का दाम 89.62 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमश: 111.35 रुपये और 97.28 रुपये प्रति लीटर पर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग हैं। केंद्र सरकार ने 25 मई को आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमश: आठ रुपये और छह रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से क्रमश: 9.5 रुपये और सात रुपये तक गिर गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 1.54 प्रतिशत गिरकर 120.21 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 1.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 118.81 डॉलर प्रति बैरल पर है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

980 रुपये के पार जाएगा अडानी ग्रुप का यह शेयर, अभी दांव लगाने से बंपर मुनाफा

नई दिल्ली। अगर आप अडानी ग्रुप के शेयर पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आप अडानी पोर्ट्स के शेयरों पर नजर रख सकते हैं। अडानी पोर्ट्स के शेयरों पर ब्रोकरेज फर्म बुलिश हैं और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। ब्रोकरेज फर्म Citi ने इसका टारगेट प्राइस 981 रुपये दिया है। अडानी पोर्ट्स का लेटेस्ट शेयर प्राइस 697 रुपये है। यानी कि दांव लगाने पर 40.75 प्रतिशत का फायदा हो सकता है। सिटी ने एक नोट में कहा कि फर्म ने 350-360 मिलियन टन के FY23E वॉल्यूम मार्गदर्शन को दोहराया है। ब्रोकरेज ने कहा कि कंपनी के मैनेजमेंट ने शुद्ध मुक्त नकदी प्रवाह सकारात्मक होने, कंफर्टेबल लेवरेज रेशियो, निवेश-ग्रेड रेटिंग और 20-25 प्रतिशत लाभांश भुगतान अनुपात बनाए रखने पर जोर दिया। अडानी पोर्ट्स का स्टॉक 5-दिन, 20-दिन, 50-दिन, 100-दिन और 200-दिवसीय मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहा है।

डब्ल्यूटीओ बैठक शुरू: भारत का 'उचित, संतुलित, विकास केंद्रित परिणाम ' पर बल

नयी दिल्ली। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की जिनेवा बैठक में 'उचित, संतुलित और विकास केंद्रित परिणाम निकालने' के लिए विकासशील और अल्प विकसित देशों को एक जुट होकर प्रयास करने और इसके लिए समान विचार वाले देशों का समर्थन जुटाने का आह्वान किया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अनाज की सरकारी खरीद और भंडार के कार्यक्रम को भारत जैसे विकासशील देशों की खाद्य सुरक्षा और अन्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए इस मसले का स्थायी समाधान निकालने तक इस पर डल्यूटीओ में विवाद न पैदा करने के निर्णय को छेड़ने या उस पर नए सिरे से वार्ता किए जाने का विरोध किया है।

डब्ल्यूटीओ की 12वीं मंत्रिस्तरीय बैठक के पहले दिन रविवार को इन देशों के एक महत्वपूर्वण समूह की बैठक को संबोधित करते हुए भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ऐसे वांछित परिणाम के लिए 'खाद्यान के सरकारी भंडार के मुद्दे का स्थायी समाधान और (कृषि उत्पादों के आयात में उछाल के समय स्थानीय कृषि के बचाव के लिए) सुरक्षा के विशेष उपाय (एसएसएम) की व्यवस्था का होना जरूरी है।

गोयल ने इंडोनेशिया द्वारा बुलायी गयी जी-33 समूह की बैठक में कहा,इस बैठक में मेरे से पहले बोलने वाले बहुत से वक्तओं की बात से यह स्पष्ट है कि इस बार के एजेंडा में अनाज की सरकारी खरीद और सुरक्षा के विशेष उपाय, मुख्य रूप से ये दो मुद्दे हैं जिनका इस बार समाधान निकलने की प्रतीक्षा है।

भारत ने इस बैठक में स्पष्ट किया कि देश के खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम और अन्न उत्पादन में आत्म निर्भरता के लिए अनाज की सरकारी खरीद और भंडारण का कार्यक्रम महत्वपूर्ण है।

गोयल ने कहा,हम अपनी यात्रा और अपने स्वयं के अनुभवों के आधार पर इस मुद्दे पर सभी विकासशील और अल्प विकसित देशों के लिए मिल कर संघर्ष कर रहे हैं।

गोयल ने कहा,अनाज की कमी वाले देश से प्रगति कर आज अनाज के मामले में बड़ी सीमा तक आत्म-निर्भर प्राप्त करने का भारत का अपना अनुभव है। इस यात्रा में सब्सिडी के रूप में सरकारी सहायता और सरकारी हस्तक्षेपों की बहुत बड़ी भूमिका रही है।

गोयल ने अनाज की सरकारी खरीद के कार्यक्रम को खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कि इस मुद्दे का स्थायी समाधान निकलने तक इस पर विवाद नहीं खड़ा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर पिछली एक नहीं तीन-तीन बैठकों में निर्णय हो चुका है।

गोयल ने डब्ल्यूटीओ महानिदेशक सुश्री एनगोजी ओकोंजो-आईवेयाला की उस टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया जिसमें उन्होंने इस सम्बंध में ' एक बार नहीं , दो बार नहीं, तीन बार हो चुके निर्णय को एक प्रक्रिया की पुनरावृत्ति मात्र बताया है।'

गोयल ने कहा कि 2013, 2015 और 2018 में इस मुद्दे पर कोई घोषणा नहीं बल्कि निर्णय हुआ था।

उन्होंने जी-33 समूह के सदस्यों को इस मुद्दे पर विभिन्न बैठकों के निर्णय को उद्धरित करते हुए कहा,%मैं यह सब इस लिए कह रहा हूं कि इस बात का क्या तुक है कि इस पर नया वर्क प्रोग्राम (नयी वार्ता) शुरू किया जाए और इस 12वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में इसको लेकर एक नयी घोषणा हो।

गोयल ने यह स्पष्ट किया कि अनाज के सरकारी भंडार के मुद्दे पर कोई नया वर्क प्रोग्राम स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस मुद्दे के स्थायी समाधान के निकालने के लिए अब तक हुई प्रगति को आगे बढ़ाया जाए और स्थायी समाधान निकलने तक इसको डब्ल्यूटीओ में विवाद का मुद्दा न बनाया जाए।

वाणिज्य मंत्री ने कहा,मैं अब भी सोचता हूं कि हम सबको इस बात को सोचना चाहिए कि जो फैसला हो चुका है उसका पालन हो और इस बार उसे शामिल किया जाए या उस पर फिर एक नयी वार्ता (वर्क-प्रोग्राम) के लिए सहमति दे कर प्रारंभिक समझौते के आठ या नौ वर्ष बाद फिर अपने को उसी जगह खड़ा कर लिया जाए जहां से हम आगे बढ़े थे।

गोयल ने कहा कि उरुग्वे दौर की वार्ताओं के आधार पर 1994 में मरक्कश में डब्ल्यूटीओ के गठन के लिए जो समझौता हुआ, उसमें कृषि के साथ अच्छा बर्ताव नहीं हुआ।'जो देश बाजार खराब करने वाली सब्सिडी दे रहे थे उन्होंने कृषि पर समझौते (एओए) के तहत अपनी निर्यात सब्सिडी को सुरक्षित कर लिया। उस समय विकासशील और अल्प विकसित देश कृषि पर सब्सिडी नहीं देते थे इस लिए उन्हें भविष्य में सब्सिडी बढ़ाने का अधिकार मिला ही नहीं।

उन्होंने कहा कि ए-ओ-ए के नियम विकसित देशों के पक्ष में रहे। उनको सब्सिडी ऊंची रखने का अधिकार मिल गया। बाजार मूल्य समर्थन की गणना का फार्मूला गलत और उसी पुरानी कीमत पर अटका दिया गया।

गोयल ने कहा,हमें ही झुकने को कहा जाता है। हमें एक ही विषय पर बार बार बात करनी पड़ती है । ऐसे मुद्दों को छेड़ दिया जाता है जहां समझौता पहले ही हो चुका है।

मैक्स लाईफ एडब्लूएस के साथ क्लाउड ट्रांसफॉर्मेशन में लाया तेजी

नयी दिल्ली। जीवन बीमा कंपनी मैक्स लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने डिजिटल लाईफ इंश्योरेंस कंपनी बनने के लिए एमेज़ॉन वेब सर्विसेज़ (एडब्लूएस) को अपना क्लाउड प्रदाता बनाया है।

अमेजन की कंपनी एडब्लूएस ने आज यहां जारी बयान में कहा कि एडब्ल्यूएस क्लाउड क्षमताओं के संपूर्ण विस्तार, जैसे स्टोरेज, कंप्यूट, डेटा एनालिटिक्स का इस्तेमाल कर मैक्स लाईफ ने नई बीमा पॉलिसी जारी करने की प्रक्रिया को ऑटोमेट कर दिया है और अब ग्राहक केवल 30 मिनट में बीमा खरीद सकते हैं। मैक्स लाईफ के डिजिटल परिवर्तन से ग्राहकों की निष्ठा और एजेंट की उत्पादकता बढ़ी है। एजेंट की उत्पादकता में 40 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। इसके अलावा, मैक्स के क्लाउड फुटप्रिंट 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने से कंपनी के इन्फ्रास्ट्रक्चर की दृढ़ता बढ़ी है, और अब यह नए बीमा उत्पादों के लॉन्च के दौरान विभिन्न व्यवसायों को आसानी से सपोर्ट कर सकता है। एडब्लूएस के साथ मैक्स लाईफ के ग्राहकों को डिजिटल सेवाओं द्वारा ज्यादा तीव्र एवं सुगम बीमा सेवाओं का अनुभव मिलेगा, जिसमें ऑनलाईन प्रीमियम पेमेंट के विकल्प शामिल हैं।

ग्राहकों द्वारा कंपनियों की सेवाओं के लिए डिजिटल चैनल का इस्तेमाल बढ़ रहा है और वो ज्यादा तीव्र एवं पर्सनलाईज़्ड सेवाएं, जैसे ऑटोमेटेड क्लेम और डिस्बर्सल चाहते हैं। इस मांग को पूरा करने के लिए मैक्स लाईफ सर्वरलेस कंप्यूट सेवा, एडब्लूएस लैंब्डा और एमेज़ॉन इलास्टिक कंप्यूट क्लाउड (एमेज़ॉन ईसी2) का इस्तेमाल कर रहा है, जिससे उन्हें क्लाउड में सुरक्षित, रिसाईज़ किए जाने योग्य कंप्यूट क्षमता मिले और पीक अवधि के दौरान ग्राहकों के लिए बेहतर सेवाएं सुनिश्चित हो सकें। एमेज़ॉन की सिंपल स्टोरेज सेवा (एमेज़ॉन एस3) एक ऑब्जेक्ट स्टोरेज सेवा है, जिसकी मदद से मैक्स लाईफ ने एक डेटा लेक का निर्माण कर लिया है, जो कंपनी के संरचनाबद्ध और गैरसंरचनाबद्ध डेटा को विस्तृत रूप से केंद्र में स्टोर करती है। यह लेक मैक्स लाईफ को नई ग्राहक सेवाओं के शोध व विकास में मदद करती है, और इससे ऑपरेशनल एफिशियंसी बढ़ती है जिससे ग्राहकों के साथ बेहतर संवाद सुनिश्चित हो सके। एक सर्वरलेस डेटा इंटीग्रेशन सेवा, एडब्लूएस ग्लू लेक में सहेजे गए बेनामी ग्राहक डेटा का व्यवस्थापन और विश्लेषण करती है, ताकि मैक्स लाईफ को ग्राहक का 360 डिग्री अवलोकन मिले और ग्राहकों को व्यक्तिगत अनुभव, जैसे कम प्रीमियम में विशेष अनुभव प्रदान किए जा सकें।

खाद्य तेलों में टिकाव, उड़द दाल सस्ती

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों की गिरावट के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा वहीं मांग फिसलने से उड़द दाल सस्ती हो गई। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 131 रिंगिट लुढ़ककर 6150 रिंगिट प्रति टन रह गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का जून वायदा 1.28 सेंट की गिरावट लेकर 79.51 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वह पिछले दिवस के स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान उड़द दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई। वहीं, चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : चना 4450-4550,दाल चना 5450-5550, मसूर काली 8450-8550, मूंग दाल 8200-8300, उड़द दाल 9500-9600, अरहर दाल 8200-8300 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2270-2370 रुपये और चावल : 2500-2600 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3560-3670, चीनी एम. 3680-3780, मिल डिलीवरी 3440-3540 और गुड़ 3550-3650 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 18168 रुपये, मूंगफली तेल 20330 रुपये, सूरजमुखी तेल 21465 रुपये, सोया रिफाइंड 17363 रुपये, पाम ऑयल 16116 रुपये और वनस्पति तेल 17289 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

घर खरीदना महंगा कर रही है बढ़ती ब्याज दर: नाइट फ्रैंक इंडिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। अचल सम्पत्ति बाजार का अध्यन एवं विश्लेषण करने वाली फर्म नाइट फ्रैंक इंडिया की एक ताजा रपट में कहा गया है कि महंगाई की बढ़ती दर (मुद्रास्फीति) पर अंकुश के लिए ब्याज दर बढ़ाने का हथियार मकानों की मांग प्रभावित कर सकता है।

नाइट फ्रैंक इंडिया के एक ताजा अध्ययन के अनुसार हाल में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत ब्याज दर रेपो में कुल मिला कर 0.90 प्रतिशत की बढोतरी घर खरीदारों के गृह ऋण की समान मासिक किस्तें बढ़ गयी हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी के तेज झटके से उबर कर अचल सम्पत्ति बाजार तेजी से सुधर रहा था और वर्ष 2021 में मकानों की वार्षिक बिक्री कोविड के पहले 2019 के स्तर को छूने के करीब पहुंच गयी थी।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'मकानों की मांग में सुधार एक बड़ी सीमा तक ऋण पर ब्याज के बहुत कम स्तर पर होने के कारण था। इससे लोगों को घर खरीदने में मदद मिल रही थी। लेकिन मुद्रास्फीति में तेज उछाल से केंद्रीय बैंक को ब्याज दरें बढ़ाने और बाजार से अतिरिक्त नकदी को अवशोषित करने पर मजबूर होना पड़ा है।'

नाइट फ्रैंक ने कहा है कि गृह ऋण की दरें इस समय भी कोविड19 महामारी के स्तर काफी नीचे हैं पर इनमें वृद्धि का असर ईएमआई और व्यय-वहनशीलता समूचकांक (ईएमआई और घरेलू आय का अनुपात) पर पड़ता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आवास ऋण की दर 0.50 प्रतिशत बढने पर ईएमआई राशि में 3.84 प्रतितशत की वृद्धि और व्यय-वाहनशीलता अनुपात में 1.11 प्रतिशत की कमी हो जाती है। यदि कर्ज 1.00 प्रतिशत महंगा हुआ तो ईएमआई राशि 7.76 प्रतिशत तक बढ़ जाती है और वहनशीलता सूचकांक 223 प्रतिशत कम हो जाता है। आवास ऋण 150 प्रतिशत महंगा होने पर ईएमआई राशि 11.73 बढती है और व्यय वहनशीलता 3.38 प्रतिशत कम हो जाती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकों ने मई और जून में रेपो दर की समूची वृद्धि को ग्राहकों पर डाला तो दिल्ली-एनसीआर में एक करोड़ रुपये के कर्ज का ईएमआई जो रेपो बढ़ने से पहले 79,949 रुपये था, मई में बढ कर कर 82404 रुपये और अब 85,521 रुपये हो जाएगा।

इसी तरह मुंबई में दो करोड़ रुपये के कर्ज की ब्याज बढ़ने से पहले की 159898 रुपये की ईएमआई मई में 164807 रुपये और अब 171041 रुपये हो जाएगी।

रिपोर्ट में इसी मान्यता के अनुसार 75 लाख रुपये के कर्ज की ईएमआई मई में 59962 रुपये से बढ़ कर 61803 और अब 64141 रुपये हो जाएगी।

आरबीआई ने मई के शुरू में और जून की समीक्षा में रेपो को लगातार क्रमश- 0.40 और 0.50 प्रतिशत बढ़ा दिया और रेपो दर इस समय 4.90 प्रतिशत हो गयी है। रेपो दर वह ब्याज है जो रिजर्व बैंक व्यावसायिक बैंकों को फैरी उधार पर वसूलता है। इसके बढ़ने से बैंकों के धन की लागत बढ़ जाती है और उन्हें कर्ज महंगा करना पड़ता है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की मई के शुरू में हुई अप्रत्याशित बैठक में आरक्षित नकदी अनुपात (सीआरआर) को 4.00 प्रतिशत से बढ़ा कर 4.50 प्रतिशत करने से बैंकों और अधिक नकदी रिजर्व बैंक के नियंत्रण में आ गयी।

नाइट फ्रैंक इंडिया की इस रिपोर्ट के अनुसार रिजर्व बैंक अर्थव्यवस्था में नकारात्मक वास्तविक ब्याज दर का दायरा कम करने के लिए ब्याज दर में वृद्धि अभी जारी रखेगा। नकारात्मक ब्याज दर मुद्रास्फीति और रेपो के बीच का अंतर है।

सरकार द्वारा सोमवार को जारी प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार मई 2022 में खुदरा मुद्रास्फीति घट कर 7.04 प्रतिशत रही जो 7.79 प्रतिशत थी। रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति को 2-6 प्रतिशत के दायरे में रखने को प्रयासरत रहता है।

अमेरिकी महंगाई की मार से ढेर हुआ शेयर बाजार

मुंबई। अमेरिका में महंगाई के चालीस साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचने से ब्याज दरों में तेजी वृद्धि की संभावना और चीन में कोरोना के मामलों में आई तेजी से घबराए निवेशकों की चौतरफा बिकवाली के दबाव में आज घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरता हुआ ढाई प्रतिशत से अधिक टूटकर ढेर हो गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1456.74 अंक का गोता लगाकर 53 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 52846.70 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 427.40 अंक लुढ़ककर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 15774.40 अंक पर आ गया।

दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों ने भी बिकवाली की मार झेली। मिडकैप 2.73 प्रतिशत उतरकर 21,876.80 अंक और स्मॉलकैप 3.15 अंक गिरकर 25,043.33 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3613 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2835 में गिरावट वहीं 662 तेजी पर रहे वहीं 116 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

इस दौरान बीएसई की सभी 19 कंपनियों में गिरावट रही। बेसिक मैटरियल्स 2.58, सीडीजीएस 2.07, ऊर्जा 2.83, वित्त 3.17, इंडस्ट्रियल्स 3.35, आईटी 3.92, दूरसंचार 2.29, ऑटो 2.02, बैंकिंग 3.12, कैपिटल गुड्स 2.80, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.05, धातु 3.39, तेल एवं गैस 2.75, रियल्टी 3.06 और टेक समूह के शेयर 3.45 प्रतिशत गिरे।

वैश्विक बाजार में गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 1.80, जर्मनी का डैक्स 2.18, जापान का निक्केई 3.01, हांगकांग का हैंगसेंग 3.39 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.89 प्रतिशत लुढ़क गया।

शुरुआती कारोबार में सेसंक्स 1119 अंक लुढ़ककर 53,184.61 अंक पर खुला। लेकिन मामूली लिवाली की बदौलत थोड़ देर बाद यह 53,207.54 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। इसके बाद बिकवाली शुरू होने से यह लगातार गिरता हुआ दोपहर बाद 52,527.08 अंक के निचले स्तर तक उतर गया। अंत में पिछले दिवस के 54,303.44 अंक के मुकाबले 2.68 प्रतिशत गिरकर 52,846.70 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी भी 324 अंक की गिरावट लेकर 15,877.55 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 15,886.15 अंक के उच्चतम जबकि 15,684.00 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,201.80 अंक की तुलना में 2.64 प्रतिशत टूटकर 15,774.40 अंक पर आ गया।

इस दौरान सेंसेक्स की नेस्ले इंडिया की 0.46 प्रतिशत की बढ़त को छोड़कर शेष 29 कंपनियां धराशायी हो गई। बजाज फिनसर्व ने सबसे अधिक 7.02 प्रतिशत का नुकसान उठाया। इसी तरह बजाज फाइनेंस 5.44, इंडसइंड बैंक 5.27, टेक महिंद्रा 4.84, आईसीआईसीआई बैंक 4.46, टीसीएस 4.31, एनटीपीसी 4.09, इंफोसिस 3.58, एसबीआई 3.44, एलटी 3.35, विप्रो 3.18, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.14, कोटक बैंक 3.06, टाटा स्टील 3.01, अल्ट्रासिमको 2.81 और एचसीएल टेक 2.49 प्रतिशत की गिरावट पर रही।

इनके अलावा नुकसान उठाने वाली अन्य कंपनियों में एचडीएफसी 2.22, आईटीसी 2.04, डॉ. रेड्डी 1.95, सन फार्मा 1.95, रिलायंस 1.89, एक्सिस बैंक 1.79, टाइटन 1.78, एचडीएफसी बैंक 1.73, एशियन पेंट 1.73, पावरग्रिड 0.98, भारती एयरटेल 0.36, हिंदुस्तान यूनीलीवर 0.18 और मारुति 0.17 प्रतिशत शामिल है।

एंबेसडर कार बनाने वाली कंपनी ने किया मालामाल, 1 महीने में ही दोगुना से ज्यादा हुआ पैसा

नई दिल्ली। आइकॉनिक एंबेसडर कार बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान मोटर्स के शेयरों ने 1 महीने के भीतर ही निवेशकों को मालामाल कर दिया है। पिछले कुछ समय से शेयर बाजार जहां दबाव में हैं, वहीं सीके बिड़ला ग्रुप की कंपनी हिंदुस्तान मोटर्स के शेयरों ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। पिछले 3 हफ्तों में जहां बीएसई सेंसेक्स में 3 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। वहीं, हिंदुस्तान मोटर्स के शेयरों में 125 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया है। कंपनी के शेयरों ने 1 महीने में ही निवेशकों को पैसा दोगुना से ज्यादा कर दिया है।

हिंदुस्तान मोटर्स के शेयरों में 25 मई से लगातार अपर सर्किट लग रहा है और कंपनी के स्टॉक हर दिन 52 हफ्ते का नया हाई बना रहे हैं। सोमवार, 13 जून 2022 को हिंदुस्तान मोटर्स के शेयर 5 फीसदी के अपर सर्किट के साथ बीएसई में 24.35 रुपये के स्तर पर पहुंच गए। कंपनी का मार्केट कैप भी बढ़कर 506 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो-लेवल 7 रुपये है।

1 महीने में ही 1 लाख के बन गए 2 लाख रुपये से ज्यादा

हिंदुस्तान मोटर्स के शेयर 13 मई 2022 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (क्रस्श्व) में 10.46 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 13 जून 2022 को बीएसई में 24.35 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने एक महीने पहले कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते तो मौजूदा समय में यह पैसा 2.33 लाख रुपये होता। कंपनी के शेयरों ने पिछले एक साल में 176 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों ने 109 फीसदी का रिटर्न दिया है।

इसलिए कंपनी के शेयरों में आया है तेज उछाल

हिंदुस्तान मोटर्स के शेयरों में यह तेज उछाल, उन रिपोर्ट्स के बाद आया है जिनमें कहा गया है कि एंबेसडर कार नए इंजन और डिजाइन के साथ वापसी करेगी। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है। मॉडर्न EV बनाने के लिए हिंदुस्तान मोटर्स ने एक यूरोपियन कंपनी के साथ रूश्च पर दस्तखत किए हैं।

शार्ट न्यूज

उत्तर प्रदेश के सामने मज़बूत मुंबई की चुनौती

बेंगलुरु। भारत के सबसे बड़े प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफ़ी का 87वां संस्करण सेमीफ़ाइनल के पड़ाव पर आ पहुंचा है। सेमीफ़ाइनल मुक़ाबले मंगलवार को बेंगलुरु में प्रारंभ होंगे जहां मध्य प्रदेश का सामना होगा बंगाल से और मुंबई की टक्कर होगी उत्तर प्रदेश के साथ। इस बात से कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता की मुंबई को नॉकआउट में प्रवेश करने के लिए अन्य नतीजों पर निर्भर करना पड़ा। क्वार्टर-फ़ाइनल में उत्तराखंड पर 725 रनों की रिकॉर्ड जीत दर्ज करने के बाद वह अलुर में उत्तर प्रदेश के ख़िलाफ़ जीतने की दावेदार होगी। 86 में से रणजी ट्रॉफ़ी के 46 फ़ाइनल में प्रवेश करने वाली 41 बार की विजेता मुंबई पिछले मैच में मिले आत्मविश्वास को बरक़रार रखना चाहेगी। सूर्यकुमार यादव और अजिंक्य रहाणे के बाद अनुभवी बल्लेबाज़ आदित्य तरे चोट के चलते सेमीफ़ाइनल में नहीं खेल पाएंगे। हालांकि मुंबई के पास पृथ्वी शॉ, यशस्वी जायसवाल, सरफ़राज़ ख़ान और अरमान जाफ़र के रूप में ऐसे घातक बल्लेबाज़ हैं जो अपने दम पर मैच का रुख़ पलट सकते हैं। अपने पहले ही मैच में 252 रन बनाकर सुवेद पारकर ने भी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। गेंदबाज़ी क्रम में बाएं हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी 37 विकेट लेकर इस सीज़न के सबसे सफल गेंदबाज़ हैं। भले ही उत्तर प्रदेश के पास मुंबई की तरह बड़े खिलाड़ी तथा हाल के सालों में कोई ट्रॉफ़ी नहीं है (2005-06 में आख़िरी बार यूपी ने रणजी ट्रॉफ़ी अपने नाम की थी), शॉ की टीम उन्हें हल्के में नहीं ले सकती। मुंबई की तरह उत्तर प्रदेश की टीम को भी नॉकआउट में जाने के लिए अंतिम दिन तक संघर्ष करना पड़ा था। वह अब तक इस टूर्नामेंट में अविजित है और आठ बार की विजेता कर्नाटक को हराकर सेमीफ़ाइनल में आ रही है।

ग्रां प्री बैडमिंटन लीग की नीलामी में आइकन खिलाड़ियों की चांदी

बेंगलुरू। कर्नाटक की बहुप्रतीक्षित बैडमिंटन लीग 'ग्रां प्री बैडमिंटन लीग' के लिये आयोजित नीलामी में मिथुन मंजुनाथ, प्रकाश राज और साई प्रतीक ने अधिकतम कीमत 3.5 लाख रुपये प्राप्त की। कर्नाटक बैडमिंटन महासंघ द्वारा एक जुलाई से 10 जुलाई तक आयोजित इस टूर्नामेंट में मिथुन को मालनाड फैलकन्स ने खरीदा, जबकि साई प्रतीक मांड्या बुल्स में शामिल हुए। प्रकाश को केजीएफ वुल्व्स ने खरीदा। इसके अलावा सनीथ दयानंद (कोडगु टाइगर्स, 2.6 लाख रुपये), डैनियल फरीद (बांदीपुर टस्कर्स, 3.1 लाख रुपये), रघु मारिस्वामी (मंगलुरु शार्क, 3.3 लाख रुपये), तान्या हेमंत (मैसूर पैंथर्स, 3.2 लाख रुपये) और जननी अनंतकुमार (बेंगलुरु लायंस- 2.5 लाख रुपये) को भी लीग में जगह मिली। प्रत्येक टीम में आठ खिलाड़ी शामिल हो सकते थे जिनमें एक आइकन खिलाड़ी, कम से कम दो टियर-1 और टियर-2 खिलाड़ी, और आइकन श्रेणी सहित कम से कम दो महिला खिलाड़ियों का होना आवश्यक था। हर टीम के पर्स में 12 लाख रुपये थे जिसमें से दो लाख रुपये खिलाड़ी पुरस्कार के लिए आरक्षित थे। आइकन खिलाड़ियों के लिए न्यूनतम शुल्क 2.5 लाख रुपये और अधिकतम शुल्क 3.5 लाख रुपये निर्धारित किया गया था।

21 हज़ार 275 करोड़ रुपये में बिके भारतीय उपमहाद्वीप में आईपीएल के टीवी राइट्स

मुम्बई। 2023 से 2027 तक चलने वाले अगले चक्र के लिए आईपीएल प्रसारण अधिकार प्राप्त करने के लिए चल रहे ई-ऑक्शन में पहले दो पैकेज की सर्वाधिक बोली का पता चल चुका है। क्रिकइंफ़ो को पता चला है कि भारतीय उपमहाद्वीप में टीवी प्रसारण अधिकार वाले पैकेज ए में सर्वाधिक बोली साढ़े 57 करोड़ रुपये प्रति मैच की है। भारतीय उपमहाद्वीप में डिजिटल प्रसारण के अधिकार वाले पैकेज बी में सर्वाधिक बोली 48 करोड़ रुपये की लगाई गई। रविवार को शुरू हुए ई-ऑक्शन में पैकेज ए और बी पर एक साथ बोली लगाने की प्रक्रिया शुरू हुई। रविवार को पैकेज ए की अंतिम बोली 57 करोड़ रुपये की थी जबकि पैकेज बी की थी 48 करोड़। 105 करोड़ 50 लाख रुपये प्रति मैच की संयुक्त राशि ने आईपीएल को विश्व की सबसे महंगी लीगों की सूची में ला खड़ा किया है। टीवी प्रसारण अधिकार वाले पैकेज ए की अंतिम बोली और निर्धारित आधार मूल्य में 17.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही डिजिटल प्रसारण वाले पैकेज की रक़म में 45.4 प्रतिशत का इज़ाफ़ा हुआ है। 2018 से 2022 के बीच के पिछले चक्र में एक मैच की क़ीमत 54.23 करोड़ थी और इस चक्र में प्रति मैच की क़ीमत में 94.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। प्रति सीज़न 74 मैचों के आधार पर पांच साल के लिए टीवी प्रसारण अधिकार पैकेज की क़ीमत 21 हज़ार 275 करोड़ रुपये है। डिजिटल प्रसारण पैकेज की क़ीमत (17 हज़ार 760 करोड़ रुपये) जोड़ने पर कुल आंकड़ा 39 हज़ार 35 करोड़ रुपये तक पहुंच जाता है। यह आंकड़ा पिछले आईपीएल राइट्स चक्र की राशि से 2.39 गुना अधिक है।

जोशी, रामदास ने कनाडा इंटरनेशनल पैरा बैडमिंटन में जीता स्वर्ण

ओटावा। भारतीय पैरा बैडमिंटन टीम ने ओटावा में आयोजित कनाडा इंटरनेशनल पैरा बैडमिंटन में मानसी जोशी और मनीषा रामदास के स्वर्ण सहित कुल नौ पदक जीते। महिला एसएल3 की वर्तमान विश्व चैम्पियन जोशी ने अपनी हमवतन पारुल परमार, फ्रांस की कोरालाइन बरगेरोन, जापान की नोरिको इटो और यूक्रेन की ओकसाना कोज़ीना के खिलाफ सभी राउंड रॉबिन मैच जीते। जोशी ने अन्य तीनों प्रतिद्वंद्वियों पर आसानी से जीत दर्ज की, लेकिन ओकसाना ने उनको परेशान किया। यूक्रेन की खिलाड़ी ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में जोशी को मात दी। निर्णायक मुकाबला बेहद करीबी रहा मगर जोशी ने अंतत- 22-20 से गेम अपने नाम करते हुए 21-18, 15-21, 22-20 से जीत दर्ज की। रूथिक रघुपति के साथ मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 कांस्य जीतने वाली जोशी ने ट्वीट किया, कनाडा पैरा-बैडमिंटन इंटरनेशनल में रुतिक के साथ मिश्रित युगल में कांस्य और सिंगल्स में स्वर्ण जीतकर बेहद खुशी हो रही है। इसके साथ ही मेरा मध्य पूर्व और उत्तरी अमेरिका का एक महीने का दौरा समाप्त हो गया है। जोशी की तरह, रामदास ने भी फ़ैज़ा दुबई 2022 इंटरनेशनल का प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला एकल एसयू5 स्वर्ण पदक जीता। चेन्नई की 17 वर्षीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और फाइनल में जापान की अकीको सुगिनो पर 27-25, 21-9 से रोमांचक जीत हासिल की। दुबई में भी रामदास ने सुगिनो को सीधे गेम में हराकर स्वर्ण पदक जीता था। इस सीजन में एसयू5 श्रेणी में यह उनका चौथा महिला एकल स्वर्ण था।

भारत की शीर्ष तीरंदाज दीपिका कुमारी ने नुमोतो स्कुडेरिया के साथ किया अनुबंध

रांची। ऑटोमोटिव वेलनेस कंपनी नुमोटो स्कुडेरिया ने सोमवार को घोषणा की कि उसने भारत की स्टार तीरंदाज दीपिका कुमारी को कंपनी के ब्रांड एंबेसडर के रूप में साइन किया है। सौदे के हिस्से के रूप में, दीपिका कुमारी कंपनी के ऊपर-द-लाइन और नीचे-द-लाइन मार्केटिंग संचार के साथ-साथ न्यूमोटो स्कुडेरिया के सभी मार्केटिंग और ब्रांड अभियानों का हिस्सा होंगी। 27 वर्षीय दीपिका कुमारी, जो झारखंड की रहने वाली हैं, वही राज्य जहां से नुमोतो स्कुडेरिया ने अपना संचालन शुरू किया है, भारत की सबसे मान्यता प्राप्त और सुशोभित महिला एथलीटों में से एक है। तीन बार की ओलंपियन रिकर्व महिला वर्ग में विश्व की पूर्व नंबर 1 खिलाड़ी हैं और उन्होंने विश्व मंच पर कई पदक जीते हैं। वर्तमान में रिकर्व महिलाओं में नंबर 3 के रूप में स्थान पर है, दीपिका एक अर्जुन पुरस्कार विजेता और पद्मश्री है। नुमोतो स्कुडेरिया के साथ जुड़ने पर, दीपिका कुमारी ने कहा, मैं बढ़ते हुए नुमोटो स्कुडेरिया परिवार का हिस्सा बनकर वास्तव में खुश हूं। ऑटोमोटिव स्पेस में झारखंड की एक युवा कंपनी के रूप में, मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं, जो एक संपूर्ण और रोमांचक यात्रा का वादा करता है। नुमोटो स्कुडेरिया भारत का पहला ऑटोमोटिव वेलनेस ब्रांड है, जिसमें वाहनों को कुशल, सुरक्षित और सड़क पर चलने योग्य रखने के लिए सेवाओं और उत्पादों का एक गुलदस्ता है।

अगर आप खुद पर विश्वास नहीं करते हैं तो कोई भी आप पर विश्वास नहीं करेगा : यशस्वी जायसवाल

मुम्बई। यशस्वी जायसवाल की उम्र 21 से भी कम है। इतनी छोटी उम्र में वह एक बहुत ही संघर्षपूर्ण दौर से गुज़रे हैं। 10 साल पहले उत्तर प्रदेश के भदोही नामक एक छोटे से शहर से यशस्वी क्रिकेट खेलने के लिए मुंबई आए। उस वक़्त उनके पास रहने के लिए मुंबई में घर तक नहीं था। ना ही उतने पैसे थे कि कोई घर भाड़े पर लिया जा सके। वह टेंट में सोते थे। खाने तक की समस्या थी। कभी-कभी तो उन्हें पूरा दिन ग्लुकोज़ बिस्कुट खाकर काटना पड़ता था। हालात ऐसे थे कि मुंबई में अपने गुज़र-बसर के लिए वह आज़ाद मैदान के पास पानीपुरी बेचते थे।

अपने त्याग और संघर्ष के उन दिनों को याद करते हुए यशस्वी कहते हैं कि मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि मेरे माता-पिता और परिवार को एक आरामदायक जीवन देना है।

रणजी ट्राफ़ी सेमीफ़ाइनल से पहले उन्होंने कहा, %मैंने जो यात्रा की है, वह जीवन भर मेरे साथ रहेगी। उन दिनों को याद कर के मुझे हमेशा आत्मविश्वास मिलेगा। हां, अब मुझे वित्तीय रूप से कोई परेशानी नहीं है लेकिन ऐसा नहीं है कि इससे मेरे सोच की पद्धति में कोई बदलाव आएगा।

अपने संघर्ष के दिनों में मैं जैसा था, आज भी वैसा ही हूं। मैं बिल्कुल नहीं बदला हूं और ना बदलने वाला हूं। मैं आज तक जैसा सोचता आया हूं, आगे भी वैसे ही सोचूंगा। मुझे पता है कि मंज़िल तक पहुंचने के लिए कितनी मेहनत और निष्ठा की आवश्यकता होती है।

दो साल पहले यशस्वी ने अंडर-19 विश्व कप में काफ़ी बढ़िया प्रदर्शन किया था। छह मैचों में 400 रनों के साथ वह सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ थे। उस दौरान यशस्वी के कवर ड्राइव और कट शॉट क्रिकेट जगत की चर्चा का विषय बने हुए थे। आईपीएल 2022 में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें रिटेन भी किया था, जहां उन्होंने जॉस बटलर के साथ बढ़िया बल्लेबाज़ी की। उन्होंने अपने बढ़िया प्रदर्शन को रणजी ट्रॉफ़ी में भी जारी रखा।

जब यशस्वी राजस्थान की टीम में एकादश से बाहर थे, उस समय के बारे में वह बताते हैं, मैंने कभी ख़ुद पर संदेह नहीं किया, मुझे विश्वास था की मुझे मौक़ा मिलेगा। यह सबसे अच्छी बात थी। मुझे लगता है कि मैं मानसिक रूप से बहुत मज़बूत हूं। अगर आप ख़ुद पर विश्वास नहीं करते हैं तो कोई भी आप पर विश्वास नहीं करेगा। यशस्वी ने कहा, बटलर के साथ बल्लेबाज़ी करना एक शानदार अनुभव था। हम एक-दूसरे से काफ़ी बात करते थे। वह मुझे हमेशा बता देते थे कि क्या करना है। वह मुझे इस संदर्भ में काफ़ी साफ़ और सटीक संदेश देते थे। अगर वह कुछ कहते थे, मैं उस पर पूरा भरोसा करता था। मुझे उनके साथ बल्लेबाज़ी करना काफ़ी अच्छा लगता था। वह मुझे कहते थे कि बढ़िया शॉट खेलने का प्रयास करो और मैं वही करता था।

पिछले कुछ वर्षों में यशस्वी की बल्लेबाज़ी के दृष्टिकोण में बदलाव आया है, और इसलिए उनके व्यवहार और मानसिकता में भी बदलाव आया है। वह अब पहले की तरह शर्मीले नहीं रहे, वह ड्रेसिंग रूम में टीम के साथियों के साथ मज़ाक़ भी करते हैं।

रणजी ट्रॉफ़ी में लगातार दूसरी बार फ़ाइनल में जाने के इरादे से मैदान पर उतरेगी बंगाल

एजेंसी

बेंगलुरु। भारत के सबसे बड़े प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफ़ी का 87वां संस्करण सेमीफ़ाइनल के पड़ाव पर आ पहुंचा है। सेमीफ़ाइनल मुक़ाबले मंगलवार को बेंगलुरु में प्रारंभ होंगे जहां मध्य प्रदेश का सामना होगा बंगाल से और मुंबई की टक्कर होगी उत्तर प्रदेश के साथ।

बंगाल की नज़र लगातार दूसरे फ़ाइनल पर- कप्तान आदित्य श्रीवास्तव पांच साल के थे जब मध्य प्रदेश आख़िरी बार रणजी ट्रॉफ़ी के फ़ाइनल में पहुंचा था। और तो और वर्तमान टीम का कोई भी खिलाड़ी पैदा भी नहीं हुआ था जब इस टीम ने 1945-46 में आख़िरी बार ख़िताब अपने नाम किया था। हालांकि इस बार मध्य प्रदेश के पास चमचमाती ट्रॉफ़ी अपने नाम करने का बढ़िया मौक़ा है।

क्वार्टर-फ़ाइनल में पंजाब को 10 विकेट से मात देकर आ रही मध्य प्रदेश के लिए फ़ाइनल में जाना इतना आसान नहीं होगा। बेंगलुरु के जस्ट क्रिकेट मैदान पर उनका सामना होगा बंगाल की मज़बूत टीम से। मध्य प्रदेश के पास कुमार कार्तिकेय, अक्षत रघुवंशी और रजत पाटीदार के रूप में कई मैच विनर खिलाड़ी हैं। यश दुबे, पाटीदार और शुभम शर्मा प्रत्येक ने इस सीज़न चार मैचों में 400 से अधिक रन बनाए हैं। वहीं 19 विकेट लेकर कार्तिकेय अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज़ रहे हैं। इसके अलावा तेज़ गेंदबाज़ अनुभव अग्रवाल और गौरव यादव ने आपस में 25 शिकार किए हैं जबकि पुनीत दाते और सारांश जैन ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया हैं।

वहीं दूसरी तरफ़ बंगाल को परिस्थितियों की अच्छी समझ होगी क्योंकि कुछ दिन पहले इसी मैदान पर उन्होंने क्वार्टर-फ़ाइनल का मैच खेला था। 2019-20 सीज़न के उपविजेता ने अपने तीन ग्रुप मैच जीतकर और क्वार्टर-फ़ाइनल में पहली पारी में भारी बढ़त लेने के बाद मैच ड्रॉ कर टॉप चार में जगह बनाई है।

विकेट गंवाने के बावजूद हम आक्रामक बल्लेबाज़ी करेंगे : अय्यर

कटक। भारत द्विपक्षीय टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में नतीजों की परवाह किए बिना अक्तूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी कर रहा है। दक्षिण अफ़्रीका के विरुद्ध लगातार दूसरा टी20 मैच हारने के बाद श्रेयस अय्यर ने यह प्रतिक्रिया दी।

श्रेयस ने मैच के बाद कहा, हमारा मुख्य उद्देश्य विश्व कप है, इसलिए हम उसके मद्देनज़र अपनी योजना बना रहे हैं। हम किसी और चीज़ के बारे में सोचे बिना खुले मन से मैदान पर उतर रहे हैं। इन मैचों में हम अतीत की उन सभी कमज़ोरियों पर काम कर सकते हैं। टीम मीटिंग में भी हम यही बात करते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए, हमें बनाई गई योजनाओं पर अमल करना है। असफल होने पर भी हम सीखेंगे और बतौर खिलाड़ी के साथ-साथ बतौर टीम भी विकसित होंगे। ऑस्ट्रेलिया पहुंचने तक यह ज़्यादा महत्वपूर्ण है।

इनमें से एक योजना यह है कि लगातार अंतराल पर विकेट गिरने के बावजूद बल्लेबाज़ आक्रामकता के साथ खेलना जारी रखेंगे। इसका उदाहरण हमें पहले मैच में देखने को मिला जहां सभी बल्लेबाज़ों ने अपने हाथ खोले और टीम को 211 के स्कोर तक पहुंचाया।

श्रेयस अय्यर ने बताया कि भारतीय टीम आक्रामक रुख़ अपनाना जारी रखेगी। श्रेयस ने कहा, हमने यह प्लान बनाया है कि चाहे कुछ भी हो जाए, हम (आक्रामक खेल) जारी रखेगें। भले ही विकेट गिरते रहे, यह हमारी योजना है और भविष्य में भी हम इसी विचारधारा के साथ जाएंगे। हमें ख़ुद पर पूरा भरोसा है।

हालांकि रविवार को कटक की एक मुश्किल पिच पर भारतीय बल्लेबाज़ अधिक प्रयास करने के बाद भी खुलकर नहीं खेल पाए। अंतत: छह विकेट के नुक़सान पर उन्होंने 148 रन बनाए जो जीत दिलाने लायक स्कोर नहीं था।

श्रेयस ने कहा, मुझे लगता है कि हम 11 से 15 ओवरों तक (संभलकर) खेल सकते थे लेकिन उस समय आपको स्कोरबोर्ड को भी आगे बढ़ाना है। मैच के बाद मुझे लगता है कि 160 उन पर दबाव बनाने योग्य स्कोर होता और हम 12 रन पीछे रह गए।

उन्होंने यह भी बताया कि भारत दिनेश कार्तिक का इस्तेमाल अंतिम पांच ओवरों में करना चाहता है। 13वें ओवर में चौथी विकेट गंवाने के बाद अक्षर पटेल, कार्तिक से पहले बल्लेबाज़ी करने आए। अक्षर ने 11 गेंदों पर 10 रन बनाए। पारी में 37 गेंदें शेष रहते हुए कार्तिक क्रीज़ पर आए लेकिन उन्हें भी तेज़ी से रन बनाने में परेशानी हुई। एक समय पर 16 गेंदें खेलने के बाद उन्होंने केवल नौ रन बनाए थे। हालांकि अंत में बड़े शॉट लगाने के कारण उनका अंतिम स्कोर 21 गेंदों पर नाबाद 30 रन था।

श्रेयस ने कहा, हमने इस बारे में गेमप्लान बनाया है। सात ओवर शेष थे और अक्षर सिंगल लेने में और स्कोरबोर्ड को चलाने में सक्षम है। उस समय हमें ऐसे बल्लेबाज़ की आवश्यकता नहीं थी जो पहली गेंद से बड़ा शॉट लगाए। कार्तिक भी वह काम कर सकते हैं लेकिन 15वें ओवर के बाद आकर वह बड़े शॉट खेल सकते हैं।

बांग्लादेश से दिल्ली एयरलिफ्ट किया गया कश्मीर का छात्र, पीएम मोदी ने खुद संभाला था मोर्चा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के एक एमबीबीएस छात्र को सोमवार को विशेष इलाज के लिए बांग्लादेश से एयरलिफ्ट किया। भाजपा नेता रविंदर रैना ने कहा कि एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद बांग्लादेश के एक अस्पताल में इलाज करा रहे जम्मू कश्मीर के एमबीबीएस छात्र को एयरलिफ्ट कर नई दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया है। यहां के राजौरी जिले के रहने वाले शोएब लोन ढाका के बारिंद मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस फाइनल ईयर के छात्र हैं।

शोएब का 3 जून को कॉलेज के अपने दो दोस्तों के साथ एक्सीडेंट हो गया था। हादसे में एक की मौत हो गई और शोएब समेत दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

राजौरी जिले के दौरे के दौरान रैना ने छात्र के पिता मोहम्मद अस्कम लोन से मुलाकात की थी। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष ने कहा, राजौरी की अपनी यात्रा के दौरान जैसे ही मुझे उनके पिता से दुर्घटना के बारे में पता चला, मैंने पीएमओ से मदद मांगी। वह कोमा में हैं। उनके माता-पिता मदद चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि पीएमओ ने ब्योरा मांगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्यक्तिगत रूप से बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त को फोन किया ताकि छात्र के परिवार को सभी जरूरी सहायता प्रदान की जा सके। रैना ने कहा कि उच्चायुक्त ढाका के एवर केयर अस्पताल में घायल छात्र को देखने पहुंचे थे और रजौरी में उसके परिवार से संपर्क किया

रैना ने इस संबंध में त्वरित कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। शुऐब के पिता ने कहा कि परिवार ने किसी तरह 10 लाख रुपये का इंतजाम किया था जिसमें लोगों ने योगदान दिया था, लेकिन सारा पैसा उसके इलाज में खर्च हो गया। उसके पिता जम्मू कश्मीर सरकार में चुतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी हैं।

शोएब लोन के पिता ने अपने बेटे को ढाका से भारत (दिल्ली) एयरलिफ्ट करने के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया। उनका बेटा शोएब फिलहाल एम्स दिल्ली में भर्ती हैं। शोएब के पिता असलम लोन ने कहा, वहां पहुंचने पर हमें समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था।

भाषा की बाधा का सामना करना पड़ा और खर्च अधिक था ... हमने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंदर रैना से संपर्क किया, जिन्होंने हमसे वादा किया कि वह पीएम से बात करेंगे। मोदी हमारे बच्चे को भारत वापस लाएं। मैं पीएम को धन्यवाद देता हूं।

अपने परमाणु हथियार का विस्तार कर रहा भारत, पाकिस्तान और चीन भी नहीं हैं पीछे : रिपोर्ट

नई दिल्ली। स्टॉकहोम स्थित रक्षा थिंक टैंक SIPRI ने सोमवार को दावा किया कि जनवरी 2022 तक भारत के पास 160 परमाणु हथियार थे और ऐसा लगता है कि वह अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार कर रहा है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ने एक बयान में कहा कि इसी तरह, पाकिस्तान भी अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार कर रहा है। SIPRI के बयान में कहा गया है, चीन पहले से ही अपने परमाणु हथियार शस्त्रागार के विस्तार में लगा है। सेटेलाइट तस्वीरों से संकेत मिलता है कि इसमें 300 से अधिक नए मिसाइल साइलो का निर्माण शामिल है। जनवरी 2021 के साथ-साथ जनवरी 2022 में चीन के पास 350 परमाणु हथियार थे।

यह दावा किया गया है कि जहां भारत का परमाणु भंडार जनवरी 2021 में 156 से बढ़कर जनवरी 2022 में 160 हो गया, वहीं पाकिस्तान का परमाणु भंडार जनवरी 2021 और जनवरी 2022 में 165 पर बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया, भारत और पाकिस्तान अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार करते हुए दिखाई देते हैं, और दोनों देशों ने 2021 में नए प्रकार के परमाणु वितरण प्रणाली की शुरुआत की और इसे विकसित करना जारी रखा।

आने वाले वर्षों में दुनिया के परमाणु हथियारों के भंडार में वृद्धि होने की आशंका है जिसमें शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद से गिरावट देखी गई थी। यह बात हथियारों की निगरानी करने वाली एक संस्था 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) ने सोमवार को कही। एसआईपीआरआई ने कहा कि परमाणु हथियार सम्पन्न सभी नौ देश अपने शस्त्रागारों को बढ़ा रहे हैं या उसे उन्नत कर रहे हैं।

एसआईपीआरआई के सामूहिक विनाश के हथियार कार्यक्रम के शोधकर्ता और फेडरेशन आफ अमेरिकन साइंटिस्ट में परमाणु सूचना परियोजना के निदेशक हैंस एम. क्रिस्टेंसन ने कहा, ''इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद से दिखी वैश्विक परमाणु शस्त्रों में कमी लाने की प्रवृत्ति समाप्त हो गई है।''

दुनिया के 90 प्रतिशत परमाणु हथियार रखने वाले अमेरिका और रूस के शस्त्र भंडार में वर्षों पहले सैन्य सेवा से हटाये जाने वाले आयुधों को नष्ट किये जाने के कारण 2021 में गिरावट आयी थी। एसआईपीआरआई ने कहा कि उनके उपयोग योग्य सैन्य भंडार अपेक्षाकृत स्थिर रहे और परमाणु हथियारों में कमी की संधि द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर रहे।

अनुसंधान संस्थान ने कहा कि अन्य परमाणु सम्पन्न देश- ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, इज़राइल और उत्तर कोरिया – या तो नयी हथियार प्रणालियां विकसित कर रहे हैं या तैनात कर रहे हैं, या ऐसा करने के अपने इरादे की घोषणा कर चुके हैं। इजराइल ने इस तरह के हथियार होने की बात कभी भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं की है।

एसआईपीआरआई के सामूहिक विनाश के शस्त्र कार्यक्रम के निदेशक विल्फ्रेड वान ने कहा, ''सभी परमाणु हथियार सम्पन्न देश अपने शस्त्रागार को बढ़ा रहे हैं या उन्नत कर रहे हैं। यह बहुत ही चिंताजनक प्रवृत्ति है।''

युद्ध समाप्त करने के लिए भारी हथियारों की जरुरत

कीव। ब्रसेल्स में रक्षा मंत्रियों के एक शिखर सम्मेलन से पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सलाहकार मायखाइलो पोदोलयक ने सोमवार को कहा कि मौजूदा युद्ध को समाप्त करने के लिए 'भारी हथियारों' की जरुरत है। यूक्रेन के राष्ट्रपति के सलाहकार पोदोलयक ने ट्वीट किया, सीधी तौर पर युद्ध को समाप्त करने के लिए हमें भारी हथियारों की जरुरत है। श्री पोदोलयक के अनुसार यूक्रेन को 155 मिमी की 1000 हॉवित्जर कैलिबर, 300 एमएलआरएस, 500 टैंक, 2000 बख्तरबंद वाहन और 1000 ड्रोन की सख्त जरुरत है। रक्षा मंत्रियों के स्तर पर उत्तर अटलांटिक परिषद की बैठक बुधवार और गुरुवार को ब्रसेल्स में नाटो मुख्यालय में होगी जिसकी अध्यक्षता नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग करेंगे। अमेरिका द्वारा आयोजित यूक्रेन संपर्क समूह की अलग बैठक 15 जून को होगी। गौरतलब है कि यूक्रेन और रूस देशों के बीच 24 फरवरी से युद्ध शुरू हुआ।

बाइडेन अगले महीने सऊदी अरब, इजरायल की यात्रा करेंगे

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन अगले महीने सऊदी अरब और इजरायल की यात्रा पर करेंगे। खलीज टाइम्स ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। बाइडेन के दौरे के बारे में सूत्रों ने बताया कि व्हाइट हाउस में इस हफ्ते राष्ट्रपति की यात्रा को लेकर घोषणा की जाएगी। राष्ट्रपति की यात्रा जुलाई के मध्य में होने के कयास लगाए जा रहे हैं और बताया जा रहा है कि इस दौरान वह सऊदी अरब के शहजादा मोहम्मद बिन सलेमान से मुलाकात कर सकते हैं। इस बीच, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक प्रवक्ता ने श्री बाइडेन के इजरायल और सऊदी अरब की यात्रा पर जाने की योजना की पुष्टि की। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की यात्रा का उद्देश्य सऊदी अरब के साथ संबंधों को मजबूत करना होगा।

ब्राजील पुलिस को लापता ब्रिटिश पत्रकार का सामान मिला

ब्रासीलिया। ब्राजील पुलिस को लापता ब्रिटिश पत्रकार डोम फिलिप्स का निजी सामान और देश के पूर्वी हिस्से में एक नदी के पास उनके स्वदेशी साथी का पहचान पत्र और एक बैग मिला है। ब्राजीलियाई न्यूज पोर्टल जी-1 ने सोमवार को अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। फिलिप्स और उनके साथी, ब्रूनो परेरा, नाव से यात्रा करते समय अटालिया डो नॉर्ट शहर के पास एक रिपोर्टिंग मिशन के दौरान पांच जून को अचानक लापता हो गए थे। एक स्थानीय नागरिक को दो लोगों के लापता होने में शामिल होने के संदेह में हिरासत में लिया गया था। जिसे फिलिप्स की नाव के पीछे नदी में तैरते हुए देखा गया था। कथित तौर पर इस क्षेत्र में अवैध मछली पकड़ने, लॉगिंग, खनन और मादक पदार्थों की तस्करी पर रिपोर्ट करने पर दोनों पत्रकारों को धमकी दी गई थी। जी1 ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें एक दूरस्थ अमेज़ॅन वर्षावन में खोज अभियान स्थल के पास बैकपैक, एक नोटबुक, फ्लिप-फ्लॉप की एक जोड़ी और परेरा का पहचान पत्र मिला है।

श्रीलंका मोटर चालकों को ईंधन स्टेशन पर कराना होगा पंजीकरण

कोलंबो। श्रीलंका चाहता है कि ईंधन की लगातार कमी के बीच अब मोटर चालक ईंधन स्टेशन पर आने से पहले अपना पंजीकरण करवाएं। बिजली और ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकेरा ने सोमवार को प्रकाशित टिप्पणी में कहा, नई प्रणाली जुलाई के पहले सप्ताह से शुरू की जानी है। द्वीप अखबार ने मंत्री के हवाले से बताया कि मोटर चालकों को पहले ईंधन स्टेशन पर पंजीकरण करवाने और उन्हें गारंटीकृत साप्ताहिक कोटा देकर ही, देश में 24 घंटे बिजली की आपूर्ति और ईंधन की लगातार आपूर्ति कराने में सफल हो सकते हैं। मंत्री ने कहा कि देश में आर्थिक संकटों के बावजूद सीलोन पेट्रोलियम कॉर्प एक सप्ताह के प्रबंधन के लिए ईंधन का आयात कर रहे हैं, लेकिन कुछ मोटर चालक और अन्य व्यक्ति अपनी मशीनों के साथ-साथ जनरेटर के लिए एक महीने से अधिक समय के लिए ईंधन एकत्र कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं, ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11, ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं। पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्ड बल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं।

गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं।

मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।

बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।